रांची

www.vananchaleye@gmail com

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:61 | बुधवार,05 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

डीजीसीए जल्द ला सकता है हवाई यात्रा के नए नियम

एजेंसी

अब एयर पैसेंजर्स को टिकट बुक करने के 48 घंटे के अंदर बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के कैंसिल या चेंज करने का मौका मिल सकता है। डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने इन नियमों को लाने के लिए एक ड्राफ्ट जारी किया है। डीजीसीए ने लोगों से इसके लिए 30 नवंबर तक सुझाव मांगे हैं। अगर सब ठीक रहा तो जल्द ही नियम बनेगा, लेकिन ये कब से लागू होंगे, ये अभी तय नहीं हुआ है। बुकिंग के बाद 48 घंटे का 'लुकइ न' पीरियड मिलेगा। यानी सोचोस मझो, पसंद न आए तो टिकट कैंसिल कर दों। नाम में कोई एरर हो तो 24 घंटे के अंदर फ्री में सुधार करा सकते हैं। मेडिकल इमरजेंसी में भी एयरलाइन रिफंडदे सकती है।

लातेहार में 15 डिग्री केकरीब पहुंचा तापमान

संवाददाता

लातेहार:झारखंड के लोगों को अब सर्दी सताने लगी है। राज्य के जिला लातेहार में तो न्यूनतम तापमान गिरकर 15.8 डिग्री तक पहुंच गया है। आने वाले दिनों में राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में ठंड के और बढ़ने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने मंगलवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल झारखंड में मौसम साफ रहेगा। रात और सुबह में कई जिलों में कुहासा छाया रहेगा और दिन में कभी-कभी आंशिक बादल भी रहेंगे। इससे तापमान में और गिरावट दर्ज की जाएगी। झारखंड में पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 32.3 डिग्री सेल्सियस
रिकॉर्ड किया गया। इस दौरान राज्य में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई है। उल्लेखनीय है कि एक हफ्ते पूर्व चार-पांच दिनों तक हुई लगातार बारिश के कारण जमीन गीली हो गई है, जिससे वातावरण में नमी बरकरार
है। इससे सुबह और रात में कनकनी महसूस हो रही है।

कोडरमा-गिरिडीह में 9 से 11 नवंबर तक शराब बिक्री पर रोक

संवाददाता

कोडरमा) : बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड के गिरिडीहऔर कोडरमा जिलों में शुष्क दिवस घोषित किया गया है। आदेश के अनुसार, 9 नवंबर को शाम 5 बजे से 11 नवंबर को शाम 5 बजे तक इन जिलों में शराब की बिक्री और सेवन प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना की तिथि 14 नवंबर को भी पूरे कोडरमा जिले में शराब की बिक्री, भंडारण, परिवहन औरसेवन प्रतिबंधित रहेगा।

पहले चरण की 121 सीटों पर प्रचार थमा, मतदान कल

बिहार में पहले चरण का थमा शोर महिला मतदाताओं पर सबका जोर

महिलाओं से बोले पीएम, छठी मइया का अपमान करने वालों को हराइए

एजेंसी

पटना (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत बिहार की महिला कार्यकर्ताओं से वर्चुअल संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए की जीत तय है और उन्हें इस पर कोई संदेह नहीं है। संवाद के दौरान एक महिला कार्यकर्ता ने कहा कि बिहार में चुनाव को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह है। इस पर पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैंने इस चुनाव को करीब से देखा है, और साफ कह सकता हूं कि एनडीए भारी बहुमत से सरकार बनाएगा।' प्रधानमंत्री ने बिहार की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का जिक्र करते हुए कहा, 'इस चुनाव में ऐसी विजय दीजिए
कि जिन्होंने छठी मइया का अपमान किया है और बिहार को जंगलराज में धकेला था, उनकी जमानत जब्त हो जाए।' एक अन्य महिला कार्यकर्ता ने कहा, 'इस बार बिहार रिकॉर्ड तोड़ेगा, एनडीए को 225 सीटें मिलेंगी।' इस पर पीएम मोदी हंसते हुए बोले, 'बिहार में एनडीए की रैलियां रोज नए रिकॉर्ड बना रही हैं। सभाएं बहनों और बेटियों के नारों से गूंज उठती हैं।' उन्होंने कहा कि 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' अभियान में महिला कार्यकर्ता शानदार काम कर रही हैं। 'मैंने सोचा, सीधे आपसे बात कर के समझूं कि आप किस तरह सेइस चुनाव को जीत में बदल रही हैं,' उन्होंने किसानों को खेती के लिए मुफ्त बिजली देनेका भी वादा किया।

तेजस्वी का वादा, माई-बहिन योजना के तहत 30 हजार एकमुश्त भेजेंगे

एजेंसी

पटना : पटना में तेजस्वी यादव ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ऐलान किया कि अगर हमारी सरकार बनती है तो माई बहिन योजना के तहत एक साल की पूरी राशि 30 हजार रुपए एक साथ महिलाओं के खाते में भेजेंगे। माई बहिन योजना के तहत राजद ने महीने में ढाई हजार देने का वादा किया है। तेजस्वी ने कहा, सरकार बनने के बाद 14 जनवरी को हमारी सरकार एक साल का पैसा एक साथ देगी, ताकि महिलाओं को इसका फायदा हो सके। साथ ही जीविका दीदी कम्युनिटी मोबलाइजर को स्थायी करेंगे। उन्हें 2 हजार रुपए हर महीने देंगे। पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहरसा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिले में तीन जनसभाओं को संबोधित किया। चुनावी सभाओं में उन्होंने कई बड़े वादों का ऐलान किया। उन्होंने कहा, महागठबंधन की सरकार बनने पर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इसके साथ ही माय बहन योजना के तहत हर परिवार की महिला के खाते में 30 हजार रुपए भेजे जाएंगे। तेजस्वी ने घोषणा की कि महागठबंधन की सरकार बनने के बाद 14 जनवरी 2026 को महिलाओं के बैंक खातों में यह राशि भेजी जाएगी।

सभी सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर होंगी उपलब्ध

आज वर्ल्ड चैंपियंस से मिलेंगेपीएम नरेंद्र मोदी

संवाददाता

रांची: मंगलवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मानसून सत्र के दौरान विधानसभा से पारित 'झारखंड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (विशेष छूट) विधेयक- 2025' को मंजूरी प्रदान कर दी। इस विधेयक के पास होने से राज्य में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के माध्यम से औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इस विधेयक से उद्योगों की स्थापना और संचालन के लिए जरूरी परमिशन और इंस्पेक्शन से छूट प्रदान की गई है। इससे नए उद्यमों की स्थापना प्रक्रिया अधिक सरल हो जाएगी। सिंगल विंडो से एमएसएमई को मिलेगी गति : इसके अलावा 'सिंगल विंडो सिस्टम' के माध्यम से लाइसेंस से लेकर परमिशन से संबंधित सभी सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से औद्योगिक विकास को मिलेगा प्रोत्साहन

अब नए उद्यमों की स्थापना प्रक्रिया पहलेकी अपेक्षा हो जाएगी

अब नए उद्यमों की स्थापना प्रक्रिया पहले की अपेक्षा हो जाएगी

परिवर्तन होकर रहेगा : मोहन

संवाददाता

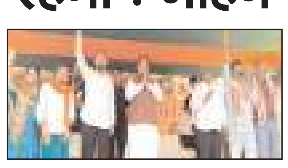

जमशेदपुर : घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के समर्थन में मंगलवार को एक चुनावी सभा का आयोजन किया गया, जिसमें ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि 'घाटशिला में परिवर्तन होकर रहेगा।' मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि ओडिशा में डबल इंजन की सरकार के कारण राज्य तेजी से विकास कर रहा है और आम जनता को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। जबकि झारखंड खनिज-संपदा से समृद्ध होने के बावजूद बेरोजगारी, अव्यवस्था और भ्रष्टाचार की समस्या से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है, और जनता एनडीए की नीतियों से प्रभावित होकर उसका समर्थन कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि घाटशिला उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन की जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है और झारखंड में भी विकास का नया अध्याय लिखने जा रही है। सभा में पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता चंपाई सोरेन, जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, सिदो-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू सहित कई वरिष्ठ नेता मंच पर उपस्थित रहे।

कल्पना ने सोमेश के पक्ष में मांगा समर्थन

संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन की जीत को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन मंगलवार को घाटशिला पहुंचीं। उन्होंने गालूडीह आंचलिक मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित किया, जहां हजारों शामिल हुए। इस दौरान कल्पना सोरेन के साथ मंत्री दीपक बिरुआ, मंत्री सुदिव्य सोनू और झामुमो के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सभा के दौरान पूर्व मंत्री रामदास सोरेन की पत्नी मतदाताओं को संबोधित करते हुए भावुक हो गईं। उन्होंने मौजूद लोगों से पुत्र सोमेश सोरेन को आशीर्वाद देने की अपील की। इस पर कल्पना सोरेन ने कहा, '11 नवंबर को जनता को रामदास सोरेन के सपनों को साकार करना होगा।' उन्होंने

मंईयां सम्मान योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि झामुमो की सरकार ने हमेशा महिलाओं के सशक्तिकरण कोप्राथमिकता दी है। उन्होंने जनता से अपील किया कि वे विकास और स्वाभिमान के इस संघर्ष में झामुमो उम्मीदवार सोमेश सोरेन को भारी मतों से विजयी बनाएं। कार्यक्रम के दौरान भिलाईपहाड़ी गांव के युवा कलाकार सूरज चालक ने कल्पना सोरेन को दिशोम गुरु शिबू सोरेन की हस्तनिर्मित तस्वीर भेंट की। सूरज चालक ने बताया कि उन्होंने यह चित्र दिशोम गुरु के निधन के बाद उनकी स्मृति में बनाया था और आज उन्हें व्यक्तिगत रूप से सौंपकर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह चित्र सिर्फ
गुरुजी की याद में नहीं, बल्कि उस आत्मा को श्रद्धांजलि है जिसने झारखंड को उसकी पहचान और अधिकारों की लड़ाई सिखाई। सभा में विधायक संजीव सरदार, सामाजिक कार्यकर्ता दीपक रंजीत सहित कई स्थानीय नेता सहित अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस का 'मतदाता बचाओ लोकतंत्र बचाओ' अभियान शुरू

एजेंसी

रांची : झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने मंगलवार को मतदाता बचाओ, लोकतंत्र बचाओ अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि पार्टी लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि झारखंड में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नामपर कुछ लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती है। कांग्रेस सुनिश्चित करेगी कि कोई नागरिक अपने संवैधानिक मताधिकार से वंचित न हो। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा,
'मतदान का अधिकार हर भारतीय नागरिक का मौलिक और संवैधानिक अधिकार है, जिसे कोई भी संस्था या एजेंसी छीन नहीं सकती।' कांग्रेस को सूचित किया गया है कि कुछ मतदाता सूची से गलत नाम काटे जा रहे हैं, जिसका कड़ा विरोध किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि चुनाव आयोग किसी राजनीतिक दल की एजेंसी की तरह काम करता है, तो वह सड़क से लेकर सदन तक इसका विरोध करेगी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय की माता के निधन पर जताया शोक

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय के डोरंडा स्थित आवास पहुंचकर उनकी माता स्वर्गीय रीना मुखर्जी के निधन पर गहरी संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री ने शोकसंतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और इस दुखद घड़ी में धैर्य बनाए रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय रीना मुखर्जी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हेंश्रद्धांजलि दी।

घाटशिला | **केंद्र में कोई रहे, झारखंड में झामुमो को मिलेगा आशीर्वाद**

घाटशिला में चुनाव प्रचार तेज

संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम :मंगलवार को गांडेय की विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के गालूडीह स्थित आंचलिक मैदान में चुनावी सभा को संबोधित किया। कल्पना ने कहा कि झामुमो को मुकाम पर पहुंचाने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन और रामदास सोरेन हैं। ये उनके संघर्ष, परिश्रम एवं त्याग का प्रतीक हैं। कल्पना ने कहा कि झारखंड के विकास का रोडमैप मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास है। केंद्र में कोई कितना भी ताकतवर क्यों ना हो, झारखंड की जनता के आशीर्वाद से हेमंत सोरेन एवं झामुमो हमेशा मजबूत रहेंगे। उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना ने महिलाओं की आर्थिक स्थिति में बड़ा परिवर्तन लाया है। सभा में आए समर्थकों में उत्साह भरते हुए कहा कि 11 तारीख को सीरियल नंबर 2 पर बटन खुद भी दबाइये और अपने पड़ोसियों को भी प्रेरित करिए। चाहे उस दिन खूब ठंडा पड़े, बारिश हो या धूप, बूथ तक आने-जाने की व्यवस्था हो या नहीं, तीर-धनुष छाप पर बटन दबाकर सोमेश को भारी मतों से जिताकरविजयी होने का आशीर्वाद दें।घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव में राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। यहां झामुमो व भाजपा, दोनों ने अपने स्टार प्रचारकों की फौज उतारनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में मंगलवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी आए। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी राज्य का विकास राज्य और केंद्र सरकार के समन्वय से होता है। ओडिशा इतनी तेजी से इसलिए विकास कर रहा है, क्योंकि वहां डबल इंजन की सरकार है। झारखंड आज भी पिछड़ा इसलिए है कि यहां की सरकार अपने मन मुताबिक काम करती है और केंद्र की योजनाओं को लागू नही करती। इसलिए, ओडिशा जैसा विकास चाहिए, तो झारखंड में भी डबल इंजन की सरकार बनाएं। इसकी शुरूआत घाटशिला में भाजपा को जिताकर कर सकते हैं। गंधनिया हाट मैदान में आयोजित भाजपा की चुनावी सभा में माझी ने कहा कि बिहार के विधानसभा चुनाव और ओडिशा और झारखंड में हो रहेउपचुनाव में कमल ही कमल खिलेगा।कल्पना सोरेन ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जनता के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव लाने का काम किया है।

ओडिशा-झारखंड के चुनाव में खिलेगा कमल ही कमल

भारी संख्या में विदेशी हथियार व शूटर के वासेपुर आने की सूचना

गैंगस्टर प्रिंस खान के 30 करीबियों के ठिकानों पर पुलिस की छापेमारी

संवाददाता

एक दर्जन लोगों को किया गया गिरफ्तार

धनबाद:धनबाद की जिला पुलिस ने मंगलवार को सुबह 3 बजे गैंगस्टर प्रिंस खान के 30 करीबियों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। वासेपुर, पांडरपाल, शमशेर नगर, रहमतगंज, आर मोड़, नबीनगर, कबाड़ी पट्टी, नया बाजार और निषाद नगर में पुलिस ने दबिश दी। इसमें प्रिंस खान से संबंध रखने वाले जमीन कारोबारी, पैसों का लेन-देन करने वाले, प्रिंस खान का हथियार या उसके तक पैसा पहुंचाने वाले लोग शामिल हैं। बताया जाता है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भारी संख्या में विदेशी हथियार और शूटर वासेपुर आए हैं। ये किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इस योजना में प्रिंस खान के करीबी कारोबारीभी हैं।प्रिंस खान के करीबी जमीन कारोबारी के यहां लगभग 5 घंटे तक सर्च ऑपरेशन चला। इसमें लगभग एक दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें कुछ लोग ऐसे हैं जो पूर्व में ही प्रिंस खान के लिए ही जेल जा चुके हैं। इसमें किसी न किसी क्राइम को अंजाम देने वाले शमशेर नगर के फिरोज मलिक, लाडले खान, साहेब कुरैशी, मोहम्मद डबलू, आरिफ डीजे, परवेज खान, मोहम्मद तौसीफ आदि के साथ-साथ पुलिस ने और कई लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में अफरातफरी मच गई। पुलिस सूत्रों और स्थानीय लोगों के अनुसार, कई हथियार, नकद रुपये और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी मिले हैं, जिसे पुलिसजब्त कर ले गई है।

झारखंड में 12 से 28 नवंबर तक चलेगा राज्यव्यापी रक्तदान महा अभियान, अपर मुख्य सचिव ने कहा-

'सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराना सबकी जिम्मेदारी'

रांची, संवाददाता।

झारखंड में रक्त प्रतिस्थापन पर प्रतिबंध के मद्देनजर, जरूरतमंदों को रक्त प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसके लिए एक बैठक की गई. इसके लिए स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई. इसमें झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी की कार्यकारी निदेशक डॉ. नेहा अरोड़ा, एनएचएम के निदेशक शशि प्रकाश झा, डीआईसी सिद्धार्थ सान्याल, उपसचिव ध्रुव प्रसाद सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे.

सोशल मीडिया और स्थानीय प्रचार माध्यमों का उपयोग करने का मशवरा

राज्य के सभी ब्लड बैंकों के प्रतिनिधियों ने भी ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस बैठक में भाग लिया. इस बैठक में यह फैसला लिया गया कि राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वृहद रक्तदान अभियान 12 से 28 नवंबर तक राज्यव्यापी रक्तदान अभियान चलाया जाएगा. अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि इस अभियान को व्यापक स्तर पर सफल बनाने के लिए शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जागरूकता फैलाई जाए और अधिक से अधिक लोगों को इसके लिए प्रेरित किया जाए. उन्होंने कहा कि 'ब्लड डोनेशन को जन आंदोलन का रूप देना होगा और इसके लिए सोशल मीडिया और स्थानीय प्रचार माध्यमों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए.'

थैलेसीमिया मरीजों की निगरानी और रक्त की गुणवत्ता पर जोर

झारखंड राज्य स्वास्थ्य समिति की कार्यकारी निदेशक डॉ. नेहा अरोड़ा ने कहा कि सभी अस्पतालों को थैलेसीमिया के सभी मरीजों का विस्तृत डेटा एक अलग रजिस्टर में रखना होगा. उन्होंने निर्देश दिया कि हर ब्लड बैंक अपनी मासिक ऑडिट रिपोर्ट तैयार करे. अब हर तीन माह में एक बार ड्रग डायरेक्टरेट द्वारा ब्लड बैंकों का ऑडिट किया जाएगा.

ई-रक्तकोष में पंजीकरण और मैनपावर की पूर्ति

कार्यकारी निदेशक डॉ. नेहा अरोड़ा ने सभी रक्त केंद्रों को ई-रक्तकोष पंजी पर पूर्ण रूप से डाटा की इंट्री सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, साथ ही मैनपावर की कमी दूर करने और ब्लड बैंक के लिए आवश्यक स्टाफ की तैनाती शीघ्र पूरी करने पर बल दिया.

सभी के सहयोग से अभियान होगा सफल

बैठक के दौरान एनएचएम के निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि ब्लड डोनेशन कैंप में गैर सरकारी संगठन और सामाजिक संस्थाओं का योगदान अपेक्षित है. सामूहिक योगदान से ब्लड डोनेशन कार्यक्रम को सफल बनाया जा सकता है. उन्होंने इसके लिए बृहद प्रचार प्रसार पर जोर दिया.

मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले ब्लड बैंक होंगे बंद

'जहां भी ब्लड बैंक में कोई कमी है, उसे तत्काल दूर किया जाए. जो भी ब्लड बैंक अब मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे, उन्हें बंद कर दिया जाएगा. एसओपी की कॉपी सभी संबंधित संस्थानों को भेजी जाएगी और इसे नो नेगोशिएबल होगा, अर्थात इसे पूरी तरह पालन करना अनिवार्य होगा.' अजय कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव

ब्लड सेपरेशन यूनिट अनिवार्य : अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य ए. के. सिंह ने स्पष्ट किया कि राज्य में बिना ब्लड सेपरेशन यूनिट के कोई ब्लड बैंक सेंटर नहीं होगा. उन्होंने स्कूल, कॉलेज और एनजीओ की सहायता से रक्तदान अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया. बैठक के दौरान सदर अस्पताल के एक चिकित्सक ने बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू करने की इच्छा जताई.

हिंदपीढ़ी स्थित श्री महावीर मंडल शिव मंदिर में विधि-विधान से पूजा और आरती संपन्न

रांची, संवाददाता।

रांची के हिंदपीढ़ी स्थित माली टोला शिव मंदिर चौक में स्थित श्री महावीर मंडल शिव मंदिर, जो वर्ष 1926 में स्थापित हुआ था, एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक शिव मंदिर है। मंदिर के आस-पास अभी सात हिंदू परिवार निवास करते हैं, जो पीढ़ियों से इस मंदिर की सेवा, देखरेख और पूजा-पाठ करते आ रहे हैं। पूर्व में मंदिर की जर्जर अवस्था और आर्थिक अभाव के कारण पूजा-पाठ का कार्य बाधित हो गया था। मंगला, अष्टमी, नवमी, दशमी जैसे धार्मिक आयोजनों की परंपरा भी थम गई थी। परंतु वर्ष 2023 में सात हिंदू परिवारों की साझा पहल, श्रमदान और कुछ श्रद्धालु हिंदुओं के सहयोग से मंदिर में पुनः पूजा-पाठ आरंभ हुआ। वर्ष 2025 से मंदिर के नए शिरे से पुनर्निर्माण कार्य प्रारंभ किए गए हैं। श्री श्याम मित्र मंडल के संस्थापक विश्वनाथ नर्सरिया के अथक प्रयास से उद्योग पति समाजसेवी ओम प्रकाश छावनीका ललिता छांवनिका वैभव छांवनिका शिल्पा छावनिका दाता के सहयोग से मंदिर के अधूरे कार्य को पूरा कराया जा रहा है। आज 11:30 बजे पूर्वाह्न में विधि-विधान से पूजा, आरती एवं मूर्ति हटाने का कार्य संपन्न हुआ। पुनर्निर्मित मंदिर में भगवान शिव परिवार, बजरंगबली, माँ दुर्गा और राधा-कृष्ण की भव्य मूर्तियाँ स्थापित की जाएंगी। विश्वनाथ नर्सरियां ने कहा कि अल्पसंख्यक हिंदू एरिया के सभी मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा इस मंदिर के बाद बंशी चौक हिंदपीढ़ी मेंप्रस्तावित पांच तल्ला मंदिर का विकास कार्य शंकर प्रसाद के नेतृत में किया जाएगा प्रसिद्द वास्तुकार निशांत बक्शी और आयुषी पोद्दार के देखरेख में कार्य हो रहा है। इस पुनीत कार्य में प्रमुख रूप से - फूलों देवी, अजय वर्मा, विश्वनाथ नर्सरिया, कुंदन राम, राजेश अग्रवाल, पवन कुमार, सुमित वर्मा, किरण देवी, सुधा देवी, नीतू देवी, कृष्णा राम, निशांत पोद्दार, करण राम, उज्ज्वल गुप्ता, संगीता देवी, विक्रांत राम, पीयूष राम और शंकर प्रसाद की सक्रिय भूमिका रही।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय की माता को दी श्रद्धांजलि

रांची, संवाददाता।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय के डोरंडा स्थित आवास पहुंचे. मुख्यमंत्री ने न्यायमूर्ति मुखोपाध्याय की माता स्वर्गीय रीना मुखर्जी के निधन पर दुख जताया. मुख्यमंत्री ने रीना मुखर्जी जी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. उन्होंने कहा कि माता का स्नेह और आशीर्वाद हर व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होती है, उनका जाना परिवार के लिए बहुत बड़ी क्षति है. मुख्यमंत्री ने न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय और उनके परिजनों से मिलकर संवेदना प्रकट की और कहा कि इस कठिन समय में पूरा राज्य उनके साथ खड़ा है. उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति मिले और परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान हो.

रेल सुरक्षा बल के जवान संजय भगत ने दिखाई बहादुरी, चलती ट्रेन से गिरती महिला की बचाई जान

रांची, संवाददाता।

रेल सुरक्षा बल के जवानों की सतर्कता और तत्परता ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि उनकी चौकसी यात्रियों की सुरक्षा की सबसे मजबूत गारंटी है. रांची रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान आरपीएफ के कांस्टेबल संजय भगत ने असाधारण साहस और मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए एक महिला यात्री की जान बचा ली.

ट्रेन से उतरने समय हुई घटना

ट्रेन संख्या 18086 खड़गपुर - रांची मेमू अपने निर्धारित समय पर रांची स्टेशन से प्रस्थान कर रही थी इसी दौरान एक महिला यात्री ट्रेन से उतरने की कोशिश में अचानक संतुलन खो बैठी और ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच के गैप में फंसकर गिरने लगी. यह दृश्य देखकर आसपास के यात्री घबरा गए, लेकिन उसी पल ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल संजय भगत ने बिना क्षण गंवाए त्वरित कार्रवाई की. उन्होंने तुरंत महिला को खींचकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया. उनकी इस प्रतिक्रिया और साहसिक कदम से एक बड़ा हादसा टल गया और महिला की जान भी बच गई.

गलती से चढ़ गई थी दूसरी ट्रेन में

पूछताछ में महिला ने अपना नाम आशा कुमारी (उम्र 30 वर्ष), पत्नी सुनील उरांव, निवासी ग्राम अकाशी, थाना भंडारा, जिला लोहरदगा (झारखंड) बताया. उन्होंने बताया कि वे लोहरदगा जाने के लिए रांची स्टेशन आई थीं, लेकिन गलती से खड़गपुर मेमू ट्रेन में चढ़ गईं. जब उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ तो उन्होंने चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास किया, जिससे यह हादसा होते-होते बचा.

आरपीएफ कर्मी रहते हैं हमेशा तत्पर

रेल सुरक्षा बल के कमांडेंट पवन कुमार के निर्देशन में तैनात आरपीएफ कर्मी लगातार यात्रियों की सुरक्षा और रेल परिसरों में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए चौकन्ने रहते हैं. कमांडेंट ने कहा कि कांस्टेबल संजय भगत का यह कार्य न केवल उनकी सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि आरपीएफ कर्मी किसी भी आकस्मिक स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं.

आरपीएफ कर्मी के साहसी कार्य की सब कर रहे हैं प्रशंसा

कांस्टेबल संजय भगत के इस साहसिक और मानवीय कार्य की रेलवे प्रशासन ने सराहना की है. रांची रेल मंडल और आरपीएफ कमांडेंट कार्यालय ने उन्हें विशेष प्रशंसा के योग्य माना है. यात्रियों और चश्मदीदों ने भी उनकी बहादुरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यदि वह उस समय मौके पर तत्परता नहीं दिखाते, तो परिणाम भयावह हो सकता था.

रांची शहर नागरिक मंच ने राज्य निर्वाचन आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

रांची, संवाददाता।

रांची शहर नागरिक मंच ने आज राज्य निर्वाचन आयुक्त अल्का तिवारी को एक ज्ञापन दिया. मंच ने मांग की कि रांची नगर निगम सहित झारखंड के सभी नगर निकायों का चुनाव जल्द कराया जाए. मंच के सदस्यों ने कहा कि कई सालों से नगर निकायों का चुनाव नहीं हुआ है. इसके कारण लोगों को अपना प्रतिनिधि नहीं मिल पा रहा है. सड़क, नाली, सफाई जैसे कामों में दिक्कत हो रही है और केंद्र सरकार से मिलने वाला अनुदान भी रुक गया है. मंच ने यह भी कहा कि रांची नगर निगम के मेयर पद को अनारक्षित किया जाए. उनका कहना है कि मेयर पद रांची शहर के लिए है, इसलिए इसका आरक्षण राज्य स्तर पर नहीं होना चाहिए. हर वर्ग के लोगों को चुनाव लड़ने का समान मौका मिलना चाहिए. साथ ही मंच ने निगम के वार्डों में रोटेशन नीति लागू करने की भी मांग की. उन्होंने कहा कि कई वार्ड लंबे समय से एक ही वर्ग के लिए आरक्षित हैं. इससे दूसरे वर्गों को चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिल रहा है. रोटेशन नीति से हर वर्ग को बराबरी का अवसर मिलेगा.

चक्रवात मोंथा के बाद अजीबोगरीब फंगस ने बढ़ाई सरकार की चिंता, धान को हो रहा नुकसान!

रांची, संवाददाता।

राज्य सरकार चक्रवात मोंथा के कारण हुए फसलों के नुकसान से अभी निपट ही रही थी कि एक नयी मुसीबत धान के खेतों में लग रहा फंगस आ गया है. धान के खेतों में तेजी से फैल रहे यह फंगस एक खेत से दूसरे खेत तक पहुंच रहा है. जिससे तैयार हो रहे धान को भारी नुकसान पहुंचा रहा है. यह ऐसा फंगस है जो हवा से फैलता है और एक खेत से दूसरे खेत तक बड़े ही आसानी से पहुंचकर धान के फसल को नुकसान पहुंचता है. इस फंगस की वजह से हो रहे नुकसान की चर्चा आज सोमवार को कैबिनेट की बैठक में होती रही. कृषि विभाग ने इस फंगस के कारण हो रही क्षति पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री को पूरी वास्तविक स्थिति से अवगत कराया. बता दें कि मोंथा चक्रवात की वजह से राज्य के खेतों में धान और सब्जियों की फसलें बर्बाद हो गई हैं. जिससे हजारों किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया.

'किसानों को आर्थिक सहायता, टॉल फ्री नंबर- 14447 पर दें सूचना'

खेतों में लगा धान की फसल तैयार होने को है. ऐसे में अचानक आए अजीबोगरीब फंगस ने कृषि विभाग की चिंता बढ़ा दी है. कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की कहती हैं कि पहले यह माना जा रहा था कि बारिश के कारण धान का पौधा जमीन पर सो रहा है मगर ऐसा नहीं है अजीबोगरीब फंगस के कारण भी क्षति हो रही है. इस वजह से बड़ी क्षति हो रही है, जो हवा से फैलता है और एक खेत से दूसरे खेत तक पहुंच रहा है. राज्य सरकार इस पर नजर रख रही है. कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार ने फसलों के नुकसान की भरपाई के लिए तैयार है. बिरसा फसल बीमा के जरिए 13 लाख किसानों का बीमा हुआ है. इसके अलावा अगर कोई ऐसे किसान हैं जिन्होंने बीमा नहीं कराया है वे टॉल फ्री नंबर- 14447 पर सूचना दें. उन्हें भी सर्वे करने के पश्चात आर्थिक सहायता आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा दी जाएगी.

पीडीएस डीलरों को मिलेगा 14 माह का बकाया कमीशन, सरकार ने जारी किए 52 करोड़

रांची, संवाददाता।

झारखंड सरकार ने राज्य के 25 हजार से ज्यादा पीडीएस डीलरों को बड़ी राहत दी है. सरकार ने उनके 14 महीने से रूके कमीशन का भुगतान करने के लिए 52 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी कर दी है. यह पैसा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मिलने वाले डीलर कमीशन और खाद्यान्न ढुलाई के लिए दिया जाएगा. SNA-SPARSH प्रणाली के जरिए पीडीएस डीलरों को कमीशन ऑनलाइन सीधे उनके बैंक खातों में भेजा जाएगा.

केंद्र के बाद राज्य ने भी जारी की राशि

बता दें कि केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2025 में 38.76 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी. इसके बाद राज्य सरकार ने Top-Up राशि के रूप में 52.03 करोड़ रुपये देने का फैसला किया. इससे पहले मई और जुलाई में कुल 72 करोड़ रुपये से ज्यादा का आवंटन किया गया था. रांची जिले में लगभग 2000 डीलर हैं. इनमें से 1800 डीलरों के बैंक विवरण पूरे हो गए हैं. बाकी डीलरों के खातों में सुधार का काम चल रहा है. विभाग का कहना है कि अगले 15 दिनों में सभी डीलरों को पैसा मिल जाएंगे. SPARSH प्रणाली से भुगतान किया जाएगा, ताकि किसी तरह की गड़बड़ी न हो. राज्य स्तर पर खाद्य एवं उपभोक्ता निदेशालय इसकी निगरानी करेगा और जिला आपूर्ति पदाधिकारी को भुगतान की जिम्मेदारी दी गई है. राशि का उपयोग सरकार के नियमों के अनुसार ही किया जाएगा. भुगतान के बाद जिलों को उपयोगिता प्रमाणपत्र भेजना होगा और महालेखाकार, झारखंड द्वारा व्यय का ब्यौरा जांचा जाएगा.

विदेश गए तो नहीं लौटेंगे इरफान अंसारी! ममता सरकार की दलील से कोलकाता हाईकोर्ट सहमत, मंत्री ने दी सफाई

रांची, संवाददाता।

सब कुछ ठीक होता तो झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी आज यानी 4 नवंबर 2025 को लंदन में होते लेकिन ऐसा नहीं हो सका. मामला बेहद रोचक है. झारखंड की हेमंत सरकार चाहती थी कि उनके स्वास्थ्य मंत्री विदेश हो आएं लेकिन पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार को आशंका है कि अगर पासपोर्ट मिला तो इरफान अंसारी विदेश से नहीं लौटेंगे. पश्चिम बंगाल सरकार की इसी दलील पर कोलकाता हाईकोर्ट ने पासपोर्ट देने से इनकार कर दिया.

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का पक्ष

इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने ईटीवी भारत से बातचीत में बताया कि यह एक कानूनी मामला है. इसको कानूनी तरीके से ही हैंडल किया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग उनसे जुड़े मामले को बेवजह तूल दे रहे हैं. अगर केंद्र सरकार से विदेश दौरे की स्वीकृति ली गई होती तो पासपोर्ट रिलीज करने वाली अड़चन ही नहीं आती. हालांकि उन्होंने इस सवाल का जवाब नहीं दिया कि जब हेमंत सरकार ने उनके विदेश दौरे पर सहमति दे दी है फिर ममता सरकार आपत्ति क्यों जता रही है?

क्यों लंदन जाना चाहते थे मंत्री इरफान?

दरअसल, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कोलकाता हाईकोर्ट में पिटीशन देकर जब्त पासपोर्ट को अस्थायी तौर पर 1 नवंबर 2025 से 15 नवंबर 2025 तक के लिए जारी करने का आग्रह किया था. क्योंकि उन्हें वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट, एक्सेल, लंदन कार्यक्रम में 4 नवंबर से 6 नवंबर तक शिरकत करना था. इसके लिए मंत्री इरफान अंसारी ने 21 अक्टूबर को झारखंड सरकार की ओर से मिली स्वीकृति की कॉपी भी अटैच की थी. उन्हें सरकारी खर्च पर इस आयोजन में शामिल होना था.

पश्चिम बंगाल सरकार की दलील

इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से कोलकाता हाईकोर्ट के समक्ष आशंका जताई गई कि पासपोर्ट रिलीज करने पर इरफान अंसारी वापस देश नहीं लौटेंगे. दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोलकाता हाईकोर्ट की जस्टिस अमृता सिन्हा की बेंच ने पासपोर्ट जारी करने से इनकार कर दिया. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि 'ऐसा नहीं लगता कि याचिकाकर्ता के पास तुरंत विदेश यात्रा करने का कोई जरूरी कारण है'. बता दें कि मंत्री इरफान अंसारी का पासपोर्ट 25 सितंबर 2024 से कोलकाता हाईकोर्ट के डिवीजन बेंच के आदेश पर जमा किया जा चुका है.

किस मामले में जब्त है पासपोर्ट

दरअसल, 30 जुलाई 2022 को इरफान अंसारी के अलावा कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप और नमन विक्सल कोंगाड़ी को पश्चिम बंगाल पुलिस ने हावड़ा में करीब 50 लाख रुपये नगदी के साथ गिरफ्तार किया था. तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी. इसी दौरान जमानत की शर्त के तौर पर पासपोर्ट को जब्त कर लिया गया था. हालांकि बाद में झारखंड हाईकोर्ट ने 3 मार्च 2023 को प्राथमिकी रद्द कर दी थी, लेकिन पश्चिम बंगाल सरकार ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक स्पेशल लीव पिटीशन दायर की है.

झारखंड में कांग्रेस चलाएंगी 'मतदाता बचाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान, यूपीए गठबंधन को बताया सफल प्रयोग

रांची, संवाददाता।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. पार्टी झारखंड में 'मतदाता बचाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान शुरू करने जा रही है, ताकि किसी भी नागरिक को उसके संवैधानिक मताधिकार से वंचित न किया जा सके. उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार हर भारतीय नागरिक का मौलिक और संवैधानिक अधिकार है, जिसे कोई भी संस्था या एजेंसी छीन नहीं सकती.

किसी भी गड़बड़ी पर पार्टी की नजर

उन्होंने बताया कि झारखंड के हर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की ओर से बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए जा रहे हैं. ये एजेंट मतदाता सूची के पुनरीक्षण और सत्यापन कार्य की निगरानी करेंगे तथा किसी भी गड़बड़ी की जानकारी पार्टी को देंगे. उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने जैसी घटनाएं देखने को मिली हैं और झारखंड में भी ऐसी आशंका है, इसलिए कांग्रेस ने पहले से ही तैयारी कर ली है ताकि कोई भी नागरिक अपने वोट के अधिकार से वंचित न हो. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य केवल राजनीतिक लाभ नहीं बल्कि लोकतंत्र की रक्षा है. मताधिकार छीनना या वोट चोरी लोकतंत्र पर सीधा हमला है.

घाटशिला उपचुनाव में गठबंधन की जीत का दावा

प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष ने घाटशिला उपचुनाव का भी जिक्र किया है. उन्होंने बताया कि गठबंधन के प्रत्याशी सोमेश कुमार सोरेन के समर्थन में कांग्रेस पूरी ताकत से चुनाव मैदान में है. सभी जिला, प्रखंड और मंडल स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बूथ-स्तर तक सक्रिय हैं. उन्होंने कहा कि गठबंधन के सभी दल एकजुट होकर काम कर रहे हैं और भारी बहुमत से उम्मीदवार की जीत तय है.

कांग्रेस मजबूत होगी तो देश मजबूत रहेगा: प्रदीप यादव

इधर, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने बताया कि कांग्रेस की मजबूती ही देश की मजबूती है. उन्होंने कहा, देश की एकता, धर्मनिरपेक्षता और संविधान की अखंडता तभी सुरक्षित रह सकती है जब कांग्रेस मजबूत रहेगी. वोट का अधिकार दलितों, पिछड़ों और आम नागरिकों का अधिकार है और इसे बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है. उन्होंने आगे बताया कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान, लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखने वाले सभी दलों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया है.

जिला समाज कल्याण कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

रामगढ़, संवाददाता

उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में मंगलवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं को लेकर समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। आंगनबाड़ी केन्द्रों की समीक्षा के क्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, श्रीमती इन्दु प्रभा खलखो के द्वारा ढढळ के माध्यम से विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गयी। सर्वप्रथम मासिक परफॉरमेंस रैंकिंग और Socore कार्ड के आधार पर महिला पर्यवेक्षिकाओं की रैंकिंग और पोषण ट्रैकर के विभिन्न इंडिकेटर पर महिला पर्यवेक्षिओं की उपलब्धि की जानकारी दी गयी एवं एक सप्ताह के अन्दर शत-प्रतिशत पोषण ट्रैकर के सभी indicator पर उपलब्धि पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों जिन्हें उपायुक्त स्तर से ट्रांसजेंडर पहचान पत्र उपलब्ध कराया गया है, उन सभी को सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत पेंशन योजना से जोड़ने एवं आयुष्मान भारत योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया। नीति आयोग के अन्तर्गत आनेवाली परियोजना पतरातु के सभी इंडिकेटरों पर सुधार हेतु सीडीपीओ और महिला पर्यवेक्षिकाओं को महत्वपूर्ण निर्देश दिया गया। सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के अन्तर्गत प्रदर्शित पेंडेन्सी को दो दिनों के अन्दर शत-प्रतिशत स्कूल से मैपिंग करते हुए स्वीकृति करने का निर्देश सभी सीडीपीओ को दिया गया। FRS में भी शत प्रतिशत उपलब्धि पूर्ण करने का निर्देश सभी सीडीपीओ को दिया गया। कम उपलब्धि वाले परियोजना जैसे पतरातु, माण्डू, रामगढ़ में लाभुकों का उपलब्धि दो दिनों के अन्दर पूर्ण करने का निर्देश सभी महिला पर्यवेक्षिका कोदिया गया, जहां कठिनाई है, उस आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं लाभुकों को चिन्हित करते हुए अविलम्ब जिला कार्यालय को सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना अन्तर्गत नए सभी लाभुकों का रजिस्ट्रेशन एवं सभी तरह की पेंडेन्सी यथा सुपरवाईजर वेरिफिकेशन, सीडीपीओ के स्तर से स्वीकृति, शिकायत निवारण को दो दिनों के अन्दर निष्पादन करने की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। सेविका एवं सहायिका रिक्ति को अविलम्ब समाप्त करने का निर्देश दिया गया। आयुष्मान भारत कार्ड योजना से सेविका, सहायिका को शत-प्रतिशत आच्छादित करने का भी निर्देश दिया गया। मिशन शक्ति के अन्तर्गत पालना गृह सह क्रेच संचालन हेतू अविलम्ब भवन चिन्हित करने हेतु सभी सीडीपीओ को निर्देश दिया गया। पोषण वाटिका से संबंधित कार्य को मनरेगा अभिसरण से पूर्ण करते हुए प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। आधारभूत संरचना यथा पेयजल, शौचालय, विद्युत से संबंधित भौतिक प्रतिवेदन दो दिनों के अन्दर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। आंगनबाड़ी CO-Location से संबंधित प्रतिवेदन 06.11.2025 तक विहित प्रपत्र में उपलब्ध कराने का निर्देश सभी सीडीपीओ को दिया गया। सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को Google Sheet के माध्यम से प्रत्येक दिन की कार्य योजना एंट्री करते हुए जिला कार्यालय को सूचित करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ विभाग द्वारा चलायी जाने वाली अन्य योजनाओं की भी विस्तृत रूप से समीक्षा की गयी। बैठक में उप विकास आयुक्त, सभी परियोजना के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका उपस्थित थे।

श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

रामगढ़, संवाददाता

श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा रामगढ़ जिले में किए जा रहे कार्यों को लेकर मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान श्रम अधीक्षक श्री अनिल कुमार रंजन एवं जिला नियोजन पदाधिकारी श्री धनंजय कुमार के द्वारा उपायुक्त को उनके उनके विभाग द्वारा संचालित योजना तथा विकास कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस इस दौरान श्रम अधीक्षक के द्वारा झारखंड असंगठित कर्मकार मृत्यु/ दुर्घटना सहायता योजना, मातृत्व प्रसव सुविधा योजना, अंत्येष्टि सहायता योजना, मुख्यमंत्री असंगठित श्रमिक औजार सहायता योजना, विवाह सहायता योजना, निर्माण श्रमिक सेफ्टी किट योजना सहित अन्य योजनाओं के तहत लाभुकों को दिए जा रहे लाभ की विस्तार से जानकारी दी गई इस दौरान उपायुक्त के द्वारा योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने तथा योग्य लाभुकों को चिन्हित कर योजनाओं से लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उपायुक्त ने आगामी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों का निबंध सुनिश्चित करने के तहत योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान जिला नियोजन पदाधिकारी श्री धनंजय कुमार द्वारा उपायुक्त को रामगढ़ जिले में पंजीकृत बेरोजगार युवाओं की जानकारी देने के क्रम में बताया गया कि जिले में अब तक 10400 बेरोजगार युवाओं का पंजीकरण किया गया है एवं उनके लिए समय-समय पर रोजगार मेला एवं भर्ती कैम्प का आयोजन किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2025- 26 में कुल तीन रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा वहीं 12 भर्ती कैंप का आयोजन किया जाएगा। साथ ही उनके द्वारा जानकारी दी गई की जिला नियोजनालय द्वारा युवाओं के लिए करियर काउंसलिंग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। बैठक के दौरान उपायुक्त ने रोजगार मेला एवं भर्ती कैंप का आयोजन सफलतापूर्वक करने को लेकर कई महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

रामगढ़ में गंगा उत्सव 2025 का आयोजन

रामगढ़, संवाददाता

मंगलवार को नमामि गंगे योजनांतर्गत रामगढ़ जिले के 20 विभिन्न विद्यालयों में गंगा उत्सव 2025 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और समुदाय में नदी, तालाबों एवं अन्य जल निकायों के संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं जिनमें निबंध लेखन, चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता तथा गंगा शपथ प्रमुख रहे। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी सृजनात्मकता और गंगा के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। निबंध लेखन में गंगा की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्ता पर विचार प्रस्तुत किए गए, वहीं चित्रकला और रंगोली के माध्यम से विद्यार्थियों ने 'स्वच्छ गंगा - स्वस्थ भारत' का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों ने गंगा को स्वच्छ और अविरल बनाए रखने की शपथ ली। इस अवसर पर विद्यालयों के शिक्षकों ने भी बच्चों को गंगा के महत्व और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी के प्रति प्रेरित किया।

जिला भर के सिख समाज के लोगों ने हर्षोल्लास के साथ शाम में निकली शोभा यात्रा

- ❖ गुरु नानक जयंती के अवसर पर बुधवार को विभिन्न समुदाय के लोग जुटेंगे गुरुद्वारा में
- ❖ भंडारा का भी होगा भव्य आयोजन

रामगढ़, संवाददाता

सिख समुदाय ने हर्षोल्लास साथ 557वां प्रकाश पर्व में मंगलवार को शाम करीब रामगढ़ शहर के बिजोलिया में स्थित भुपेंद्र सिंह जोली के निवास स्थान से गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के द्वारा शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा का नेतृत्व गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान परमदीप सिंह कालरा अगुवाई कर रहे थे। सिख धर्मावलंबीयों के महान प्रवर्तक औंर सर्वप्रथम श्री गुरुनानक देव जी की प्रकाश पर्व की शुभ अवसर पर सिख समुदाय ने हर्षोल्लास साथ शोभायात्रा में श्रीगुरुनानक पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं शामिल हुए। स्कूल के छात्र-छात्राओं अपने हाथों में बैनर पोस्टर चलने लगे। शहर के गुरुद्वारा के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र में पूरे लाईट औंर विद्युत साज सज्जा से विधिवत रूप से सजा दिया गया। इस शोभायात्रा में पंजाब प्रांत के गतका पार्टी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। धनबाद शहर के प्रसिद्ध गायक विक्की छाबड़ा अपनी मधुर आवाज से जलवा बिखेरगा गया। श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में दुल्हन की तरह सजाया गया। पूरे रामगढ़ शहर लोगों का मनमोहक लिया। इसके साथ ही पुरुष हाथों में कृपाण तथा महिलाओं के हाथों में सिराफा लिय हुए बोलने लगे कि जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल चारों तरफ गुंज उठा रामगढ़ शहर। बिजोलिया से निकलते हुए रामगढ़ रेलवे स्टेशन मैन रोड सुभाष चौक मैन रोड गांधी चौक गोला रोड़ होते हुए चटटी बाजार पहुंचे। उक्त मौके पर रामगढ़ गुरुद्वारा के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, सेक्रेटरी हरदीप सिंह होरा, खजांची रघुवीर सिंह छाबड़ा, जोगेंद्र सिंह जग्गी तेजेंद्र सिंह सोनी, जगजीत सिंह सोनी मंजीत सिंह कुज्जू वाले, विंकल कालरा, प्रीतम सिंह कालरा, प्रसिद्ध शब्द गायक सुरजीत सिंह छाबड़ा, डॉ नरेंद्र सिंह सोनी, राजा कालरा, सतपाल सिंह सलूजा, हरजीत सिंह छाबड़ा कंवलजीत सिंह लांबा, त्रिलोचन सिंह जैसल, गुरजीत सिंह सलूजा, जगजीत सिंह सोनी, कमल जस्सल, विक्की छाबड़ा, नरेंद्र सिंह होरा, गुरदीप सिंह सैनी, जसविंदर सिंह छाबड़ा, रिंटू छाबड़ा, गुरजोत सिंह सैनी सिंह जसकीरत भाटिया, रौनक छाबड़ा, बिट्टी छाबड़ा,यश छाबड़ा, मन्नत सिंह, बबलू छाबड़ा सूमी जॉली गुरबक्श कौर सैनी, जसमीत कौर सोनी, रोमी छाबड़ा, सोनम कालरा, कुदरत छाबड़ा, बलविंदर कौर छाबड़ा, शरण कौर छाबड़ा, मनप्रीत कौर सैनी, लवली लांबा, बलविंदर कौर पवार, बबली सोनी, निक्की लांबा सहित हजारों लोग मौजूद थे।

गालूडीह में गरजी कल्पना सोरेन, संजीब सरदार भी रहे भागीदार

जमशेदपुर, संवाददाता

आगामी 11 नवंबर को होने वाले घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर मंगलवार गालूडीह आंचलिक मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा की भव्य और ऐतिहासिक जनसभा आयोजित की गई। जिसमें गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन उपस्थिति रहीं। इस दौरान उन्होंने महिलाओं से काफी आत्मीयता से कहा कि झामुमो को इस बार भरी मतों से जिताएं। साथ ही उन्होंने वहां जनसभा स्थल पर उमड़े जनसैलाब से कहा कि आपने साबित कर दिया कि घाटशिला की जनता इस बार भी झामुमो के साथ है और अबुआ सरकार की नीतियों पर अपना भरोसा कायम रखेगी। इस अवसर पर पोटका विधायक संजीव सरदार ने भी मंच साझा कर झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में उमड़े जनसैलाब को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि घाटशिला की जनता अब विकास, रोजगार और सशक्त नेतृत्व के पक्ष में एकजुट है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि 11 नवंबर को 'तीर-कमान' निशान पर बटन दबाकर सोमेश चंद्र सोरेन को भारी मतों से विजयी बनाएं। मौके पर झामुमो के मंत्री, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, आंदोलकारी नेता समेत बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक एवं ग्रामीण भी मौजूद थे।

टुण्डी में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर दो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न

धनबाद, संवाददाता

झारखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के बाद एक अच्छी स्वास्थ्य व्यवस्था का होना नितांत आवश्यकता है इसके लिए वर्तमान सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए आज सोमवार को टुण्डी प्रखंड के पूणार्डीह पंचायत अंतर्गत ग्राम अलकुसिया में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों जिसकी प्राक्कलित राशि 1:49 लाख रुपए है जबकि पूर्वी टुंडी के चेपकियां गांव में 55 :50 की लागत से बनने वाली दो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का बतौर मुख्य अतिथि वर्तमान सरकार के मुख्य सचेतक सह टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो एवं जिला परिषद अध्यक्षा शारदा सिंह की गरिमामय उपस्थिति में शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हो गया। अपने संबोधन में सचेतक श्री महतो ने कहा कि झारखंड सरकार का सपना है कि इस राज्य में निवास करने वाले प्रत्येक व्यक्तियों को एक अच्छे संस्कार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ साथ एक बेहतरीन स्वास्थ्य लाभ मयस्सर हो इसके लिए हर सुदूरवर्ती क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण कराया जा रहा है। झारखंड में कोई भी व्यक्ति बिना इलाज एवं कुपोषित न हो इसके लिए वर्तमान सरकार वचनबद्ध हैं। साथ ही विधायक श्री महतो ने कहा कि टुण्डी प्रखंड के सभी क्षेत्र मुख्य मार्ग से जुड़ें ऐसा प्रयास मेरे द्वारा लगातार जारी है। मौके पर मुख्य रूप से विधायक मथुरा प्रसाद महतो, जिला परिषद अध्यक्षा शारदा सिंह, जिला परिषद सदस्या मीना हेंब्रम, पूणार्डीह मुखिया बसंत नारायण तिवारी, टुण्डी प्रमुख मालती मरांडी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष फूलचंद किस्कू, श्रवण बेसरा, बबलू सिंह, संवेदक मनीष कुमार साव, मनोज निषाद, आनंद महतो, जबकि पूर्वी टुंडी प्रखंड में गिरिलाल किस्कू, तपन मंडल, वशीर अंसारी, अजीत मिश्रा, संवेदक नीरज कुमार भगत समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

निरसा क्षेत्र में कंपनियों की सीएसआर राशि का नहीं हो रहा सदुपयोग : राजेश कुमार मिश्रा

एग्यारकुंड। राष्ट्रीय जनता कामगार संघ के मुगमा एरिया अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में सोमवार को कुमारधुबी कार्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुमारधुबी कोलियरी, बरमूड़ी ओसीपी, राजपुरा कोलियरी के अध्यक्षों एवं सचिवों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य विषय सीएसआर फंड (कॉपोर्रेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) रहा। राजेश मिश्रा ने कहा कि निरसा विधानसभा क्षेत्र में एमपीएल, डीवीसी पावर प्लांट, पंचेत डैम, नटराज, अरुण रिफैक्ट्री, मैथन श्रमिक, ओम वोस्को, अंकुर बायो केमिकल जैसी दर्जनों फैक्ट्रियां हैं, परंतु इन कंपनियों द्वारा सीएसआर के तहत क्षेत्र में कोई ठोस विकास कार्य नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कंपनी को अपने सालाना टर्नओवर का दो प्रतिशत सीएसआर मद में खर्च करना होता है, जो स्थानीय ग्रामीणों के विकास – जैसे बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल–कूद की सुविधाओं पर लगाया जाना चाहिए। लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर इसका विवरण जनता के बीच प्रस्तुत नहीं किया गया है। मिश्रा ने आरोप लगाया कि वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधियों द्वारा भी सीएसआर फंड की पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की गई, जिसके कारण कंपनियां करोड़ों रुपये जनता के विकास कार्यों से दूर रखे हुए हैं। उन्होंने घोषणा की कि राष्ट्रीय जनता कामगार संघ जल्द ही निरसा, एग्यारकुंड, केलियासोल प्रखंडों से लेकर मुगमा एरिया के जीएम से मुलाकात कर जनता का पैसा जनता के विकास में खर्च कराने की मांग उठाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से राजन कुमार, दिलीप बाउरी, धर्मेंद्र पासवान, अरुण महतो, बलराम मल्लाह, एवं अजीज आलम उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ ऑफिस में समान समारोह का आयोजन किया गया

बोकारो, संवाददाता

वरुण कुमार सिंह को रीजनल सचिव बनाए जाने पर लोगों में हर्ष मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ सीसीएल रीजनल कमेटी की बैठक विधानसभा सभा का रांची में 2 नवंबर 2025 रविवार को संपन्न हुई थी अवसर पर कथारा, जारंगडीह, बेरमो और स्वांग क्षेत्र के मजदूर प्रतिनिधियों के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी प्रतिनिधियों शामिल हुए इस अवसर पर संगठन को मजबूत बनाने और सदस्यता बिस्तर पर विचार चर्चा के साथ संगठन का पूर्णगठन भी किया गया था जिसमे यशोमती से बी एन पांडे को अध्यक्ष, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ कथारा क्षेत्रीय सचिव वरुण कुमार सिंह को रीजनल सचिव और पंकज दुबे को कोषाध्याय चुना गया था इसको लेकर बोकारो जिला के बेरमो अनुमंडल अंतर्गत बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के जारंगडीह राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ ऑफिस में आज 4 नवम्बर 2025 मंगलवार को रीजनल सचिव बनाए जाने पर लोगों में हर्ष जताते हुए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता वकील अंसारी जबकि संचालक अशोक ओझा ने किया इसके साथ कन्हाई चौहान, जोगिंदर सोनार, मोहम्मद रिजवान,हरेंद्र कुमार सिंह, किशोर मंडल,राजीव कुमार सिंह, सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित हुए इन सभी ने वरुण कुमार सिंह को रीजनल सचिव बनाए जाने पर 51 किलो का माला पहना कर माला पहना कर,पुष्पगुच्छ देकर माला सम्मानित किया ।

ललपनिया स्थित लुगू बुरू घंटा बड़ी में आज होगा आदिवासी धर्म सम्मेलन, मुख्यमंत्री करेंगे पूजा-अर्चना

बोकारो, संवाददाता

जिले के ललपनिया स्थित आदिवासियों के सबसे बड़े धर्मस्थल लुगू बुरू घंटा बड़ी में इस वर्ष भी पारंपरिक आदिवासी धर्म सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन वर्षों से कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर होता आ रहा है, जिसमें देश और विदेश से हजारों की संख्या में श्रद्धालु आदिवासी समाज के लोग लुगू बाबा की पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। राज्य सरकार ने इस आयोजन को राजकीय महोत्सव के रूप में घोषित किया है। आगामी 5 नवम्बर को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी यहां पहुंचकर लुगू बाबा की पूजा-अर्चना करेंगे। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इसी स्थल पर आदिवासी धर्म, संस्कृति और लोकाचार की शुरूआत हुई थी। कहा जाता है कि दरबारी चट्टान पर लुगू बाबा की अगुवाई में कई दिनों तक धर्म स्थापना का कार्य संपन्न हुआ था। आज भी वहां स्थित पौराणिक पत्थरों में बने ऊखल उस ऐतिहासिक काल की गवाही देते हैं, जहां धान कूटकर चावल तैयार किया जाता था। आस्था है कि लुगू बुरू बाबा की गुफा में विराजमान बाबा अपने भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते हैं। यही कारण है कि हर वर्ष श्रद्धालु बड़ी संख्या में यहां आकर अपनी आस्था अर्पित करते हैं।

बीएसएल में 'सेल शाबाश योजना' के अंतर्गत उत्कृष्ट कर्मियों को किया गया सम्मानित

बोकारो, संवाददाता

बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन विभाग द्वारा सेल शाबाश योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही में चयनित कर्मचारियों के सम्मान में एक समारोह का आयोजन बोकारो क्लब में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक प्रभारी, राउरकेला स्टील प्लांट एवं अतिरिक्त प्रभार बोकारो स्टील प्लांट आलोक वर्मा उपस्थित थे। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। समारोह का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुआ। महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रांजलि ने स्वागत भाषण के दौरान योजना की रूपरेखा, उद्देश्य और इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में आलोक वर्मा ने कहा कि सेल शाबाश योजना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को पहचान और प्रोत्साहन प्रदान करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। यह योजना कर्मचारियों की निष्ठा, समर्पण और संस्था के प्रति उनके योगदान को रेखांकित करती है। उन्होंने सभी सम्मानित कर्मचारियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में कुल 36 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। यह पल न केवल कर्मचारियों के लिए गर्व का विषय रहा, बल्कि उनके परिजनों के लिए भी आनंद का क्षण बना। कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक (मानव संसाधन) पी. पी. टोप्पो और सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) आर. एस. बा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) माला रानी ने दिया।

स्कूलों में तंबाकू जागरूकता कार्यक्रम, बच्चों ने ली तंबाकू न लेने की शपथ

बोकारो, संवाददाता

सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद के निदेर्शानुसार बोकारो जिले के राजकीयकृत प्लस टू हाई स्कूल पेंक बोकारो एवं हाई स्कूल गोनियाटो में तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परामर्शी मोहम्मद असलम एवं छोटेलाल दास ने छात्रों को तंबाकू से होने वाले नुकसान और इसे छोड़ने के लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झारखंड में 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 5.1 प्रतिशत बच्चे तंबाकू का सेवन करते हैं, जिनमें अधिकांश कक्षा 7 से 10 के छात्र होते हैं। अंत में बच्चों को तंबाकू सेवन न करने और विद्यालय को तंबाकू-मुक्त रखने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, स्टाफ और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

असलम ने कहा कि तंबाकू छोड़ने के बाद शरीर में तेजी से सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं –

- 8 घंटे में ऑक्सीजन स्तर सामान्य होता है,
- 24 घंटे में हार्ट अटैक का खतरा घटता है,
- 72 घंटे में फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है,
- एक महीने में खांसी और सांस की परेशानी कम होती है,
- 12 महीने में हृदय रोग का जोखिम घटता है,
- और 5 वर्षों में स्ट्रोक का खतरा काफी कम हो जाता है।

विभिन्न विभागों के बीच समन्वय व पारदर्शिता से ही बेहतर परिणाम संभव : उपायुक्त

संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त समीर एस की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति की बैठक हुई। इसमें उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के कार्य प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, पंचायती राज विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग संचालित विभिन्न योजनाओं के कार्य प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत अबुआ आवास की समीक्षा के दौरान पांडु व मेदिनीनगर में आवासों को पूर्ण करने में तेजी लाने हेतु निर्देशित किया।

ऑन स्पॉट संबंधित अधिकारियों संग वार्ता कर उलझनों को निकाला हल

बेहतर समन्वय स्थापित नहीं होने के कारण लंबित योजनाओं सूची बनाकर एक-एक कर सभी की समीक्षा की गयी। ऐसे कई मामलों को निपटाया गया।

डीसी की अध्यक्षता में हुई जिला समन्वय समिति की बैठक

सतबरवा में बन रहे बीडीओ-सीओ के आवास में स्थान को लेकर विवाद था। इस मामले पर संबंधित अभियंता को शुक्रवार को बीडीओ संग स्थल का विजिट कर निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिये गये। इसी तरह पाटन अंचल में बनने वाले एक आंगनबाड़ी केंद्र को लेकर उसके पोषण क्षेत्र से जुड़े मामले का निपटारा किया गया। इसी तरह अन्य मामले जो भूमि विवाद के कारण फंसे थे, ऐसे सभी मामलों को संबंधित सीओ संग चर्चा कर हल निकाला। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गयी। आपसी समन्वय के माध्यम से योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर जोर दिया। उपायुक्त ने कहा कि जनहित से जुड़ी सभी योजनाओं व कार्यक्रमों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करना प्रशासन की प्राथमिकता है। विभागों के बीच समन्वय व पारदर्शिता से ही बेहतर परिणाम संभव हैं। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को विकास योजनाओं, जनसुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्थाओं व विशेष अभियानों की प्रगति नियमित रूप से रिपोर्ट करें को निर्देशित किया। साथ ही आपसी संवाद व समस्या समाधान को प्राथमिकता देते हुए कार्य करने की बात कही। बैठक में उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन, तीनों अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, सहायक समाहर्ता, डीआरडीए निदेशक, अलग-अलग विभागों के पदाधिकारी समेत बीडीओ व सीओ उपस्थित थे।

किसान का ट्रैक्टर चोरी, थाना पर लापरवाही का आरोप

संवाददाता

हजारीबाग। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भेलवारा गांव के किसान एकरामुल अंसारी ने अपने ट्रैक्टर चोरी मामले में थाना पुलिस पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इसकी शिकायत हजारीबाग पुलिस अधीक्षक से करते हुए निष्पक्ष जांच और ट्रैक्टर की बरामदगी की मांग की है।

■ एसपी से निष्पक्ष जांच और ट्रैक्टर बरामदगी की लगाई गुहार

पीड़ित किसान ने बताया कि 8 सितंबर की रात करीब 1:30 बजे उनके घर के सामने खड़ा लाल रंग का महिंद्रा ट्रैक्टर (पंजीकरण संख्या JH 02 ZB F931) चोरी हो गया। उन्होंने इस घटना को लेकर मुफस्सिल थाना में नामजद आवेदन दिया था। आरोप है कि पुलिस ने कुछ संदिग्धों को पकड़ा, लेकिन दो दिन बाद उन्हें छोड़ दिया। अंसारी का कहना है कि उनके पास सीसीटीवी फुटेज और फोन कॉल डिटेल जैसे साक्ष्य मौजूद हैं, जो संदिग्धों की संलिप्तता को स्पष्ट करते हैं। बावजूद इसके, थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। किसान का यह भी आरोप है कि आरोपी लगातार उन्हें गाली-गलौज कर रहे हैं और जान से मारने की धमकियां भी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि थाना से पूछने पर उन्हें कहा गया कि नामजद अभियुक्तों पर केस दर्ज नहीं होगा, बल्कि अज्ञात चोरों के खिलाफ नया आवेदन देना होगा। किसान का कहना है कि ट्रैक्टर ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन था, जिसकी चोरी से उनका जीवन संकट में पड़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर थाना स्तर पर ऐसी ही उदासीनता जारी रही तो चोरी और आपराधिक घटनाओं में इजाफा होगा। इस संबंध में मुफस्सिल थाना प्रभारी ने बताया कि नामजद अभियुक्तों से जांच में संलिप्तता नहीं मिलने के कारण उन्हें छोड़ दिया गया है।

चौपारण टीवीएस शोरूम में त्योहारी सीजन पर विशेष छूट व आसान फाइनेंस सुविधा

संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के चतरा मोड़,चौपारण स्थित टीवीएस शोरूम में ग्राहकों के लिए खास ऑफर की घोषणा की गई है। शोरूम प्रबंधन ने बताया कि त्यौहारी सीजन पर हर मॉडल की बाइक पर मॉडल वाइज नगद डिस्काउंट दिया जा रहा है। यह ऑफर केवल विश्वकर्मा पूजा तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले त्यौहारों के सीजन में भी लगातार जारी रहेगा।

ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शोरूम में आकर्षक फाइनेंस सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। अब ग्राहक कम डाउन पेमेंट पर अपनी पसंदीदा बाइक खरीद सकते हैं और उन्हें कम ईएमआई में भुगतान करने का विकल्प मिलेगा। इस योजना से उन ग्राहकों को भी फायदा होगा, जो एकमुश्त राशि चुकाने में सक्षम नहीं हैं। पूरे शोरूम को त्योहार की रौनक के मुताबिक सजाया गया है और विश्वकर्मा पूजा की तैयारी अंतिम चरण में है। शोरूम प्रबंधन का कहना है कि इस ऑफर का उद्देश्य ग्राहकों को त्यौहारी सीजन में विशेष लाभ पहुंचाना और उनके सपनों को साकार करने में मदद करना है। स्थानीय लोगों और बाइक प्रेमियों में इन ऑफर्स को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। कई ग्राहकों का कहना है कि विश्वकर्मा पूजा और त्योहारी सीजन में वाहन खरीदना शुभ माना जाता है, और टीवीएस शोरूम की यह पहल उनके लिए बड़ी राहत और खुशी लेकर आई है। शोरूम प्रबंधन ने ग्राहकों से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और अपनी मनपसंद टीवीएस बाइक घर लेकर जाएं।

हरिहरगंज में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार कार्यक्रम का प्रशिक्षण

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरिहरगंज तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार कार्यक्रम अभियान के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर गोपाल प्रसाद ने किया। प्रशिक्षण के दौरान डॉक्टर प्रसाद ने सभी को एएनएम सहिया सहिया साथी बि टी टी कोषक बताया कि 17 सितंबर 25 से लेकर 2 अक्टूबर 25 तक पखवाड़ा तरीके से यह कार्यक्रम चलाया जाएगा।

इस कार्यक्रम में होने वाले सभी गतिविधियों पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी हरिहरगंज ने बताया कि एक खुशहाल परिवार के लिए एक नारी का स्वस्थ होना अति आवश्यक है इस कार्यक्रम के तहत पूरे हरिहरगंज एवं पिपरा प्रखंड के तहत अंतर्गत सभी प्रकार के जांच इस दौरान किए जाने का निर्देश दिया गया एवं प्रतिदिन इसका रिपोर्ट हरिहरगंज मुख्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया ताकि स समय प्रतिवेदन जिला मुख्यालय को भेजा जा सके इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक बनाने हेतु प्रखंड लेखा प्रबंधक सुनील कुमार प्रखंड डाटा प्रबंधक सत्यनारायण कुमार एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया।

हजारीबाग पुलिस ने लूट कांड का किया खुलासा, चार अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता

हजारीबाग। कटकमदाग थाना क्षेत्र में हुए दो अलग-अलग लूट कांडों का पुलिस ने सफल उद्भेदन करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से देसी कट्टा, दो मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, 39,500 रुपये नगद और कई जरूरी कागजात बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देशन में गठित एसआईटी ने कार्रवाई करते हुए अंकित कुमार, प्रवीण कुमार, सुजीत कुमार गिरी और लक्ष्मण कुमार पासवान को गिरफ्तार किया। सभी ने 9 सितंबर को डामोडीह सीएसपी सेंटर के पास 2.52 लाख रुपये की लूट में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इससे पहले 25 जुलाई को मिडलैंड माइक्रो फाइनेंस के कलेक्शन मैनेजर से 56 हजार रुपये लूट की घटना भी इन्हीं अपराधियों ने अंजाम दी थी। गिरफ्तार अपराधियों के पास से बरामद सामानों में एक देशी कट्टा, दो मोटरसाइकिल (अपाची और हीरो होंडा), तीन मोबाइल फोन, चांदी के आभूषण, पैन, वोटर कार्ड, पासबुक, चेकबुक और एटीएम कार्ड शामिल हैं। इसके अलावा विभिन्न व्यक्तियों के पासबुक और आधार कार्ड भी बरामद हुए।

देशी कट्टा, मोटरसाइकिल और 39,500 रुपये नगद

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास रहा है और वे पहले भी चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट तथा एनडीपीएस एक्ट के मामलों में जेल जा चुके हैं। छापामारी दल का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अमित कुमार ने किया। टीम में परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत कुमार, थाना प्रभारी प्रमोद कुमार राय सहित कटकमदाग एवं पेलावल ओपी के कई पदाधिकारी शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में अपराध नियंत्रण के लिए रक्षक सैट टीम का गठन किया गया है, जो लगातार सक्रिय रहकर अपराधियों पर पैनी नजर बनाए हुए है। हाल की कई घटनाओं का सफल खुलासा इसी टीम की सक्रियता से संभव हुआ है।

उपायुक्त ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में साप्ताहिक जनता दरबार लगाया

आये सैकड़ों फरियादी, प्राप्त शिकायतों पर जांचोपरांत कारवाई का आश्वासन

संवाददाता

गिरिडीह। वीसी के माध्यम से जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी भूमिसुधार उपसमाहर्ता, सभी अंचलाधिकारी जनता दरबार से जुड़े हुए थे, जिसका उद्देश्य आमजनों की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करना है आमजनों की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और इसमें किसी की भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में साप्ताहिक जनता दरबार लगाकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु आए सैकड़ों लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनी तथा जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

इस प्रकार बारी-बारी से लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। आज की जनता दरबार की खास बात यह रही कि वीसी के माध्यम से जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी, जन शिकायत, सभी भूमिसुधार उपसमाहर्ता, सभी अंचलाधिकारी जनता दरबार से जुड़े हुए थे, जिसका उद्देश्य आमजनों की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करना है। इस दौरान आमजनों की शिकायतों का समयबद्धता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने की पहल की गई। साथ ही कुछ मामलों का ऑन द स्पॉट निदान किया गया तथा कुछ मामलों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित किया गया। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, म्यूटेशन, पेंशन, राशन कार्ड, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बाल प्रायोजन, भू अर्जन, पेयजल, पथ निर्माण विभाग आदि से संबंधित विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को अग्रसारित किया गया तथा जल्द से जल्द शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए आगे उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याओं और शिकायतों का निराकरण करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि दूर दराज से आमजन अपनी शिकायत लेकर समाहरणालय आते हैं, उन शिकायतों पर प्राथमिकता के साथ उचित कारवाई होनी चाहिए। उनकी शिकायतों का समय निराकरण करने के प्रयास होने चाहिए। ताकि आमजनों को बार-बार प्रखंड/अनुमंडल और समाहरणालय का चक्कर काटना न पड़े। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि आमजनों के शिकायतों का निराकरण प्रखंड/ अंचल स्तर पर ही किया जाय, ताकि उन्हें भटकना नहीं पड़े। आमजनों की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और इसमें किसी की भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जेएसएलपीएस की दीदियों को उपायुक्त ने सौंपा सवारी वाहन एजीइवाइ, हरी झंडी दिखाकर वाहनों को किया रवाना

संवाददाता

गिरिडीह। सुदूर क्षेत्र को यातायात सुविधा से जोड़कर सखी मंडल को आजीविका उपलब्ध कराना है उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज समाहरणालय परिसर से जेएसएलपीएस के आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना एजीइवाइ के अंतर्गत सवारी वाहन की चाबी प्रदान कर एवं हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया।

इस योजना का उद्देश्य सुदूर क्षेत्र को यातायात सुविधा से जोड़कर सखी मंडल को आजीविका उपलब्ध कराना है। इस योजना अंतर्गत सखी मंडल/संकुल संगठन को प्रति वाहन 6 लाख रुपए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया गया है। उपायुक्त के द्वारा दीदियों को नियमित चलने और लेखा-जोखा रखने पर बल दिया, जिससे आय-व्यय का पता चल सके। सखी मंडल की दीदी को इस योजना से नये आजीविका का अवसर से जोड़ा गया जिससे गांव की दीदी को लाभ मिल सके। प्रथम चरण में चार प्रखण्डों का 8 दीदियों को संकुल संगठन द्वारा राशि उपलब्ध कराई गई इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना एजीइवाइ के तहत आजीविका संगठनों की दीदियों को वाहनों की उपलब्धता हो जाने से ये महिलाएं अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। ये स्वयं सहायता समूह के माध्यम से न सिर्फ अपनी आजीविका में सुधार ला रही हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी तेजी से कदम बढ़ा रही हैं। मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी, श्री गुलाम समदानी, जेएसएलपीएस डीपीएम जैविनर एक्का,जिला प्रबंधक नॉन-फार्म राकेश कुमार, बीपीओ-ईपी सुभाष चन्द बॉस, सुनील, संदीप, धर्मेंद्र एवं जसलपीएस जिला कर्मी संकुल संगठन की दीदियां उपस्थित रहीं।

अमित कुमार ने अद्यतीकरण एवं एपीएएआर बनाने हेतु आयोजित कैम्प का निरीक्षण किया

संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देशानुसार आज जिला परियोजना पदाधिकारी, यूआईडी ने जिले के विभिन्न मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में आधार अद्यतीकरण एवं एपीएएआर बनाने हेतु आयोजित कैम्प का निरीक्षण किया, आधार ऑपरेटर को दिए जरूरी दिशा-निर्देश उपायुक्त के निर्देशानुसार आज जिला परियोजना पदाधिकारी, यूआईडी ने जिले के विभिन्न मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में आधार अद्यतीकरण एवं एपीएएआर बनाने हेतु आयोजित कैम्प का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सर जे.सी. बोस सीएम सोई गर्ल्स, डिस्ट्रिक्ट सीएम सोए पचम्बा गिरिडीह तथा सीएम सोए के.जी.बी.वी विद्यालयों का अवलोकन कर मैंडेटरी आधार अपडेशन और एपीएएआर बनाने का कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान आधार ऑपरेटर को कैंप के दौरान पूरी तत्परता के साथ कार्य करने की बात कही तथा बच्चों को जागरूक करते हुए जिला परियोजना पदाधिकारी, यूआईडी अमित कुमार ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को परीक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति और डीबीटी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। साथ ही बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट करवाया जा रहा है, जिसमें उनके अंगुलियों के निशान, आइरिस स्कैन और फोटो अपडेट किया जाएगा। ताकि भविष्य में बच्चों का आधार कार्ड ऑथेंटिकेशन से संबंधी परेशानी न हो।

जेडआरयूसीसी की बैठक में उठे महत्वपूर्ण मुद्दे : मुकेश जालान

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। कोलकाता के ताज बंगाल होटल में आयोजित जेडआरयूसीसी बैठक में गिरिडीह-कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के मुख्य सदस्य मुकेश कुमार जालान ने पूर्वी रेलवे के विकास और यात्री सुविधाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने सबसे पहले मधुपुर-न्यू गिरिडीह-कोडरमा रेल लाइन के दोहरीकरण पर जोर दिया और कहा कि यह पूरे क्षेत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही गिरिडीह से पटना और कोलकाता के लिए सीधी रेल सेवा शुरू करने की मांग की, क्योंकि प्रतिदिन हजारों यात्री शिक्षा, चिकित्सा और व्यवसायिक कार्यों से इन शहरों की ओर जाते हैं।

उन्होंने हावड़ा-पटना वंदे भारत ट्रेन का मधुपुर स्टेशन पर ठहराव अनिवार्य करने का अनुरोध किया और कहा कि गिरिडीह व कोडरमा के यात्री सीधे इससे लाभान्वित होंगे। वहीं आसनसोल-हटिया एक्सप्रेस की भीड़भाड़ को देखते हुए उन्होंने बताया कि फिलहाल इसमें 6 सामान्य डिब्बे हैं, जिन्हें बढ़ाकर 10 किया जाना चाहिए। साथ ही एक अतिरिक्त एसी-3 कोच जोड़ने और महेशमुंडा व सलैया पर इसका ठहराव देने का भी सुझाव दिया जालान ने आगे कहा कि हावड़ा-गया वंदे भारत की सीटें अक्सर खाली रहती हैं, इसलिए इसे सप्ताह में तीन दिन गया-कोडरमा-न्यू गिरिडीह-मधुपुर-आसनसोल होकर हावड़ा तक चलाया जाए। इससे यात्रियों को सीधी सुविधा मिलेगी और रेलवे की आय भी बढ़ेगी। उन्होंने टुंडी रोड के जर्जर रेलवे ओवरब्रिज की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए नया डबल लेन पुल बनाने की भी मांग रखी। इसके अलावा गिरिडीह की बंद पड़ी रेलवे लाइब्रेरी को पुनः चालू करने और अंटाबंगला मैदान को खेल व पार्क के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया। अंत में, स्थानीय जनता की भावनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने सलैया स्टेशन का नाम बदलकर 'पचम्बा स्टेशन' करने का अनुरोध किया बैठक में उनके साथ सहयोगी के रूप में उपस्थित भाजपा आईटी सेल गिरिडीह जिला संयोजक शाहिल शर्मा ने भी इन सभी मांगों का समर्थन किया और कहा कि यह क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

विश्व ओजोन दिवस पर पर्यावरणविद डॉ. कौशल ने कठौतिया कोल माइंस में किया पौधा रोपण

संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। हिन्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कठौतिया कोल माइंस प्रबंधन के सीएसआर इकाई के तत्वावधान में ओजोन दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद ट्री मैन ऑफ इंडिया डॉ कौशल किशोर जायसवाल व चियांकी अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक प्रमोद कुमार ने पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ पौधा रोपण कर किया।

चियांकी अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक प्रमोद कुमार ने पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल के काफी दिनों से पौधा लगाने व पर्यावरण बचाने के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ओजोन परत में जो छेद हो गया था वह धीरे-धीरे बंद हो रहा है। यह सुखद समाचार है। क्योंकि लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि हम प्रकृति से केवल लेने की जो परंपरा विकसित हुई है उसमें परिवर्तन लाने की जरूरत है। इसके साथ मिट्टी, जल को भी प्रदूषित होने से बचाना होगा। पर्यावरण धर्मगुरु डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के तहत कन्या पूजन किया। कहा कि आने वाले पीढ़ी व धरती के सभी जीवों को बचाने के लिए पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों को अपने दिनचर्या में शामिल करना होगा। आधुनिक सुख सुविधा का इस्तेमाल कम से कम करना होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करें और न ही जलाएं। ओजोन परत को हम ठीक रख पाएंगे जिससे सूरज का प्रकाश छनकर धरती पर पड़ेगा तभी हम सुखद जीवन की कामना कर सकते हैं। ट्री मैन डॉ कौशल ने वनराखी मूवमेंट तहत वृक्षों पर राखी बांधे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कठौतिया कोल माइंस के सीएसआर हेड शोभारानी मेहती ने किया। सीएसआर हेड ने कहा कि पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए कंपनी की ओर से ग्रामीणों के बीच फलदार पौधों वितरण किया जा रहा है। पौधे को लगाकर इसकी देखरेख बेहतर ढंग से करें। कठौतिया के निवासी भोजपुरी कलाकार नागेंद्र सिंह ने लोक संगीत के माध्यम से पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में काफी संख्या में ग्रामीण महिला व पुरुष उपस्थित थे।

ओजोन परत में छेद होना 84 लाख योनियों पर खतरा : ट्री मैन डॉ. कौशल

■ पर्यावरण के प्रति जागरूकता से धीरे-धीरे बंद हो रहा है ओजोन छिद्र : वैज्ञानिक प्रमोद कुमार

कोचा गांव में रंग लाई समुदाय आधारित योजना, ग्रामीण विकास मंत्री ने सफल मॉडल को हर गांव तक पहुंचाने की कही बात

संवाददाता

खूंटी। तोरपा प्रखंड का कोचा गांव अब क्लाइमेट स्मार्ट गांव के रूप में पहचाना जाएगा। ग्रामीण विकास मंत्री ने मंगलवार को यहां समुदाय आधारित क्लाइमेट स्मार्ट विलेज योजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गांव को कई सौर ऊर्जा आधारित सुविधाओं और प्रोसेसिंग यूनिट्स की सौगात दी गई।

कोचा गांव के 110 परिवार अब सोलर लाइट और पंखे से रोशन हो चुके हैं। सौर ऊर्जा की उपलब्धता से गांव को बिजली कटौती की समस्या से मुक्ति मिल गई है। इसके साथ ही सोलर संचालित लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम भी शुरू किया गया, जिससे किसानों को सिंचाई में सहूलियत होगी। गांव में धान से चावल बनाने की प्रोसेसिंग यूनिट, लाह प्रोसेसिंग यूनिट, सरसों तेल उत्पादन इकाई समेत कई वनोत्पादों से जुड़ी यूनिट की स्थापना की गई है। इन इकाइयों के जरिए महिला समूह और युवा किसान आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। एफपीओ (फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन) के माध्यम से इन उत्पादों की मार्केटिंग की जाएगी, जिससे गांव के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार और आय के अवसर मिलेंगे।ग्रामीणों का मानना है कि इन योजनाओं से अब कोचा गांव से पलायन की समस्या रुकेगी। महिलाएं भी रोजगार पाकर आत्मनिर्भर हो रही हैं। गांव की महिलाओं ने बताया कि अब जीवन में सकारात्मक बदलाव नजर आ रहा है। कार्यक्रम में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्री के प्रयासों से खूंटी में विकास की रफ्तार तेज हुई है। उन्होंने कहा कि कोचा गांव की तस्वीर बदलने में सबसे बड़ा योगदान यहां की महिलाओं का है। उन्होंने न केवल नशाबंदी लागू की, बल्कि गांव को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लातेहार के कुकू गांव के लोग खतरों से कर रहे गुजर

संवाददाता

लातेहार। सरयू प्रखंड अंतर्गत कुकू गांव के ग्रामीणों और बच्चों की जिंदगी रोजाना खतरे के साए में गुजर रही है। गांव से स्कूल या बाजार जाने के लिए नदी पार करना अनिवार्य है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि नदी पर बना पुल पिछले 10 वर्षों से जर्जर पड़ा है। ऐसे में बच्चों को पढ़ाई के लिए और ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामकाज के लिए टूटे पुल से होकर गुजरना पड़ता है।

पहली बारिश में बह गया था पुल

ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 2012 में तत्कालीन उपायुक्त राहुल पुरवार की पहल पर सरयू एक्शन प्लान के तहत सड़क और पुल का निर्माण कराया गया था। मगर तेज बहाव की पहली ही बारिश में पुल ध्वस्त हो गया। इसके बाद से अब तक उसकी मरम्मत या पुनर्निर्माण नहीं हुआ। नतीजतन सैकड़ों लोग मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। स्थानीय ग्रामीण रघुवर सिंह और प्रमिला देवी बताते हैं कि इस समस्या को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से गुहार लगाई गई, लेकिन आज तक समाधान नहीं हुआ।

कुकू गांव के बच्चों को पढ़ाई के लिए पीरी गांव जाना पड़ता है। नदी पर पुल न होने के कारण कभी उन्हें पानी में उतरकर तो कभी टूटे पुल के अवशेषों पर चढ़कर नदी पार करनी पड़ती है। बरसात में यह खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब बच्चे साइकिल पर टूटे पुल से गुजरते हैं, तो देखने वालों की सांसें थम जाती हैं।

रोजगार और खेती पर भी असर

ग्रामीणों का कहना है कि पुल बनने से एक दर्जन से अधिक गांवों को लाभ मिलेगा। कुकू क्षेत्र में बड़ी मात्रा में खेती होती है, लेकिन कनेक्टिविटी की कमी के कारण ग्रामीण अपने उत्पाद बाजार तक नहीं पहुंचा पाते। ऐसे में खेती पर भी विपरीत असर पड़ा है। सरयू प्रखंड की प्रखंड विकास पदाधिकारी आशा साहू ने बताया कि जिले में जरूरत के अनुसार पुल-पुलिया की सूची तैयार की गई है और कुकू नदी पर पुल निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। संभावना है कि जल्द ही यहां नया पुल बनाकर ग्रामीणों की समस्या का समाधान किया जाएगा।

आज होगी भगवान विश्वकर्मा की पूजा रांची समेत पूरे प्रदेश में तैयारियां पूरी

संवाददाता

रांची। शिल्पकारों के आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा की पूजा बुधवार को धूमधाम से की जाएगी। पूजा को लेकर राजधानी रांची समेत पूरे प्रदेश में तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस दिन शाम 5:19 बजे कन्या संक्रांति है। संक्रांति का पुण्य काल छह घंटे 24 मिनट पहले से शुरू हो जाता है, जिसके कारण इसी दिन पूजा का आयोजन किया जा रहा है। संयोग से आज इंदिरा एकादशी भी है। मंगलवार को दिनभर बाजारों में पूजा सामग्री, फल, प्रसाद, माड़ियों की सजावट के सामान और मिठाइयों की खरीदारी के लिए भारी भीड़ रही। होटलों में बुंदिया और लड्डू की खूब बिक्री हुई। कई पूजा समितियों ने भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा मूर्तिकारों से जयकारों के बीच पंडालों तक पहुंचाई। पूजा का आयोजन राजधानी के सभी

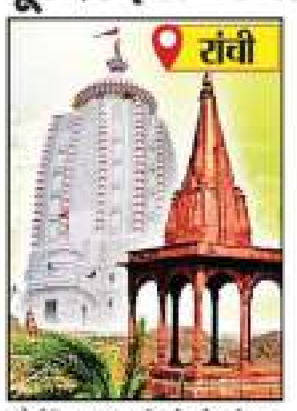

औद्योगिक संस्थानों, रेलवे स्टेशन, बिजली ग्रिड, एयरपोर्ट, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी किया जाएगा। इसके अलावा लोग अपने घरों और कार्यस्थलों पर भी भगवान विश्वकर्मा की आराधना करेंगे।

प्रमुख पूजा स्थल और विशेष आयोजन

श्री जगन्नाथ विश्वकर्मा मंदिर, मेन रोडः यहां 1930 से पूजा हो रही है। इस वर्ष 95वां वर्ष है। सुबह 10 बजे पंडित राजाराम शास्त्री पूजा कराएंगे। दोपहर 1 बजे इस्कॉन मंदिर द्वारा भजन-कीर्तन, 2:30 बजे महाभंडारा और प्रसाद वितरण तथा शाम 4 बजे से भजन संध्या होगी।

श्री विश्वकर्मा मंदिर, मधुकम चुटा भट्ठा, रातू रोडः प्रातः 8 बजे से पूजा-अर्चना शुरू होगी। शाम 4 बजे खिचड़ी और खीर का वितरण किया जाएगा।

विश्वकर्मा जीवन कल्याण समिति, चटकपुरः सुबह 10 बजे प्रतिमा स्थापना और पूजा के बाद प्रसाद वितरण होगा। शाम 7 बजे पंडाल का उद्घाटन और जागरण का आयोजन होगा। 18 सितंबर को दिन 11 बजे से भंडारा और शाम में शोभायात्रा के साथ प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा। पूजा आयोजनों में मंत्री, सांसद, विधायक और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

दो पक्षों में मारपीट व छिनतई प्राथमिकियां

संवाददाता

जसीडीह। जसीडीह थाना क्षेत्र के रोहिणी परमेश्वर चौक के पास दो पक्षों के बीच मारपीट व छिनतई की घटना हुई। घटना के संबंध में दोनों पक्षों ने थाने में अलग-अलग आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करायी है। पहले पक्ष के पीड़ित दशरथ केवट टोला निवासी कन्हैया कापरी ने कहा है कि उसके भाई विक्रम कापरी रविवार की शाम को परमेश्वर चौक पर मछली बेच रहा था। इसी क्रम में दशरथ कापरी, दयानंद कापरी, गौरीशंकर कापरी, त्रिवेणी कापरी, अजय कापरी, नितेश कापरी, निरज कापरी मिलकर आये और गाली-गलौज देते हुए मछली बेचने से मना करने लगा। इसका विरोध पीड़ित ने किया, तो सभी ने लाठी, रड व भुजाली से उस पर हमला कर दिया। इससे वह घायल हो कर अपने घर भाग गया, जहां पर उक्त सभी आरोपी आकर पीड़ित व उसके परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट करने लगा। इसके बाद 30 हजार रुपये छीन लिये। वहीं दूसरे पक्ष से पीड़ित दशरथ केवट ने कहा है कि वह रविवार की शाम को मछली बेच कर घर जा रहा था। इसी क्रम में उक्त स्थान पर विक्रम कापरी, कन्हैया कापरी व प्रदीप कापरी ने रोका और पुराने विवाद को लेकर गाली देने लगा। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया। हो हल्ला करने पर उसे बचाने पीड़ित के पिता आया तो उसके साथ भी मारपीट करने लगा। इसके बाद पीड़ित के पैकेट से 2000 रुपये छीन लिये। घटना को लेकर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

बालू माफिया का दुस्साहस, जब्त ट्रैक्टर से कुचलकर चौकीदार को मारने की कोशिश

संवाददाता

चतरा। जिले में बालू माफियाओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। टंडवा प्रखंड में अवैध बालू परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करने गई सीओ की टीम पर बालू माफियाओं ने जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में सीओ के बॉडीगार्ड एवं चौकीदार गंभीर रूप से घायल हो गए।

जब्त ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश

सूत्रों के अनुसार, टंडवा सीओ अक्षित कुमार को सूचना मिली थी कि खुटीकेवाल इमलियाटांड़ इलाके में अवैध रूप से बालू लदा ट्रैक्टर जा रहा है। सीओ ने ट्रैक्टर जब्त कर थाना लाने का निर्देश दिया और अपने बॉडीगार्ड चौकीदार योगेंद्र कुमार को ट्रैक्टर पर बिठा दिया। इस दौरान ट्रैक्टर मालिक सह चालक ने जानबूझकर गाड़ी को तेज और बेकाबू तरीके से चलाना शुरू कर दिया।

इसी क्रम में चौकीदार संतुलन खोकर सड़क पर गिर गए और ट्रैक्टर के ट्रॉली का टायर उनके दोनों पैरों पर चढ़ गया। इसके बाद ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और चालक मौके से फरार हो गया।

गंभीर हालत में रांची रेफर

स्थानीय लोगों की मदद से घायल चौकीदार को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। योगेंद्र कुमार चतरा सदर थाना क्षेत्र के सिन्दुवारी बथार गांव के रहने वाले बताए जाते हैं।

पुलिस ने जब्त किया ट्रैक्टर, आरोपी की तलाश तेज

थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि चौकीदार को घायल करने वाले ट्रैक्टर मालिक की पहचान कर ली गई है। वह खुद ही ट्रैक्टर चला रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सीओ पर लापरवाही का आरोप

इधर, चौकीदार संघ ने इस घटना को लेकर टंडवा के अंचलाधिकारी पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। संघ ने हमलावर चालक मालिक की अविलंब गिरफ्तारी और घायल चौकीदार के समुचित इलाज की व्यवस्था की मांग जिला प्रशासन से की है।

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो की मौत

संवाददाता

बिहारशरीफ। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है कि गिरियक-राजगीर मुख्य मार्ग पर वाटर पार्क के समीप हुए सड़क हादसे में गिरियक थाना क्षेत्र के रैतर पंचायत स्थित तारापुर गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार (45) की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धर्मेंद्र कुमार किसी काम से जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक धर्मेंद्र कुमार अपने पीछे दो पुत्र और तीन पुत्रियों सहित पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। हादसे की खबर मिलते ही गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही राजगीर थाना प्रभारी रमन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। **वहीं दूसरी घटना** बेन थाना क्षेत्र के बेन बाजार में मंगलवार सुबह ऑटो और स्कूटी की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो पलट गई,हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान बेन थाना क्षेत्र के नोहसा गांव निवासी 55 वर्षीय मिथिलेश पासवान, पिता मुनेश्वर पासवान के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मिथिलेश पासवान अपनी पत्नी के साथ ऑटो से गांव लौट रहे थे। इसी दौरान बेन बाजार के पास सामने से आ रही एक स्कूटी ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। घटना की जानकारी मिलते ही बेन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया।

विद्युत करंट से किसान की मौत

कई दिनों से खेत में गिरा हुआ था तार, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

संवाददाता

बिहारशरीफ। छबीलापुर थाना क्षेत्र के लोदीपुर धनु बीघा गांव में सोमवार की शाम करंट की चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान 57 वर्षीय बेचन रविदास, पिता स्वर्गीय विलास रविदास, निवासी लोदीपुर धनु बीघा के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक सोमवार की शाम बेचन रविदास अपनी पत्नी कालो देवी के साथ खेत में धान की मोरी पटाने गए थे। इसी दौरान खेत में पहले से गिरा 440 वोल्ट का तार उनके संपर्क में आ गया। करंट लगते ही बेचन जमीन पर गिर पड़े और गंभीर रूप से झुलस गए। पत्नी के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर देखते हुए राजगीर रेफर कर दिया, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर छबीलापुर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया। गांव वालों ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण ही यह घटना घटी है। लोगों का कहना है कि तार कई दिनों से खेत में गिरा हुआ था, जिसकी सूचना कई बार दी गई थी, लेकिन समय पर सुधार नहीं किया गया। ग्रामीणों ने दोषी कर्मियों पर कार्रवाई और मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

औरंगाबाद। सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय के हिंदी विभाग में मंगलवार को हिंदी दिवस के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन से हुआ। समारोह की अध्यक्षता गणित विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष शिवपूजन सिंह ने की, जबकि मंच संचालन हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक अनूप कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने हिंदी भाषा के महत्व, उसकी समृद्धि और उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की। छात्रों ने हिंदी की प्रसिद्ध कविताओं का पाठ कर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया तथा हिंदी भाषा के महत्व पर अपने विचार रखे। विभागाध्यक्ष सह बर्सर डॉ. अरविंद कुमार ने अपने संबोधन में हिंदी को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए इसकी बढ़ती उपयोगिता और वैश्विक स्वीकार्यता पर प्रकाश डाला। समारोह में शामिल अतिथियों ने भी अपनी-अपनी प्रस्तुतियों से छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ, जबकि धन्यवाद ज्ञापन उर्दू विभाग के सहायक प्राध्यापक मोहम्मद रशिद ने किया। इस मौके पर डॉ. कमलेश कुमार सिंह, ओझा सर, सुभोजीत मंडल, डॉ. संजीव रंजन, चर्चित साहित्यकार धनंजय जयपुरी, हिमांशु चक्रपानी, पूर्व बर्सर संतोष सुमन, प्रेम शंकर गोंद, अनुज बेर्चन, सिद्धेश्वर सिंह, डॉ. श्रुति, विभीषण कुमार, मंजीत कुमार, ओमप्रकाश कुमार, नीरज कुमार, छोटे लाल यादव, कौशल किशोर, शशि कांत कुमार, डॉ. किरण कुमारी, कंचन पटेल, मनोज कुमार सिंह (लेखापाल), प्रवीण दुबे, राजेश मिश्रा, अंशु कुमारी, निशा सिन्हा, नेहा आर्या, पप्पू सिंह, सरोज सिंह, अंकित सिंह, शिवकुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-छात्र मौजूद रहे। हिंदी दिवस समारोह ने महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण में हिंदी भाषा के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

जीएसटी सुधार से सभी वर्ग को मिलेगा फायदा

संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज शहर के जैन धर्मशाला में जीएसटी में सुधार एवं इससे व्यवसायियों एवं आम आवाम को तथा देश के अर्थव्यवस्था पर सकारात्मकता पर राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यापार एवं उद्योग भारत सरकार सुनील सांधी की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कारगिल शहीद गैस एजेंसी के एवं क्षेत्रीय प्रभारी शिवदयाल गुप्ता संचालन प्रदेश प्रवक्ता जितेंद्र गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में स्थानीय व्यवसायियों ने पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह,पूर्व विधायक, विधान पार्षद दिलीप कुमार सिंह, एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सांधी का स्वागत फूल माला एवं बुके देकर किया। पूर्व सांसद ने कहा कि भारत में जीएसटी टैक्स कम किये जाने आम आवाम को काफी फायदा मिलेगा। साथ ही 12 लाख तक आय वाले मध्य वर्गीय को इनकम टैक्स के दायरे से बाहर रखा गया है। इन्होंने कहा कि कहीं भी कुछ होता है तो विपक्षी कहते हैं कि कहां गया 56 इंच का सीना एक तरफ अमेरिका ने

टैक्स बढ़ाया इधर हमारे प्रधानमंत्री ने जीएसटी टैक्स को घटा कर भारत की जनता को फायदा दिया है वहीं अर्थव्यवस्था को भी पंख लगेगा। स्वदेशी अपनाने पर इन्होंने बल दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उन ऐतिहासिक, दूरदर्शी एवं जन कल्याणकारी आर्थिक सुधारों के लिए हार्दिक आभार प्रकट किया किया। जिन्होंने भारत को एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समावेशी अर्थव्यवस्था के पथ पर अग्रसर किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सरल एवं न्यायसंगत बनाया गया है। इन सुधारों से व्यापारियों को सुविधा, उपभोक्ताओं को लाभ तथा राज्यों को समुचित राजस्व सुनिश्चित हुआ है।मध्यम वर्ग को राहत प्रदान करने हेतु 12 लाख तक की वार्षिक आय को करमुक्त करने का निर्णय एक ऐतिहासिक एवं साहसिक कदम है। इससे करोड़ों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा एवं क्रय शक्ति प्राप्त हुई है। स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने और स्थानीय उद्योगों व लघु उद्यमों को सशक्त बनाने की नीति ने आत्मनिर्भरता की भावना को सुदृढ़ किया है। इससे राष्ट्रीय गौरव की भावना और 'वोकल फॉर लोकल' का संकल्प जन-जन तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री को उनके दूरदर्शी नेतृत्व, साहसिक निर्णयों एवं राष्ट्रहित में किए गए ऐतिहासिक सुधारों के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया जाए। इन सुधारों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जाए। नागरिकों को इन नीतियों का लाभ उठाने तथा' हरघर स्वदेशी' के संकल्प को सशक्त बनाने हेतु प्रेरित किया जाए। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आज आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रगति की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। यह प्रस्ताव राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के प्रति सम्मान, कृतज्ञता एवं अटूट समर्थन की सामूहिक अभिव्यक्ति है। पूर्व विधायक एवं विधान पार्षद ने जीएसटी टैक्स घटाने पर फायदा गिनाया।उपस्थित लोगों को हाथ उठाकर अपने जीवन में स्वदेशी सामग्री का उपयोग करने का संकल्प कराया। इस मौके पर भाजपा वरिष्ठ नेता विनय कुमार सिंह, दीनानाथ विश्वकर्मा,जदयू प्रखण्ड सह बीस सूत्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा,भाजपा नगर अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष संतोष कुमार साहू, कासमा मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार यादव, भदवा मंडल अध्यक्ष रामकुमार सिंह ,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बब्लू सिंह, महामंत्री शिवनारायण साहू, चंदन कुमार, जिला मीडिया प्रभारी मिलिंद सिंह, राणा विवेक सिंह, शुभम सिंह, शंकर शौंडिक,अनिल जैन, संजय चौरसिया,संगीता प्रसाद, अरुण कुमार सिंह, उदय सिंह, अशोक प्रसाद, कौशल चंद्रवंशी, रोहित कुमार, संजीत कुमार, संजय यादव, महेंद्र प्रसाद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

खाद के लिए किसानों ने की मारपीट

संवाददाता

औरंगाबाद। यूरिया खाद को लेकर मचा हाहाकार अब विकराल रूप धारण कर लिया है। महज चार बोरी यूरिया के लिए अन्नदाता एक-दूसरे के खून के प्यासे हो रहे हैं। औरंगाबाद बिस्कोमान भवन के बाहर का नजारा सरकारी दावों की पोल खोल रहा था, जहां सुबह से भूखे, प्यासे कतार में हजारों लोग कतार में खड़े थे। इसी क्रम में किसानों का सब्र का बांध टूट गया और वे आपस में ही भिड़ गए। इस क्रम में जमकर मारपीट हुई लेकिन प्रशासन मूकदर्शक बना रहा। बता दें कि धान की फसल में सोहनी के बाद यूरिया की तत्काल आवश्यकता होती है परंतु जिले के किसी भी प्रखंड में खाद उपलब्ध नहीं है। डीलर हाथ खड़े कर चुके हैं और जहां चोरी-छिपे मिल भी रही है, वहां ब्लैक में मुंहमांगी कीमत वसूली जा रही है। अपनी सालों भर की मेहनत और रोजी-रोटी बचाने की जद्दोजहद में हजारों की संख्या में महिला और पुरुष किसान बिस्कोमान भवन पहुंचे थे। सुबह से लगी लंबी कतारें, अव्यवस्था का आलम और खाद न मिलने की आशंका ने माहौल को विस्फोटक बना दिया। इतने में कतार में लगे किसान आपस में ही उलझ पड़े और स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद सुरक्षा का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं था। इधर किसानों के बीच हुई इस झड़प ने जिले की प्रशासनिक विफलता और सरकार की लापरवाही को उजागर कर दिया है। घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता आलोक सिंह ने सीधे तौर पर डीएम, जिला कृषि पदाधिकारी और जिला सहकारिता पदाधिकारी को जिम्मेदार ठहराया है। जब धान की खेती में यूरिया की जरूरत थी तो कृषि विभाग समय पर आपूर्ति सुनिश्चित क्यों नहीं कर सका। यदि विभाग विफल रहा तो जिले के नोडल पदाधिकारी होने के नाते डीएम ने किसानों के हित में कदम क्यों नहीं उठाए। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए पूछा कि आखिर यूरिया की ब्लैक मार्केटिंग कैसे हो रही है। क्या ऊंचे दामों पर खाद बेचने वाले दुकानदारों को पदाधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है।

न मिलने की आशंका ने माहौल को विस्फोटक बना दिया। इतने में कतार में लगे किसान आपस में ही उलझ पड़े और स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद सुरक्षा का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं था। इधर किसानों के बीच हुई इस झड़प ने जिले की प्रशासनिक विफलता और सरकार की लापरवाही को उजागर कर दिया है। घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता आलोक सिंह ने सीधे तौर पर डीएम, जिला कृषि पदाधिकारी और जिला सहकारिता पदाधिकारी को जिम्मेदार ठहराया है। जब धान की खेती में यूरिया की जरूरत थी तो कृषि विभाग समय पर आपूर्ति सुनिश्चित क्यों नहीं कर

जहानाबाद से तेजस्वी यादव ने शुरू की बिहार अधिकार यात्रा, कहा – 'यह बेरोजगार युवाओं की लड़ाई'

संवाददाता

जहानाबाद। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने जहानाबाद के गांधी मैदान से अपनी बहुचर्चित बिहार अधिकार यात्रा की शुरुआत की। इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने मौजूद सरकार पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी यादव ने कहा कि यह यात्रा बेरोजगार युवाओं की लड़ाई है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि आने वाला समय परिवर्तन का है, हमें मिलकर इस नकलची सरकार को उखाड़ फेंकना है। अगर आप हमें मौका देंगे तो हमारी सरकार बिहार को भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त बनाएगी। कोई भी अपराधी या गड़बड़ी करने वाला हो, उसे सजा जरूर दिलाई जाएगी। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में साफ कहा कि वे अनुशासनप्रिय राजनीति में विश्वास रखते हैं और अपराधियों के खिलाफ किसी भी जाति या धर्म का भेदभाव नहीं किया जाएगा। तेजस्वी ने नीतीश सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि आज की सरकार सिर्फ

हमारी बातों की नकल करती है, लेकिन काम करने की नीयत और क्षमता नहीं रखती। भीड़ में मौजूद महिलाओं को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने वादा किया कि यदि उनकी सरकार बनती है तो 'माई बहिन योजना' के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने युवाओं को भी आश्वस्त किया कि रोजगार सृजन उनकी प्राथमिकता होगी। तेजस्वी ने 2020 विधानसभा चुनाव की याद दिलाते हुए कहा कि इसी गांधी मैदान से मैंने युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था। तब हमारे विरोधियों ने कहा था कि पैसा कहां से आएगा? क्या अपने पिता के पास से लाकर लोगों को वेतन देंगे? लेकिन आज बिहार की जनता जान चुकी है कि असल विकल्प कौन है। गांधी मैदान में उमड़ी भीड़ और गूंजते नारों से माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में डूब गया। जैसा कि ज्ञात हो तेजस्वी की अधिकार यात्रा 16 से 20 सितंबर तक बिहार के कई जिलों में जाएगी, जिसका मकसद जनता के बीच सरकार की नीतियों के खिलाफ माहौल तैयार करना और विपक्ष को मजबूत करना है।

डीसी ने इवीएम वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। डीसी रवि आनंद ने मंगलवार को समाहरणालय परिसर स्थित इवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का का त्रैमासिक निरीक्षण किया। उन्होंने इवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, परिसर की साफ-सफाई आदि की जानकारी अधिकारियों से ली। अधिकारियों को विभिन्न बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक माह (बाहर) एवं त्रि- मासिक (अंदर) वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण करना होता है। जांच प्रतिवेदन मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को भेजा जाता है। मौके पर अपर समाहर्ता पूनम कच्छप, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सत्य प्रकाश सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

यूपी में जुगाड़ की नाव से फसल बचा रहे किसान

खेतों में 2-3 फीट तक पानी, हताश किसान बोला-अब कुछ नहीं बचा

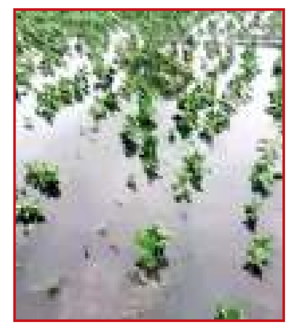

लखनऊ। यूपी में तीन दिन बाद बारिश तो थम गई, लेकिन किसानों की मुसीबतें खत्म नहीं हुई हैं। हजारों बीघा धान की फसल अब भी पानी में डूबी हुई है। खेतों में दो से तीन फीट तक पानी भरा है। कहीं खड़ी फसल गिर गई है, तो कहीं कटी फसल खेत में तैर रही है। बलिया में किसान जुगाड़ की नाव बनाकर फसल को बचा रहे हैं। उन्होंने लकड़ी के टुकड़ों पर टीनशेड बांधकर नाव जैसी संरचना बनाई है। उसी पर धान की फसल काटकर रख रहे हैं और फिर उसे सूखे स्थानों पर ले जा रहे हैं। गाजीपुर में किसान फसल सड़ने से बचाने के लिए कटाई करते नजर आए। फसल बर्बाद होने से एक हताश किसान ने कहा- फसल तो अब सड़ ही जाएगी, कुछ नहीं बचा है। जौनपुर में एक किसान तो निराश होकर खेत में ही बैठ गया। बुलंदशहर में बारिश के बाद गड्ढे में भरे पानी में डूबकर दो सगी बहनों की मौत हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक, एक हफ्ते बाद सुबह-शाम की ठंड बढ़नी शुरू होगी। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि अक्टूबर में प्रदेश में सामान्य 28.2 मिमी के मुकाबले 131% अधिक, यानी 65.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। सोनभद्र में सबसे अधिक 211.6 मिमी बारिश हुई, जबकि वाराणसी 210.3 मिमी के साथ दूसरे नंबर पर रहा। बुलंदशहर के डिबाई के देवी का नगला गांव में रविवार सुबह ईंट भट्टे के गड्ढे में भरे पानी में खेलते समय 4-6 साल की दो सगी बहनें डूब गईं। डूबने से दोनों की मौत हो गई। लोगों का कहना है कि भट्टे पर बारिश के बाद कई दिनों से पानी भरा था। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। कृषि वैज्ञानिक प्रो. पीके सिंह ने बताया- अचानक हुई भारी बारिश से पकी हुई धान की फसल बर्बाद हुई है। कई जगहों पर खेतों में पानी भर जाने से कटाई के लिए तैयार धान गिरकर खराब हो गया, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। इसके अलावा, खड़ी फसलों पर भी असर पड़ा है। कई खेतों में पौधे पानी में डूब जाने से सड़ने लगे हैं। सब्जी किसानों के लिए भी यह बारिश मुसीबत बनकर आई। जिन सब्जियों की बेल या लतादार फसलें (जैसे आलू, तोरई, गाजर) होती हैं, वे पूरी तरह खराब हो गईं, क्योंकि लगातार नमी और पानी जमने से पौधों की जड़ें सड़ गईं। इस वजह से बाजार में सब्जियों की आपूर्ति कम हो गई है, जिससे कीमतें अब बढ़ेंगी। बारिश के बाद खेतों में फिर से अत्यधिक नमी आ गई है, जिसके कारण नई बुआई में देरी होगी। देर से बुआई का सीधा असर अगली फसल पर पड़ेगा। फसल देर से तैयार होगी और कीट-रोगों का खतरा बढ़ जाएगा। कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया- लगातार बारिश से प्रदेश के कई जिलों में किसानों की धान, सब्जी और अन्य फसलों को भारी नुकसान हुआ है। कई गांवों में खेतों में पानी भर जाने से फसलें पूरी तरह चौपट हो गईं। अब प्रशासनिक स्तर पर फसल क्षति का आकलन किया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह तय होगा कि किस जिले या गांव में कितने प्रतिशत नुकसान हुआ है। बारिश या बाढ़ से नुकसान का आकलन क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट के जरिए किया जाता है। इसमें कृषि विभाग के अधिकारी खेतों का निरीक्षण कर त्रिभुज के आकार में फसल काटकर औसत उत्पादन का अनुमान लगाते हैं। यही आंकड़े तय करते हैं कि गांव या क्षेत्र में कितना प्रतिशत फसल नुकसान हुआ है। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया- राज्य सरकार की तरफ से सिर्फ उन्हीं किसानों को मुआवजा देने का प्रावधान है, जिनकी फसल 33% से ज्यादा खराब हो चुकी है। ऐसे प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को सर्वे के आधार पर कितना नुकसान हुआ है, देखकर मुआवजा दिया जाता है। हालांकि, अभी रिपोर्ट नहीं आई है कि कितनी फसलों का नुकसान हुआ है। सीएम योगी ने फसलों के नुकसान का सर्वे कराने और मुआवजा देने के लिए सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं। अगर आपकी भी फसल बर्बाद हुई है तो अपने संबंधित तहसील कार्यालय में इसकी शिकायत करें। फिर टीम आपके यहां सर्वे करेगी। साथ ही, जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अपनी फसल का बीमा कराया है, वह नुकसान की सूचना 72 घंटे के अंदर टोल फ्री नंबर 14447 पर दें। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने सीएम योगी को लेटर लिखा है। उन्होंने किसानों के प्रति अपनी चिंता व्यक्त की है। अजय राय ने लिखा- बारिश से धान, आलू, तिलहन और हरी सब्जियों की फसलें नष्ट हुई हैं। महोबा में किसान छोटेलाल की मौत और झांसी में किसान कमलेश यादव ने आत्महत्या कर ली। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से तुरंत राहत और सहायता देने की मांग की है। फसलों के नुकसान का सर्वे और किसानों को तत्काल मुआवजा दिया जाए। मृत किसानों के परिवारों को 50-50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए।

पटेल जयंती के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल कुशीनगर व नगर पालिका परिषद कुशीनगर द्वारा संयुक्त रूप से लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जयंती के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार की सुबह नगर के नेशनल हाईवे चौराहे से रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, नगर मंडल अध्यक्ष आद्या पांडेय, निवर्तमान अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, नगर मंडल उपाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, मंडल महामंत्री रवि शंकर सिंह ने किया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री जायसवाल ने सभी को राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के तहत पदाधिकारी नेशनल हाईवे चौराहे से शहीद अमिय त्रिपाठी चौक तक पहुंचे जहां आयोजित गोष्ठी में श्री जायसवाल ने लौह पुरुष, भारत रत्न, सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि स्व. सरदार पटेल में अदम्य साहस, दूरदर्शिता और राष्ट्र समर्पण की भावना थी। वह भारत को एक सूत्र में पिरोने वाले महान शिल्पी थे। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक शक्तिशाली और एकीकृत राष्ट्र के रूप में विश्व में उभरा है। इस दौरान विपुल दुबे, राधेश्याम गोंड,अमित पांडेय, श्रवण तिवारी, राहुल सोनी, सुमित जायसवाल, सभासद गण केशव सिंह, राजेश मद्धेशिया, मुन्ना शर्मा, गिरिजेश सिंह, राकेश यादव सहित शक्ति केंद्र संयोजक व कार्यकर्ता गण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कुशीनगर जिले में 35 मिमी. वर्षा रिकार्ड : गन्ना और धान दोनों फसलों को नुकसान, खेतों में पानी भरा

संवाददाता

कुशीनगर। मोंथा चक्रवात का असर कुशीनगर जिले में दिखाई दिया। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में 35 मिली मीटर वर्षा हुई, अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में 115 मिली मीटर वर्षा, असमय तेज हवा के साथ रिकॉर्ड हुई। कई स्थानों पर गन्ना की फसल गिर गई, जिससे भारी नुकसान हुआ है। इस समय धान की फसल पक कर तैयार है, इस असमय वर्षा से धान की फसल को भी काफी नुकसान हुआ है। ये बातें पूर्व सहायक निदेशक व गन्ना विशेषज्ञ ओम प्रकाश गुप्ता ने भगवानपुर, हेतिमपुर, कसया, खेदनी आदि गांवो का भ्रमण कर गन्ना फसल को देखा तत्पश्चात ग्राम बकनहा शिव मंदिर परिसर में किसानों के साथ बैठक में कही। अचानक, असमय, रुक-रुक कर

35 मिली मीटर वर्षा होने से तापमान गिर गया, जिससे किसान चिंतित हैं। इस बारिश से खेतों में पानी भर गया है। अधिक नमी होने के कारण चारों चीनी मिलों में समय से गन्ना पेराई प्रारंभ करने में व्यवधान उत्पन्न हुआ है। अप्रैल से अब तक कुल कितने मिली मीटर वर्षा हुई है, यह जानने के लिए पूर्व सहायक निदेशक ने चारों चीनी मिलों के अधिकारियों से बातचीत की। रामकोला चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक 'गन्ना' इंद्र शर्मा ने बताया कि 1040 मिली मीटर वर्षा हुई है। ढाढ़ा चीनी मिल के उपाध्यक्ष 'गन्ना' रविंद्र सिंह ने बताया कि अब तक 850 मिली मीटर वर्षा हुई है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में 30 मिमी वर्षा हुई है। खड्डा चीनी मिल के गन्ना प्रबंधक श्री सुधीर कुमार ने बताया कि 1335 मिली मीटर वर्षा हुई है।

सेवरही चीनी मिल के वरिष्ठ गन्ना प्रबंधक पी एन. शाही ने बताया कि 1050 मिली मीटर वर्षा हुई है, तथा अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में 32 मिली मीटर वर्षा हुई है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. सुरुति ने पूर्व सहायक निदेशक को बताया कि मोंथा चक्रवात का असर कुशीनगर जिले में भी दिखा है, 35 मिली मीटर वर्षा रिकार्ड की गई है, अब मौसम साफ रहेगा। गन्ना फसल को कितना नुकसान हुआ है, फसल को देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक खेतों में पानी भरा है। जलभराव वाले गन्ने में पानी के ऊपरी आंखों से जड़ें निकल रही हैं। कुछ गन्ने की पत्तियां पीली पड़ रही हैं गन्ना गिरने के बाद गांठों से जड़ें निकल रही हैं। आंखें अंकुरित हो रहीं हैं। कुछ खेतों में गिरा हुआ गन्ना पुनः खड़ा हो रहा है। इससे उपज तथा चीनी परता दोनों घटेगा। शरदकालीन गन्ना बुवाई में देरी होगी। वर्तमान में गन्ने का मूल्य बढ़ने से किसानों में उत्साह दिखाई दे रहा है। ढाढ़ा चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष आरके गुप्ता ने गेट क्षेत्र में गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए 11 स्थानों पर भव्य गन्ना गोष्ठी का आयोजन करवाया है। इन गोष्ठियों में उन्होंने स्वयं किसानो से संपर्क किया है। जिसका सकारात्मक परिणाम मिल रहा है।

कंबाइन मशीन से टकराई बाइक, मां-बेटे की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

रायबरेली। छतोह-गांधीनगर मार्ग पर शनिवार को सड़क हादसे में मां और बेटे की मौत हो गई जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हैं। क्षेत्र के ओलीपुर मजरे संडहा गांव निवासी नीलेश कुमार अपने पिता शेषपाल और मां निर्मला के साथ डीह थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव में रिश्तेदारी में जा रहे थे। छतोहझगांधीनगर मार्ग पर जानकी देवी पब्लिक स्कूल के पास छतोह की ओर जा रही कंबाइन मशीन को ओवरटेक करने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर मशीन से जा टकराई। हादसे में नीलेश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नसीराबाद पहुंचाया। वहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान मां निर्मला ने भी दम तोड़ दिया।

डंपर ने तीन दोस्तों को कुचला: एक साथ उठी तीनों की अर्थी, कर रहे थे सेना में जाने की तैयारी, गांव में सन्नाटा

ग्रेटर नोएडा। कोतवाली दादरी क्षेत्र में सड़क हादसे में मरने वाले तीनों दोस्तों के शव शनिवार रात में करीब साढ़े 10 बजे गांव में पहुंचे। शवों को देख परिजन, ग्रामीण बिलख उठे। गमगीन माहौल में तीनों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। फिलहाल पुलिस को तहरीर नहीं मिली थी। गांव शेरपुर निवासी रोहित, मोंटू, श्वेत की दादरी कोतवाली क्षेत्र में हायर कंपनी के पास मोड़ पर डंपर की टक्कर से मौत हो गई थी। तीनों सुरक्षा बल में

भर्ती होने की तैयारी कर रहे थे। परिजनों ने शासन, प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। रविवार को गांव में दिन भर सन्नाटा पसरा रहा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के बुजुर्ग धर्मा, दुलीचंद, खचेड़ू का कहना है कि उन्होंने पहली बार एक साथ तीन युवाओं की अर्थियां उठती देखी हैं। पिता विनोद ने बताया कि मोंटू परिवार में सबसे बड़ा था। छोटा बेटा दीपांशु हाईस्कूल, बेटी पारूल कक्षा आठ में है। वह पंचर लगाते हैं। श्वेत के पिता राजकुमार ने बताया कि वह मजदूरी करते हैं। श्वेत उनका बड़ा बेटा था। छोटा बेड़ा स्पर्श हाईस्कूल का छात्र है। श्वेत के सफल होने से परिवार के हालात बदल जाएंगे यही सोचा था। रोहित के पिता जितेंद्र ने बताया कि वह मजदूरी करते हैं। रोहित उनका छोटा बेटा था।

चुनाव आयुक्त बोले: पूरे देश की वोटर लिस्ट का शुद्धिकरण होगा

कानपुर। अकेले बिहार में अब तक विश्व का सबसे बड़ा वोटर लिस्ट शुद्धिकरण अभियान चला है। जिस दिन अन्य राज्यों में 51 करोड़ मतदाताओं की सूची का शुद्धिकरण होगा, वह भी एक ऐतिहासिक होगा। जब यह प्रक्रिया पूरे देश में पूरी होगी, तब आपको न सिर्फ अपने चुनाव आयोग पर, बल्कि अपने मुख्य आयुक्त और अपने समाज के ज्ञानेश कुमार पर भी गर्व होगा।

ये बातें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कानपुर में कही। रविवार को वे आईआईटी कानपुर के फाउंडेशन डे में शामिल होने पहुंचे। उन्होंने कहा- मैं अपनी मां की बात नहीं टालता हूं। उन्हीं के कहने पर मैं यहां आया हूं। कार्यक्रम में उन्होंने आईआईटी में पढ़ाई के दिनों के किस्से, कानपुर से जुड़ा अपनापन और अनुभव साझा किए। आईआईटी कानपुर से पहले स्वरूपनगर स्थित टीएसएच स्पोर्ट्स हब में आयोजित माथुर वैश्य समाज के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा- चुनाव में किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ज्ञानेश कुमार ने कहा- मैंने अपनी माता जी से कहा था कि बिहार चुनाव के चलते आईआईटी आने की संभावना नहीं है। आईआईटी के लोगों ने भी मेरे आने की उम्मीद छोड़ दी थी। लेकिन मैं अपनी माता जी की आज्ञा का पालन करते हुए कानपुर आया हूं। मैं एक पूर्व विद्यार्थी के नाते आईआईटी कानपुर आया हूं। आईआईटी ने मुझे जो सम्मान देने का निर्णय लिया है, वह मेरे लिए गर्व की बात है। कानपुर में बिताए गए 4 साल मेरे जीवन के सबसे ऊर्जावान और यादगार साल रहे हैं। इस शहर से मुझे हमेशा गहरा लगाव रहा है। ज्ञानेश कुमार ने कहा, यह समय बिहार चुनाव का है। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से मतदाताओं से वोट की अपील कर रहे हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि चुनाव आयोग के लिए न कोई पक्ष है, न विपक्ष सभी समान हैं। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर, दूसरे चरण का 11 नवंबर और मतगणना 14 नवंबर को होगी। मतदाता पारदर्शी और स्वतंत्र रूप से मतदान कर सकें, इसके लिए आयोग पूरी तरह तैयार है। बिहार चुनाव के लिए 243 रिटर्निंग ऑफिसर, उतने ही ऑब्जर्वर, जिला कलेक्टर और पुलिस कप्तान तैनात हैं। हमें विश्वास है कि बिहार में होने वाला यह चुनाव पारदर्शिता, सक्षमता और सरलता का प्रतीक बनेगा और भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के लिए एक नजीर पेश करेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त अपनी पत्नी अनुराधा के साथ कानपुर पहुंचे थे। उन्होंने पुरानी यादें ताजा करते हुए बताया- काशी के घाट से गंगा में तैरीकी सीखने वाला एक लड़का जो बनारस के राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज में पढ़ता है। वहां से 10वीं का एग्जाम देता है। इसके बाद पिता के ट्रांसफर के साथ घूमता रहता है। फिर वह लखनऊ आ जाता है, यहां गवर्मेंट कॉलेज में पढ़ता है फिर आईआईटी कानपुर में पढ़ने चला जाता है। पढ़ते-पढ़ते बीच में हम केरल भी चले जाते हैं। केरल आईआईटी कानपुर या दिल्ली से उतना ही दूर है जितना कि यहां से अमेरिका। मेरा अमेरिका जाने का सपना पूरा नहीं हो पाया। IIT कानपुर के कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मंच पर बैठे सभी लोगों का नाम लेकर धन्यवाद दिया। इस दौरान उन्होंने मंच पर बैठी अपनी पत्नी का परिचय देते हुए कहा कि मेरी होम मिनिस्टर अनुराधा भी मंच पर बैठी हैं। उन्होंने कहा- मेरे पिता आगरा में डीएवी कॉलेज के प्रिंसिपल भी रहे थे। और जब किसी जमाने में अंग्रेजों से टकराव हुआ तो उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी थी। आगरा जब इस बार जाएं तो वहां एत्मादौला जरूर जाएं। जब उसकी चार मीनारों से एक में से नीचे देखेंगे तो वहां आज भी मेरे बाबा का स्कूल चलता मिलेगा। रिटायरमेंट के बाद पिता जी का मन नहीं भरा तो एक स्कूल और खोल लिया। अब उसे मेरा बेटा चलाता है।

संक्षिप्त डायरी

पति ने पत्नी के सर पर लोहे की राड मारकर उतारा मौत के घाट

संवाददाता

हमीरपुर। एक पति ने गुस्से में आकर अपनी ही पत्नी के सर पर लोहे का राड मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद खुद पति ने ही अपनी पत्नी के घर वालों को फोन पर वारदात की जानकारी दी। पूरा मामला मौदहा कोतवाली क्षेत्र के कम्हरिया गाँव का है। वारदात की जानकारी के बाद पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक मनोज गुप्ता ने बताया कि पुलिस जब मौके पर पहुंची,तो देखा कि आरोपी पति मुइनुद्दीन पुत्र फखरुद्दीन कमहरिया ने अपनी 27 साल की पत्नी रोशनी को घर के अंदर बंद कर रखा था। जिसके बाद परिवार वालों की मदद से घर का ताला तोड़कर जब अन्दर देखा तो, रोशनी की मौत हो चुकी थी। पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला है कि आरोपी पति मुइनुद्दीन ने ही अपनी पत्नी के सिर पर लोहे की रॉड मारकर उसका कत्ल कर दिया था। वही फील्ड यूनिट टीम ने मौके पर पहुँच कर वारदात के सबूत जुटाये, जबकि पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर पुंछतांछ शुरू कर दी है। साथ ही मृतिका के परिवार वालों की तहरीर पर आगे की कार्यवाही की जा रही है। फिलहाल कत्ल की वजह अभी सामने नहीं आ सकी है।

भंते ज्ञानेश्वर के निधन पर रालोद राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भिक्षु संघ कुशीनगर के अध्यक्ष और बर्मी बुद्ध बिहार के महंथ अग्ग महा पंडित भदंत ज्ञानेश्वर के निधन पर राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। रविवार को प्रदेश सचिव सिया शरण पाण्डेय, जिलाध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर बर्मी बुद्ध बिहार पहुंचे तथा दिवंगत बौद्ध धर्मगुरु ज्ञानेश्वर का दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भंते गण से मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सिंह और प्रदेश अध्यक्ष श्री राय का शोक संदेश सुनाया। श्री पांडेय ने कहा कि भिक्षु ज्ञानेश्वर ने बुद्ध की शिक्षाओं का मानव हित में प्रसार किया। वह कुशीनगर के शैक्षणिक विकास के लिए जाने जाएंगे। इस दौरान राष्ट्रीय लोक दल के क्षेत्रिय उपाध्यक्ष भगवान दयाल विश्वकर्मा, युवा नेता कुलदीप कुमार, समाजसेवी मुकेश यादव, देवेंद्र राय, सिताराम मौर्य, बिशेश्वर निगम, भोला प्रसाद, रविन्द्र पान्डेय सहित पार्टी जनों ने स्वर्गीय भंते को श्रद्धांजलि दी।

दिवंगत भंते ज्ञानेश्वर को देशी विदेशी श्रद्धालुओं ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। म्यांमार मंदिर के प्रमुख दिवंगत बौद्ध धर्मगुरु भंते ज्ञानेश्वर को देशी विदेशी श्रद्धालुओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। करने के लिए देश, विदेश के बौद्ध श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। रविवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार और सांसद जौनपुर बाबू सिंह कुशवाहा, पूर्व कमिश्नर नई दिल्ली श्रीकृष्ण आनंद, विजय कुशवाहा, नेपाल के ज्ञानी शाक्य, संजीव शाक्य, बसपा कोऑर्डिनेटर और पूर्व सांसद घनश्याम खरवार, बस्ती के सांसद राम प्रसाद चौधरी, सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ अखिलेश कटियार, सपा जिलाध्यक्ष विकास यादव, रमेश यादव, पूर्व विधायक सुरेश यादव, डॉ विवेक सिंह पटेल, पूर्व गृह मंत्री नेपाल सरकार देवराज कंडेल, वीरेंद्र तिवारी, प्रधानाचार्य उमेश कुमार उपाध्याय, प्राचार्य विनोद मोहन मिश्रा, आजमगढ़ से भिक्षु महा कश्यप, टीके राय, सहित म्यांमार, श्रीलंका, थाइलैंड, ताइवान, वियतनाम, तिब्बत आदि देशों और प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगल, दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश आदि राज्यों से बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सुबह थाई भिक्षु डॉ पी सोम पोंग, भंते सों क्रान के नेतृत्व में विशेष शांति पाठ किया गया। म्यांमार के राजदूत जा ऊ ने थाई भिक्षुओं को चीवर दान दिया। तिब्बती भंते कंचुक लामा ने तिब्बती रीति रिवाज से शांति पाठ किया। व्यवस्था में भिक्षु संघ कुशीनगर के मंत्री भिक्षु डॉ नन्द रतन, भंते के उत्तराधिकारी भिक्षु नंदका, भिक्षुणी धम्म नैना, भिक्षु आलोक, भिक्षु इंद्र श्री, भंते तेजवंत सहित भिक्षु सहित उपासक लगे हुए थे।

ई रिक्शे पर पलटी ईंट से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, दबने से दो लोगों की मौत

मुरादाबाद। बिलारी में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। ईंटों से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली का पहिया निकलने के बाद वह बेकाबू होकर सड़क से गुजर रहे ई-रिक्शा पर पलट गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके साथ ही ई-रिक्शा सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के मुताबिक करनपुर की ओर से ठाकुरद्वारा जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली ईंटों से भरी थी। ट्रॉली का पिछला दाहिना पहिया अचानक निकल गया। पहिया निकलते ही ट्रॉली बेकाबू हो गई और विपरीत दिशा से आ रहे ई-रिक्शा पर पलट गई। इससे ई-रिक्शा सड़क किनारे खाई में जा गिरा। ई-रिक्शा में बैठे आसमा व रफीक (निवासी रतुपुरा, थाना ठाकुरद्वारा) घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवा दिया है। ठाकुरद्वारा और कांठ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। दमकल कर्मियों ने पंप लगाकर पानी बाहर निकाल मलबे में दबे शवों को बाहर निकाला। पुलिस क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर-ट्रॉली और ई-रिक्शा को जब्त कर थाने ले आई है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के लिए अडानी पावर डील रद्द करना आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश की मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने साफ कहा है कि अगर भारत की अडानी कंपनी के साथ हुए साल 2017 के बिजली समझौते में किसी तरह की गड़बड़ी या भ्रष्टाचार का सबूत मिलता है, तो वे इस करार को रद्द करने से पीछे नहीं हटेंगे। हालांकि, राष्ट्रीय समीक्षा समिति के एक सदस्य मुश्ताक हुसैन खान ने एक अहम बात कही है। उन्होंने कहा कि क्योंकि यह एक सॉवरेन कॉन्ट्रैक्ट (दो देशों के बीच समझौता) है, इसलिए इसे मनमाने ढंग से खत्म नहीं किया जा सकता। ऐसे समझौतों को रद्द करने से बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालतों से भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह बात एक ऐसी रिपोर्ट के सामने आने के बाद कही गई है, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और शासन में बड़ी विफलता का दावा किया गया है। यह रिपोर्ट एक राष्ट्रीय समीक्षा समिति ने पेश की है, जिसे पिछली शेख हसीना सरकार के दौरान हुए बिजली क्षेत्र के सभी समझौतों की जांच के लिए बनाया गया था। समिति के प्रमुख, सेवानिवृत्त हाई कोर्ट के जज मोइनुल इस्लाम चौधरी ने कहा, हमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, सांठगांठ, धोखाधड़ी और अनियमितताएं मिली हैं। रविवार को इस समिति के साथ बैठक के बाद, बांग्लादेश के बिजली, ऊर्जा और खनिज संसाधनों के सलाहकार मुहम्मद फौजुल कबीर खान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हालांकि समझौते में दावा किया गया है कि कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ, लेकिन अगर सबूतों से कुछ और साबित होता है तो समझौता रद्द किया जा सकता है। उन्होंने कहा, अदालतें सिर्फ मौखिक आश्वासन नहीं मानेंगी, इसके लिए ठोस कारण होने चाहिए। 25 साल का यह समझौता अडानी पावर और बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के बीच हुआ था। इसके तहत बांग्लादेश को झारखंड में अडानी के 1,600 मेगावाट के कोयला बिजलीघर से पैदा होने वली सौ फीसदी बिजली खरीदनी है। शेख हसीना सरकार के बाद आई नई सरकार ने इस समझौते की जांच शुरू की है। इस प्लांट को सिर्फ बांग्लादेश को बिजली देने के लिए ही बनाया गया था और बिजली एक क्रॉस-बॉर्डर ट्रांसमिशन लाइन के जरिए पहुंचाई जाती है।

3 गुना सस्ती कॉफी बेचने वाली लक्किन के आगे स्टारबक्स ने घुटने टेके

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रसिद्ध कॉफी कंपनी स्टारबक्स ने अपने चीन के बिजनेस में 60 प्रतिशत हिस्सा (मेजॉरिटी स्टेक) एक प्राइवेट इक्विटी कंपनी बोयू कैपिटल को 4 अरब डॉलर में बेचने का समझौता किया है। स्टारबक्स अब भी 40 प्रतिशत हिस्से की मालिक बनी रहेगी और अपने ब्रांड के इस्तेमाल का अधिकार भी जॉइंट वेंचर को देगी। मामले से वाकिफ लोगों के अनुसार, निजी इक्विटी फर्म बोयू कैपिटल, स्टारबक्स कॉर्पोरेशन के चीनी कारोबार में हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए लगभग 1.4 अरब डॉलर के ऋण के लिए बैंकों से बातचीत कर रही है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक निजी मामलों पर चर्चा करते हुए, नाम न बताने की शर्त पर, सूत्रों ने बताया कि बोयू कैपिटल के वित्तपोषण का नेतृत्व संभवतः चीनी बैंक करेंगे। उन्होंने बताया कि यह सौदा युआन-मूल्यवर्गीय ऑनशोर डेब्ट के रूप में हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि बातचीत अभी भी चल रही है और इसमें बदलाव हो सकता है। स्टारबक्स ने चीन में पहली दुकान साल 1999 में बीजिंग में खोली थी और अब तक वहाँ लगभग 8,000 से भी अधि दुकानें हैं। यह सौदा कंपनी को चीन में आगे बढ़ने के लिए एक सही पार्टनर ढूंढने की कोशिश का नतीजा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टारबक्स को चीन में दूसरे पश्चिमी कंपनियों की तरह ही मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। बढ़ते राष्ट्रवाद और महंगे विदेशी ब्रांड्स से दूरी की वजह से कंपनी का बाजार में हिस्सा स्थानीय प्रतिस्पर्धियों के हाथों में जा रहा था। चीन की कंपनी लक्किन कॉफी ने स्टारबक्स से तीन गुना सस्ती कॉफी बेचकर दो साल पहले ही उसे पीछे छोड़ दिया था और देश की सबसे बड़ी कॉफी चेन बन गई थी। कोविड-19 महामारी और मंदी के बाद से ग्राहकों के लिए महंगी कॉफी खरीदना भी मुश्किल हो गया है। स्टारबक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा है कि वे चीन में अपनी दुकानों की संख्या 8,000 से बढ़ाकर 20,000+ करने का लक्ष्य देख रहे हैं।

25.5 टन सोने की खरीद, इसलिए बढ़ रहा पीली धातु का महत्व

देश का गोल्ड रिजर्व पहली बार 100 अरब डॉलर पार

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत ने आर्थिक सुरक्षा रणनीति में नया अध्याय लिखते हुए स्वर्ण भंडार को पहली बार 100 अरब डॉलर के पार 105.53 अरब डॉलर पर पहुंचा दिया है। आरबीआई के अनुसार, हालिया खरीद के बाद इसका अनुमानित मूल्य 108.5 अरब डॉलर हो गया है। आरबीआई ने हाल में 25.45 टन सोना खरीदा, जिससे कुल भंडार बढ़कर 880.18 टन हो गया। विदेशी मुद्रा भंडार में सोने का हिस्सा बढ़कर 14.7 फीसदी पहुंच गया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार, यह उपलब्धि न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की वित्तीय संप्रभुता और दीर्घकालिक स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी स्ट्रैटेजिस्ट पृथ्वी सिंह ने कहा, भारत का यह कदम डॉलर-निर्भर वैश्विक व्यवस्था में आत्मनिर्भर मुद्रा सुरक्षा तंत्र विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। बढ़ते जोखिम के बीच यह एक फाइनेंशियल शील्ड है। डब्ल्यूजीसी के अनुसार, भारत कुछ वर्षों से वैश्विक केंद्रीय बैंकों के बीच अग्रणी स्वर्ण खरीदार रहा है। आरबीआई ने विदेशी मुद्रा भंडार को विविधता देने, डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए सोने पर भरोसा बढ़ाया है। यह रणनीति स्पष्ट संकेत है कि भारत की प्राथमिकता महज अल्पकालिक बाजार उतार-चढ़ाव से बचाव नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा और टिकाऊ मौद्रिक ढांचे का निर्माण है। वैश्विक वित्तीय व्यवस्था इस समय संक्रमण के दौर में है। रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन-अमेरिका प्रतिस्पर्धा, पश्चिम एशिया संकट और बदलते ऊर्जा-व्यापार समीकरणों ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ाई है। ऐसे में सोना एक सार्वभौमिक सुरक्षित संपत्ति के रूप में फिर केंद्र में आया है। भारत की रणनीति अब पारंपरिक डॉलर-सेंट्रिक रिजर्व मॉडल के बजाय मल्टी एसेट रिजर्व फ्रेमवर्क की ओर बढ़ रही है। आईआईएम बंगलूरु के प्रोफेसर नितिन शर्मा ने बताया, भारत वैश्विक अस्थिरता के दौर में बहु-परत वित्तीय सुरक्षा संरचना बना रहा है। नीति-स्तर पर इसे विदेशी झटकों से बचाव और मजबूत मुद्रा संप्रभुता की दिशा में निर्णायक कदम माना जा रहा है। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा, सोने की कीमतें सोमवार को 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं। इसका कारण ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होना है। अमेरिका-चीन व्यापार समझौते के बाद सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग भी कम हो गई। चीन ने सोने की बिक्री पर लंबे समय से चले आ रहे कर प्रोत्साहन को हटा दिया है। इससे उपभोक्ता कीमतें बढ़ सकती हैं और दुनिया के सबसे बड़े सर्राफा बाजारों में से एक में मांग कमजोर हो सकती है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, व्यापारियों का ध्यान अब इस सप्ताह के अमेरिकी वृहद आर्थिक घटनाक्रमों पर रहेगा। इसमें आईएसएम पीएमआई आंकड़े और एडीपी निजी पेरोल आंकड़े शामिल हैं। जारी होने वाले आंकड़े मौद्रिक नीति के बारे में अधिक संकेत प्रदान करेंगे।

सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग घटी; कीमतें 300 रुपये नरम

डॉलर के मजबूत होने और वैश्विक अनिश्चितताओं में कमी आने के बाद सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग घटी है, इसका असर उसकी कीमतों पर भी दिखा है। दिल्ली में सोमवार को सोने की कीमत 300 रुपये की गिरावट के साथ 1,25,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 300 रुपये की गिरावट के साथ 1,24,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया। शुक्रवार को यह 1,25,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार को 1,25,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर, चांदी की कीमत 1,000 रुपये की तेजी के साथ 1,54,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। शुक्रवार को चांदी की कीमत 1,53,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। डॉलर सूचकांक जो छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापता है, 0.09 प्रतिशत बढ़कर 99.89 पर पहुंच गया। इससे सर्राफा कीमतों पर दबाव पड़ा। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना हाजिर 0.14 प्रतिशत गिरकर 4,000 डॉलर से नीचे 3,996.77 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं, चांदी हाजिर मामूली गिरावट के साथ 48.64 डॉलर प्रति औंस पर रही।

भारत में कॉरपोरेट समझौते छह तिमाहियों के सबसे उच्च स्तर पर

999 सौदों में 44.3 अरब डॉलर के लेनदेन

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के कॉरपोरेट डील मार्केट ने 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में कुल 999 सौदे हुए, जिनका कुल मूल्य 44.3 अरब डॉलर रहा। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह पिछले छह तिमाहियों में सबसे ऊंचा स्तर है। तिमाही आधार पर सौदों की मात्रा में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी और डील वैल्यू में 64 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की गई है।

कॉरपोरेट डील मार्केट में आमतौर पर विलय और अधिग्रहण जैसी गतिविधियां शामिल होती हैं, जहां कंपनियां अन्य कंपनियों का अधिग्रहण या विलय करती हैं। दूसरा प्रकार निजी इक्विटी (पीई) निवेश है, जहां निवेश फर्म या फंड कंपनियों में पैसा लगाते हैं, या तो हिस्सेदारी खरीदकर या उनके विकास के लिए धन मुहैया कराकर। रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी तिमाही में मामूली गिरावट के बाद विलय और अधिग्रहण गतिविधियों ने बाजार की रफ्तार फिर से तेज की है। एमएंडए में तीसरे में 518 सौदे हुए

रिपोर्ट के अनुसार, तीसरी तिमाही में 518 एमएंडए सौदे हुए, जिनकी कुल कीमत 28 अरब डॉलर रही। यह वॉल्यूम में 26 प्रतिशत और वैल्यू में 80 प्रतिशत की तिमाही-दर-तिमाही वृद्धि को दर्शाता है। औसतन प्रति सौदे का आकार भी 59 मिलियन डॉलर से बढ़कर 74 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। यह दर्शाता है कि कंपनियां अब बड़े और रणनीतिक सौदों को प्राथमिकता दे रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि घरेलू एमएंडए इस वृद्धि का मुख्य आधार रहा। इसमें 381 सौदे शामिल थे, जो पिछली तिमाही की तुलना में 30 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं क्रॉस-बॉर्डर ट्रांजेक्शन में भी सुधार दर्ज किया गया। इनबाउंड डील्स बढ़कर 55 और आउटबाउंड डील्स (भारतीय कंपनियों के विदेशी निवेश) बढ़कर 82 पर पहुंच गईं, जो पिछले छह तिमाहियों में सबसे ऊंचा स्तर है। पीडब्ल्यूसी के अनुसार पिछले छह तिमाहियों में, भारत के कुल सौदों की संख्या में 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि कुल सौदों का मूल्य लगभग दोगुना हो गया है। यह देश के अधिक परिपक्व और मूल्य-संचालित निवेश परिवेश की ओर संक्रमण को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में विलय-अधिग्रहण और प्राइवेट इक्विटी निवेशक अब तेजी से रणनीतिक, बड़े पैमाने पर और वैश्विक स्तर पर प्रभाव डालने वाले अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। तीसरी तिमाही में बढ़ती गतिविधि और डील साइज में वृद्धि ने यह साफ कर दिया है कि भारत अब दुनिया के सबसे गतिशील और सक्रिय डील मार्केट्स में से एक के रूप में उभर रहा है।

सुजलॉन एनर्जी को दूसरी तिमाही में 500 प्रतिशत से ज्यादा मुनाफा

30 साल का तोड़ दिया रेकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी सुजलॉन एनर्जी ने कमाल कर दिया है। इस कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 (एफवाई26) की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में शानदार प्रदर्शन किया है। दूसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 538 प्रतिशत बढ़कर 1,279 करोड़ रुपये हो गया है। यह पिछले 30 सालों में उनका सबसे बड़ा तिमाही मुनाफा है। इसके बाद कंपनी के शेयर ने ऊंची छलांग मार दी। कंपनी की कमाई भी 85 प्रतिशत बढ़कर 3,866 करोड़ रुपये हो गई है। यह सब विंड टरबाइन जनरेटर सेगमेंट में अच्छी बिक्री और ज्यादा सामान डिलीवर करने की वजह से हुआ है। कंपनी का ईबीआईटीडीए 145 प्रतिशत बढ़कर 721 करोड़ रुपये हो गया और प्रॉफिट बिफोर टैक्स 179 प्रतिशत बढ़कर 562 करोड़ रुपये हो गया। मुनाफे में इतनी बड़ी बढ़ोतरी की एक खास वजह यह भी है कि कंपनी ने 717 करोड़ रुपये के डेफर टैक्स एसेट्स को इस तिमाही में शामिल किया है। कंपनी ने भारत में दूसरी तिमाही में 565 एमडब्ल्यू की सबसे ज्यादा डिलीवरी की है। उनका कुल ऑर्डरबुक 6 जीडब्ल्यू से ज्यादा हो गया है। एफवाई26 के पहले छह महीनों में ही 2 जीडब्ल्यू से ज्यादा के नए ऑर्डर मिले हैं, जिससे कुल ऑर्डर 6.2 जीडब्ल्यूतक पहुंच गया है। 30 सितंबर 2025 तक कंपनी के पास 1,480 करोड़ रुपये का नेट कैश था।

23 साल में भारत के शीर्ष एक फीसदी अमीरों की संपत्ति 62 प्रतिशत बढ़ी

- वैश्विक असमानता आपात स्तर पर पहुंची
- चीन और भारत में प्रति व्यक्ति आय में हुई वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति 2000 से 2023 के बीच 62 प्रतिशत तक बढ़ गई है। जी20 की दक्षिण अफ्रीकी अध्यक्षता के तहत तैयार की गई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। नोबेल पुरस्कार विजेता जोसेफ स्टिग्लिट्ज के नेतृत्व में तैयार इस अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि वैश्विक असमानता अब आपातकालीन स्तर पर पहुंच गई है। यह लोकतंत्र, आर्थिक स्थिरता और जलवायु कार्रवाई के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

वैश्विक असमानता पर स्वतंत्र विशेषज्ञों की जी-20 असाधारण समिति, जिसमें अर्थशास्त्री जयति घोष, विनी बयानीमा और इमरान वालोदिया शामिल हैं। उन्होंने पाया कि 2000 और 2024 के बीच वैश्विक स्तर पर शीर्ष एक प्रतिशत लोगों ने नई संपत्ति का 41 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया, जबकि मानवता के निचले आधे हिस्से को केवल 1 प्रतिशत प्राप्त हुआ।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मोटे तौर पर मापी गई अंतर-देशीय असमानता में कमी आई है, क्योंकि चीन और भारत जैसे कुछ अधिक जनसंख्या वाले देशों में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। इससे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में उच्च आय वाले देशों की हिस्सेदारी कुछ हद तक कम हुई है।

सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने देशों की संपत्ति बढ़ाई

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2000 से 2023 के बीच, सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने सभी देशों के आधे से अधिक देशों में अपनी संपत्ति का हिस्सा बढ़ाया है। यह वैश्विक संपत्ति का 74 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में शीर्ष 1 प्रतिशत लोगों ने इस अवधि (2000-2023) में अपनी संपत्ति में 62 प्रतिशत की वृद्धि की है। वहीं चीन में यह आंकड़ा 54 प्रतिशत है।

राजनीतिक इच्छाशक्ति से बदला जा सकता है

इसमें कहा गया है कि अत्यधिक असमानता एक विकल्प है। दुनिया में बढ़ती अमीरी-गरीबी की खाई इंसानों के फैसलों का नतीजा है, इसे राजनीतिक इच्छाशक्ति से बदला जा सकता है। वैश्विक समन्वय से इसे काफी हद तक सुगम बनाया जा सकता है और इस संबंध में जी-20 की महत्वपूर्ण भूमिका है। मार्गदर्शन के लिए जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की तर्ज पर एक अंतर्राष्ट्रीय असमानता पैनल (आईपीआई) के गठन का प्रस्ताव किया गया है। दक्षिण अफ्रीकी जी-20 प्रेसीडेंसी के तहत शुरू किया जाने वाला यह निकाय सरकारों को असमानता और उसके कारणों पर आधिकारिक और सुलभ आंकड़े उपलब्ध कराएगा।

सैमसंग इंडिया ने सैमसंग वालेट में फीचर्स पेश किये

डिजिटल पेमेंट और यूपीआई ऑनबोर्डिंग का बदला अंदाज

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज सैमसंग वॉलेट के लिए कुछ बड़े और शानदार बदलावों का ऐलान किया है। सैमसंग वॉलेट गैलेक्सी फोन इस्तेमाल करने वालों के लिए एक ऐसा सुरक्षित ऐप है जहाँ वे डिजिटल कीज़, भुगतान विधियों, आइडी कार्ड सहित अपनी कई डिजिटल चीजों को एक ही जगह पर रख सकते हैं। ये महत्वपूर्ण फीचर्स लाखों गैलेक्सी उपयोगकर्ताओं के लिए नए उपकरण सेटअप करने, भुगतान प्रमाणित करने और डिजिटल लेनदेन करने के तरीके को बदलने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। नए उपकरण सेटअप के तहत सहज यूपीआई ऑनबोर्डिंग, पिन-फ्री बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, और उन्नत टैप एंड पे सपोर्ट - जिसमें फॉरेक्स कार्ड और ऑनलाइन कार्ड भुगतान शामिल हैं, इन सभी बदलावों के साथ, सैमसंग वॉलेट तेजी से इस दिशा में बढ़ रहा है कि वह आपके डिजिटल जीवन का सबसे सुरक्षित और जरूरी गेटवे बन जाए। मधुर चतुर्वेदी, सीनियर डायरेक्टर, सर्विसेज एंड ऐप्स बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा "हम सैमसंग वॉलेट में इन महत्वपूर्ण नवाचारों को पेश करने के लिए उत्साहित हैं। नए अपडेट्स के साथ, सैमसंग वॉलेट अब केवल एक डिजिटल वॉलेट नहीं है, यह डिजिटल भुगतान, यात्रा आवश्यकताओं, पहचान पत्रों और डिजिटल कीज़ के लिए सार्वभौमिक और सुरक्षित गेटवे बन गया है। नए गैलेक्सी उपकरण सेटअप करने से लेकर भुगतान, लेनदेन और यात्रा करने के तरीके तक, हम बाधाओं को हटा रहे हैं और सुविधा को फिर से परिभाषित कर रहे हैं।' तेजी से अपनाने को बढ़ावा देनाः सैमसंग पहला मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) है जो गैलेक्सी स्मार्टफोन्स पर नए-उपकरण सेटअप अनुभव के हिस्से तहत सैमसंग वॉलेट के माध्यम से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) खातों का ऑनबोर्डिंग सक्षम करने वाला है।

यूपीआई के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण - हर बार पिन की आवश्यकता नहीं

सैमसंग वॉलेट के प्रमाणीकरण अनुभव को बायोमेट्रिक सत्यापन - डिवाइस फिंगरप्रिंट और चेहरे की पहचान - के परिचय के साथ उन्नत किया गया है, पिन डालने की जरूरत खत्म हो गई है। उपयोगकर्ता जल्द ही एप्लिकेशन तक पहुंच सकेंगे और गैलेक्सी उपकरण के फिंगरप्रिंट या चेहरे की पहचान का उपयोग करके यूपीआई भुगतान कर सकेंगे। यह अपग्रेड न केवल पहुंच को सुव्यवस्थित करता है बल्कि सुरक्षा और सुविधा को भी बढ़ाता है, मैनुअल इनपुट को कम करता है और भुगतान प्रवाह के दौरान व्यवधान कम करता है। इस अतिरिक्त प्रमाणीकरण विधि के साथ, सैमसंग वॉलेट सुरक्षित भुगतानों को आपके फोन को अनलॉक करने जितना सरल बनाता है।

गुरु नानक का प्रकाश पर्व: हर युग के अंधकार को मिटाने वाला संदेश

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है, जिसे 'प्रकाश पर्व' भी कहा जाता है और इस बार 5 नवम्बर को गुरु नानक का 556वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। हालांकि अब तक इसका कारण ज्ञात नहीं है कि गुरु नानक जयंती किसी एक निर्धारित तिथि को न मनाकर कार्तिक मास की पूर्णिमा को ही क्यों मनाई जाती है?

सिख धर्म के आदि संस्थापक और सिखों के पहले गुरु हैं गुरु नानक देव, जो केवल सिखों में ही नहीं वरन् अन्य धर्मों में भी उतने ही सम्माननीय हैं। उनका जन्म तलवंडी (जो भारत-पाक बंटवारे के समय पाकिस्तान में चला गया) में सन् 1469 में हुआ था। प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है, जिसे 'प्रकाश पर्व' भी कहा जाता है और इस बार 5 नवम्बर को गुरु नानक का 556वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। हालांकि अब तक इसका कारण ज्ञात नहीं है कि गुरु नानक जयंती किसी एक निर्धारित तिथि को न मनाकर कार्तिक मास की पूर्णिमा को ही क्यों मनाई जाती है? नानक जब केवल पांच साल के थे, तभी धार्मिक और आध्यात्मिक वार्ताओं में गहन रूचि लेने लगे थे। अपने साथियों के साथ बैठकर वे परमात्मा का कीर्तन करते और अकेले में घंटों कीर्तन में मग्न रहते। दिखावे से कोसों दूर वे यथार्थ में जीते थे। जिस कार्य में उन्हें दिखावे अथवा प्रदर्शन का अहसास होता, उसकी वास्तविकता जानकर वे विभिन्न सारगर्भित तर्कों द्वारा उसका खंडन करने की कोशिश करते।

नानक जब 9 वर्ष के हुए तो उनके पिता कालूचंद खत्री, जो पटवारी थे और खेती-बाड़ी का कार्य भी करते थे, ने उनका यज्ञोपवीत संस्कार कराने के लिए पुरोहित को बुलाया। पुरोहित ने यज्ञोपवीत पहनाने के लिए नानक के गले की ओर हाथ बढ़ाया तो नानक ने उनका हाथ पकड़कर पूछा कि आप यह क्या कर रहे हैं और इससे क्या लाभ होगा? पुरोहित ने कहा कि बेटे, यह जनेऊ है, जिसे पहनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और इसे पहने बिना मनुष्य शूद्र की श्रेणी में रहता है। तब नानक ने उनसे पूछा कि पुरोहित जी, सूत का बना यह जनेऊ मनुष्य को भला मोक्ष कैसे दिला सकता है क्योंकि मनुष्य का अंत होने पर जनेऊ तो उसके साथ परलोक में नहीं जाता। नानक के इन शब्दों से सभी व्यक्ति बहुत प्रभावित हुए और आखिरकार पुरोहित को कहना पड़ा कि बेटा, तुम सत्य कह रहे हो, वास्तव में हम अंधविश्वासों में डूबे हैं।

गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ किन्तु धार्मिक प्रकृति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की खोज में निकल पड़े। पाखंडों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बाह्य आडम्बरों एवं पाखंडों से दूर रखना ही था। वे सदैव छोटे-बड़े का भेद मिटाने के लिए प्रयासरत रहे और उन्होंने निम्न कुल के समझे जाने वाले लोगों को सदैव उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया।

गुरु नानक को एक बार भागो मलिक नामक एक अमीर ने भोजन के लिए अपने घर आमंत्रित किया लेकिन नानक जानते थे कि वह गरीबों पर बहुत अत्याचार करता है, इसलिए उन्होंने भागो का निमंत्रण स्वीकार नहीं किया और एक मजदूर के निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया। भागो ने इसे अपना अपमान मानते हुए गुरु नानक को खूब खरी-खोटी सुनाई तथा अपमानजनक शब्द कहे लेकिन नानक ने सरल शब्दों में उसे कहा कि तेरी कमाई पाप की कमाई है जबकि इस मजदूर की कमाई मेहनत की कमाई है। भागो यह सुनते ही भड़क उठा और गुस्से में फुफकारते हुए कहने लगा कि तुम अव्वल दर्जे के पाखंडी और नीच कुल के हो, तभी तो नीच कुल वालों का ही निमंत्रण स्वीकार करते हो। इस पर गुरु नानक ने जवाब दिया कि मैं वह भोजन कदापि ग्रहण नहीं कर सकता, जो गरीबों का खून चूसकर तैयार किया गया हो।

भागो ने गुस्से से उबलते हुए सवाल किया कि मेरे स्वादिष्ट व्यंजनों से तुम्हें खून निकलता दिखाई देता है और उस मजदूर की बासी रोटियों से ...? 'दूध। और अगर तुम्हें विश्वास न हो तो स्वयं आजमाकर देख लो।' नानक ने कहा। घमंड व क्रोध से सराबोर भागो ने अपने घर से स्वादिष्ट व्यंजन मंगवाए और नानक ने उस मजदूर के घर से बासी रोटी। तब नानक ने एक हाथ में भागो के स्वादिष्ट व्यंजन लिए और दूसरे में मजदूर के घर की बासी रोटी और दोनों हाथों को एक साथ दबाया। जब वहां उपस्थित लोगों ने देखा कि मजदूर की बासी रोटी से दूध की धार निकल रही है जबकि भागो के स्वादिष्ट व्यंजनों से खून की धार तो उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। यह देख भागो का अहंकार चूर-चूर हो गया और वह गुरु नानक के चरणों में गिरकर क्षमा याचना करने लगा।

गुरु नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उलट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं?

लोगों ने कहा कि वे अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे हैं ताकि उनकी प्यासी आत्मा को तृप्ति मिल सके। इस पर नानक ने पूछा कि तुम्हारे पूर्वज हैं कहां? लोगों ने जवाब दिया कि वे परलोक में हैं लेकिन तुम पश्चिम दिशा में किसे पानी दे रहे हो? गुरु नानक बोले कि यहां से थोड़ी दूर मेरे खेत हैं। मैं यहां से अपने उन्हीं खेतों में पानी दे रहा हूं। लोग आश्चर्यचकित होकर पूछने लगे, 'खेतों में पानी! पानी खेतों में कहां जा रहा है? यह तो वापस गंगा में ही जा रहा है और यहां पानी देने से आपके खेतों में पानी जा भी कैसे सकता है?'

गुरु नानक ने उनसे पूछा कि यदि पानी नजदीक में ही मेरे खेतों तक नहीं पहुंच सकता तो इस प्रकार आप द्वारा दिया जा रहा जल इतनी दूर आपके पूर्वजों तक कैसे पहुंच सकता है? लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और वे गुरु जी के चरणों में गिरकर प्रार्थना करने लगे कि उन्हें सही मार्ग दिखलाएं ताकि जिससे उन्हें परमात्मा की प्राप्ति हो सके।

गुरु नानक सदैव मानवता के लिए जीए और जीवनपर्यन्त शोषितों व पीड़ितों के लिए संघर्षरत रहे। उनकी वाणी को लोगों ने परमात्मा की वाणी माना और इसीलिए उनकी यही वाणी उनके उपदेश एवं शिक्षाएं बन गई। ये उपदेश किसी व्यक्ति विशेष, समाज, सम्प्रदाय अथवा राष्ट्र के लिए ही नहीं बल्कि चराचर जगत एवं समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

विश्व विजेता बेटियां

रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वो इतिहास रचा, जिसका दो दशक से इंतजार था। एक दिवसीय क्रिकेट का वर्ल्ड कप जीतकर उन्होंने उस कमी को पूरा किया, जो साल 2005 और 2017 में फाइनल में पहुंचकर भी हासिल न हो सकी थी। ऐसे वक्त में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम को खिताबी दौड़ में कमजोर माना जा रहा था, उसने सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया टीम को सेमीफाइनल के एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। मुकाबले में मुंबई की जेमिमा रोड्रिग्स ने 127 रन की तूफानी यादगार पारी खेली। लगता था शुरूआत में कई मैच हारने वाली भारतीय महिला टीम ने अपनी ऊर्जा फाइनल मुकाबले के लिये बचा रखी थी, जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टीम को 52 रन से हरा दिया। रविवार की रात हरमनप्रीत कौर की कप्तानी ने पासा ही पलट दिया। फिर उनकी टीम ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में चालीस हजार से ज्यादा दर्शकों के बीच जीत का जश्न जमकर मनाया। इस जुनूनी जश्न की वे हकदार भी थीं। साथ ही देश के एक अरब चालीस करोड़ लोगों को भी जीत के जश्न में डुबो दिया। लोग इस साल होने वाले कई दुखांत घटनाक्रमों को भुला इस जीत की लय में झूम उठे। यह सुखद आश्चर्य ही था कि टीम ने लगातार तीन हार झेलने के बाद टूर्नामेंट में दमदार वापसी की। सेमीफाइनल में लोग सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम को कमतर आंक रहे थे। सुखद आश्चर्य देखिये कि फाइनल मुकाबले में हरियाणा की उस शैफाली वर्मा ने करिश्माई पारी खेली, जो विश्व कप के शुरू होने से पहले टीम का हिस्सा भी नहीं थी। उसने अपने चयन को तार्किक साबित किया। इसी तरह दीप्ति शर्मा ने भी शानदार खेल का परिचय दिया। निश्चय ही महिला क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत देश की उन लाखों बेटियों के सपनों को नयी ऊंचाइयां देगी, जो अपना आसमान हासिल करना चाहती हैं। निस्संदेह, विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस खेल में टीम दीर्घकालिक वर्चस्व कायम रख सकती है। दरअसल, अब तक महिला क्रिकेट को दोयम दर्जे का माना जाता रहा है। दरअसल, जब से महिला खिलाड़ियों को पुरुष खिलाड़ियों के समान वेतन मिलने लगा और उन्हें आईपीएल-शैली की टी-20 लीग में दमखम दिखाने का मौका मिला, टीम के प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। धीरे-धीरे वे पुरुष क्रिकेट के सितारों की तरह आभा बिखेरने लगी। हालांकि, आगे की राह इतनी भी आसान नहीं है, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल उनके पास इस कामयाबी का जश्न मनाने का मौका है। उल्लेखनीय है कि टीम में कई ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने तमाम आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी। वे तपती पगडंडियों से गुजरने वाली बेटियों के लिये प्रेरणास्रोत हैं। इन खिलाड़ियों ने मैदान से पहले निजी जीवन में बड़ा संघर्ष किया। बेहद जटिल पृष्ठभूमि से आने के बावजूद वे विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनी हैं। उनके साथ अभ्यास मैच खेलने के लिये लड़कियां नहीं होती थी, अतः वे शुरूआती क्रिकेट लड़कों की टीम के साथ खेलती थीं। उनके माता-पिता को समाज की छींटाकशी का भी शिकार होना पड़ता था।

चिंतन-मनन

जीवन का संघर्ष

एक दिन एक व्यक्ति बहुत परेशान लग रहा था। मित्र ने पूछा- क्या बात है? आज इतने परेशान क्यों हो?

उसने कहा- मैं बहुत मुसीबत में फंस गया हूं।

मित्र बोला- तुम्हारी क्या मुसीबत हो सकती है? तुम्हारे दोनों लड़के संपन्न हैं। खूब धन कमा रहे हैं। तुम्हें किस बात की कमी है?

तुम ठीक कहते हो। लड़के संपन्न हैं, पर मेरी मुसीबत उनके कारण ही है। ?या क्या हुआ, जो मुसीबत आ गई? मुसीबत बहुत बड़ी है। मैंने लड़कों को पढ़ाया। एक डॉक्टर बन गया और एक वकील। उनका यह व्यवसाय ही मुसीबत का कारण है।

उनके व्यवसाय से आपकी मुसीबत का लेना-देना क्या है?

हुआ यह कि एक एक्सीडेंट में मेरे पैर में चोट लग गई, पैर में घाव हो गया। जो डॉक्टर है, वह कह रहा है, पिताजी! घाव को जल्दी ठीक कर लें अन्यथा इसमें रस्सी पड़ जाएगी। हो सकता है फिर पैर काटने के सिवाय कोई विकल्प न रहे। यह तो अच्छी बात है। इसमें मुसीबत का प्रश्न ही कहां है? लेकिन जो वकील है, वह कह रहा है पिताजी! अभी घाव को ठीक नहीं करना है। इसे बढ़ने दें। जब घाव गहरा हो जाएगा, तब मैं दावा करूंगा और पूरा हर्जाना वसूल करूंगा। यही मेरी मुसीबत है। यह जीवन का संघर्ष है, टकराहट है। व्यक्ति दोनों ओर से खिंचा जा रहा है। एक लड़का कहता ठीक कर लें और एक लड़का कह रहा - घाव को और गहरा होने दें। यह जीवन का विचित्र संघर्ष है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति जी रहा है और संघर्षों को झेल रहा है।

गढ़मुकतेश्वर जहां गंगा में दीपदान से मिल जाता है मृतकों को मोक्ष!

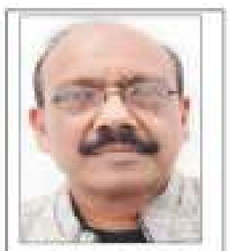

मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गढ़ मुक्तेश्वर वह पौराणिक तीर्थ है जहां शिव के गण जय विजय को मुक्ति मिली थी यहां कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाला मेला महाभारत कालीन अतीत से जुड़ा है।भारत की सनातन संस्कृति के लिए यह मेला और यहां का पवित्र गंगा स्नान देश और दुनिया के पर्यटन के लिए भी महत्वपूर्ण स्थान बन है।इस मौके पर दिवंगत मृतकों की स्मृति में दीपदान करने से उनकी आत्मा को शान्ति मिल जाती है ऐसी मान्यता है। लाखों लोग यहां अपने परिजनों की स्मृति में दीपदान करते हैं।

आज इस मेले का स्वरूप मिनीकुम्भ बन चुका है दस किलोमीटर क्षेत्रफल से अधिक में फैला यह मेला देश दुनिया के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। कार्तिक गंगा मेला केवल स्नान करने तक ही सीमित नहीं है। कार्तिक पूर्णिमा मेला एकता, भाईचारे, सांस्कृतिक विरासत और एकता का प्रतीक है। यहां से देश के विकास को नई दिशा मिलती है। प्रदेश के मानचित्र पर आने के बाद मेला विभिन्न क्षेत्रों में अपनी साख बढ़ा रहा है। अब मेले से प्रदेश को विकास और स्वदेशी का मूल-मंत्र मिल रहा है। दिल्ली से 100 किमी दूर और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 24 से लगे, गंगा के निचले तट पर स्थित गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाला यह मेला यहां अनादिकाल से आ रहा है। जबकि, महाभारत युद्ध के बाद इस स्थान का महत्व और भी अधिक बढ़ गया। मेले का अतीत पांडवों और भगवान श्रीकृष्ण से भी जुड़ा है बताया जाता है कि महाभारत युद्ध के बाद गढ़ मुक्तेश्वर के गंगा तट पर भगवान श्रीकृष्ण के निर्देश पर सम्राट युधिष्ठिर ने कौरवों और पांडवों की सेना के विशाल वीर योद्धाओं और सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए उनका तर्पण किया था। एक ओर पौराणिक साक्ष्य और तथ्य गढ़ मुक्तेश्वर के ऐतिहासिक सांस्कृतिक अध्यात्मिक महत्व को बयान करते हैं, वहीं आज के इतिहासकार और विद्वान भी मानते हैं कि यह स्थान द्वापर युग में भी सबसे पहले प्रसिद्ध हुआ था। क्योंकि शिवपुराण के अनुसार इस गढ़मुक्तेश्वर का प्राचीन नाम शिववल्लभ हुआ, अर्थात जो भगवान शिव का ही एक प्रिय नाम है।पुराणों में गढ़ मुक्तेश्वर की महिमा काशी के समान बताया गया है, क्योंकि गढ़ मुक्तेश्वर में ही भगवान शिव ने अपनी जय और विजय नाम के गणों को महर्षि दुर्वासा के द्वारा पिशाच योनि के श्राप से मुक्ति दिलाई थी। जिसके बाद इस स्थान का नाम गणमुक्तेश्वर यानि कि गणों की मुक्ति करने वाले भगवान शिव के नाम से पड़ा था। गणमुक्तेश्वर का वह प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर आज भी उस पौराणिक घटना का साक्षी है।

त्रेता युग में भी गढ़मुक्तेश्वर की महिमा का वर्णन है शिव पुराण के अनुसार इसी गढ़ मुक्तेश्वर के क्षेत्र में गंगा नदी के किनारे ही एक घना वन था, जिसे खाण्डव वन के नाम से जाना जाता था। इसी खांडवी वन में भगवान परशुराम ने ही शिवलिंग की स्थापना की थी। त्रेता युग का यही खांडववन, द्वापर युग में यानि महाभारत के काल में खांडव वन के नाम से अस्तित्व में आया और यही खांडव वन बाद में खांडवप्रस्थ कहलाया और उसके बाद इंद्रप्रस्थ बना। यही खाण्डव वन हस्तिनापुर राज्य के अधीन था इसलिए पांडवों ने खांडव वन में अपना नया राज्य स्थापित किया था।सम्राट युधिष्ठिर के निर्णय के बाद भगवान परशुराम द्वारा स्थापित शिववल्लभपुर यानी गढ़ मुक्तेश्वर के मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में पूजा और यज्ञ आदि करके मृतकों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया गया था।

सम्राट युधिष्ठिर ने जो निर्णय लिया उसके बाद जो तीर्थयात्रा निकली वह कार्तिक शुक्ल अष्टमी का ही दिन था। इसी दिन गौ पूजन करके गढ़ मुक्तेश्वर के गंगा तट पर गंगा मैदान में सम्राट युधिष्ठिर द्वारा धार्मिक संस्कार करके पिंडदान किया गया। वह देवोत्थान एकादशी थी।

महाभारत युद्ध में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए यहां एकादशी से चतुर्दशी यज्ञ किया था, और इसके अगले दिन अर्थात पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करके कथा का आयोजन किया गया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि इस साल ऐतिहासिक गढ़मुक्तेश्वर मेले को मिनी-कुंभ के रूप में आयोजित किया जाएगा। यह मेला उत्तर प्रदेश की गहरी आस्था, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत का जीता-जागता प्रतीक है। यह मेला 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलेगा।

गंगा की कल कल करती पावन लहरों के किनारे दस किलोमीटर के क्षेत्रफल में बसा तंबुओं का अस्थायी नगर और गंगा में दीपदान से तैरते जलते दीपक एक ऐसी मनोहारी छटा दर्शाते हैं जिस को एक बार देख कर ही हृदय आस्था और पवित्रता से आह्लादित हो जाता है। राज्य सरकार का लक्ष्य इसे पूरी श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता के साथ आयोजित करना है, ताकि हर श्रद्धालु शांति और दिव्य आशीर्वाद लेकर लौटे। इस मेले में करीब 50 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। रविवार को मुख्यमंत्री ने हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर में होने वाले वार्षिक कार्तिक पूर्णिमा मेले और अमरोहा के तिगरी मेले की तैयारियों की समीक्षा की। मेले की जगहों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद, उन्होंने एक समीक्षा बैठक की और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा के किनारे करीब 40 से 45 लाख श्रद्धालु पवित्र स्नान करने और दीपदान करने आते हैं। मेले का मुख्य स्नान 5नवंबर को है। इस दिन तीस से पचास लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर कीमत पर मेला किसी अप्रिय घटना से रहित संपन्न कराने की जिम्मेदारी प्रशासन पर सौंपी है। योगी स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

धर्म-स्थलों के हादसें-आखिर कब जागेगा तंत्र?

ललित गर्ग

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मची भगदड़ में हुई दर्दनाक मौतों ने एक बार फिर हमारे प्रशासनिक ढांचे, सरकारों की संवेदनशीलता और तंत्र की जवाबदेही पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। हर बार ऐसी त्रासदी होती है, कुछ जानें जाती हैं, कुछ परिवार उजड़ते हैं, कुछ आंसू बहते हैं- फिर वही रटंत बयान, 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'दोषियों पर कार्रवाई होगी', 'पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा' और फिर सब कुछ धूल में मिल जाता है। सवाल यह है कि आखिर हम कब तक इस लापरवाही, इस प्रशासनिक नींद, इस जानलेवा कोताही और इस संवेदनहीन व्यवस्था का शिकार बने रहेंगे? किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, एक बार फिर भीड़ प्रबंधन की नाकामी श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। इस घटना के बाद जिस तरह से बयान दिए जा रहे हैं, वह पीड़ितों के जले पर नमक छिड़कने जैसा है।

धार्मिक स्थल आस्था के केंद्र होते हैं, ऊर्जा के केन्द्र होते हैं, जहां लोग शांति और श्रद्धा पाने आते हैं, लेकिन यह कैसी विडंबना है कि इन पवित्र स्थलों पर भी लोगों को असमय मृत्यु का सामना करना पड़ता है। श्रीकाकुलम में जो कुछ हुआ, वह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक प्रणालीगत विफलता है। भीड़ प्रबंधन के नाम पर प्रशासन हर बार हाथ खड़े कर देता है। न पर्याप्त बैरिकेडिंग, न एंट्री-एग्जिट का संतुलन, न भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिसबल या वॉलंटियर, न मेडिकल सहायता का इंतजाम। मन्दिरों, त्योहारों और विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बावजूद तैयारी का नामोनिशान नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी का यह मंदिर कुछ महीने पहले ही खोला गया था और राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि जिले के अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। हालांकि इससे यह जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती कि एक धार्मिक स्थल पर क्षमता से कई गुना ज्यादा लोग जुटते चले गए और फिर भी स्थानीय पुलिस-प्रशासन को भनक कैसे नहीं लगी।

सरकार और मंदिर प्रबंधन की बातों से लग रहा है कि दोनों पक्ष घटना से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मंदिर का निर्माण ओडिशा के जिस शख्स हरि मुकुंद पांडा ने कराया है, उनका कहना है कि सीढ़ियों की रेलिंग टूटने से हादसा हुआ। लेकिन, यही वजह तो काफी नहीं। भगदड़ मचने के बाद श्रद्धालुओं को बाहर जाने का रास्ता नहीं मिल पाया, यह व्यवस्थापकों की लापरवाही का नतीजा है। मंदिर में आने-जाने का एक ही रास्ता था और जब भीड़ अनुमान से अधिक बढ़ती चली गई, तब भी पुलिस-प्रशासन को सूचित नहीं किया गया। इस पर पांडा का कहना कि इस घटना के लिए कोई जिम्मेदार नहीं, यह एक्ट ऑफ गॉड है- इक्कीसवीं सदी के वैज्ञानिक युग में इस तरह की सोच बेहद शर्मनाक है। यह उन लोगों की पीड़ा का मजाक उड़ाने जैसा है, जिन्होंने अपनों को खोया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। श्रीकाकुलम के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं।

यह कोई पहली घटना नहीं है। अतीत में प्रयागराज कुंभ, अयोध्या, हरिद्वार में प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर, सबरीमला, वैष्णो देवी, पुल्लेकरम, देवरी मंदिर जैसे अनेक स्थलों पर भी ऐसी भगदड़ें हो चुकी हैं। चिंता की बात यह है कि पिछले हादसों से कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है। केवल आंध्र में ही इस साल यह तीसरी बड़ी दुर्घटना है। जनवरी में तिरुपति और अप्रैल में विशाखापत्तनम के सिम्हाचलम में भगदड़ से कई मौतें हुई थीं। पूरे देश में इस साल अभी तक भगदड़ की विभिन्न घटनाओं में 114 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हर बार सरकारें 'सीख लेने' की बात करती हैं, लेकिन हकीकत यह है कि सीखने की क्षमता हमारे तंत्र से जैसे गायब हो चुकी है। धार्मिक आयोजनों की भीड़ का अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होता। आज तकनीक का युग है सीसीटीवी, ड्रोन, डिजिटल टिकटिंग, भीड़-सेंसरिंग सिस्टम जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। परंतु इनका उपयोग नहीं किया जाता क्योंकि धर्म और आस्था के नाम पर 'प्रबंधन' को हमेशा भाग्य पर छोड़ दिया जाता है। जब तक कोई हादसा न हो, तब तक कोई अधिकारी मंदिर परिसर में झांकने तक नहीं आता। और जब हादसा हो जाता है, तब 'प्रेस कॉन्फ्रेंस' और 'मुआवजा' की राजनीति शुरू हो जाती है। यह भी एक सामाजिक प्रश्न है कि क्या हमारी आस्था इतनी अंधी हो चुकी है कि हम सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर देते हैं? क्या धार्मिक आयोजनों में अनुशासन और व्यवस्था का पालन करना हमारी श्रद्धा को कम कर देगा? श्रद्धा के नाम पर अराजकता, प्रशासनिक ढिलाई और अव्यवस्था का यह घातक संगम अब रुकना चाहिए। सरकारों को चाहिए कि वे भीड़ प्रबंधन को एक राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बनाएं। हर बड़े धार्मिक स्थल पर स्थायी भीड़ नियंत्रण तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें प्रवेश और निकास मार्ग स्पष्ट हों, आपातकालीन निकास गेट हों, प्रशिक्षित स्वयंसेवक हों, मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की व्यवस्था हो। स्थानीय प्रशासन को नियमित तौर पर सुरक्षा मॉक ड्रिल करनी चाहिए।

आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों हैं? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। आज जरूरत है केवल मुआवजे और जांच की नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने की। कौन अधिकारी लापरवाह था, किस विभाग ने सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की, और क्यों भीड़ को अनियंत्रित छोड़ा गया- इन प्रश्नों का उत्तर दिए बिना जांच बेईमानी है। श्रीकाकुलम की यह त्रासदी एक और चेतावनी है। अगर अब भी सरकारें नहीं जागीं, तो आने वाले दिनों में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी, क्योंकि धार्मिक आस्था बढ़ रही है, पर प्रबंधन की मानसिकता वही पुरानी बनी हुई है। भीड़ केवल संख्या नहीं होती, वह जीवन है, वह परिवार है, वह उम्मीद है और जब वह कुचल जाती है, तो वह केवल एक हादसा नहीं, शासन की असफलता एवं सरकारी कोताही की द्योतक है। तमिलनाडु के करूर में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलपति विजय की रैली में हुआ हादसा हो या फिर श्रीकाकुलम की घटना - कुछ गलतियां बार-बार दोहराई जा रही हैं। हादसों के बाद सबक लेने के बजाय जिम्मेदार लोग और संस्थाएं बचने का रास्ता तलाशने लगते हैं। सरकारों को समझना होगा कि भीड़ प्रबंधन भारत जैसे देश की जरूरत है। मुआवजे की घोषणा करके मामले को हल्का किया जा सकता है, लेकिन जवाबदेही तय हो और लापरवाही पर सजा मिले। क्या यह पुकार अब भी सत्ता के कानों तक नहीं पहुंचेगी?

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

'द ताज स्टोरी' की कंट्रोवर्सी पर परेश रावल ने तोड़ी चुप्पी

परेश रावल का कहना है कि फिल्म 'द ताज स्टोरी' में कोई झूठ नहीं है। उनका दावा है कि यह फिल्म विश्व प्रसिद्ध स्मारक यानी ताजमहल के बारे में तथ्य ही पेश करती है। इससे आगे चलकर पर्यटन को ही बढ़ावा मिलेगा।

परेश रावल को फिल्म की रिसर्च अच्छी लगी

बातचीत में परेश रावल ने कहा, 'हमारे सिनेमा में बहुत सारा छल-कपट और झूठ है। लेकिन हमारी फिल्म में कोई झूठ नहीं है, सिर्फ तथ्य हैं। जब मेरे पास फिल्म की स्क्रिप्ट आई, तो मैंने उसे पढ़ा और मुझे यह पसंद आई। मुझे फिल्म की रिसर्च अच्छी लगी। मैंने कुछ दोस्तों के साथ तथ्यों की पुष्टि की और पाया कि यह सही थे। इसके बाद मैं निर्देशक से मिला। हमने तय किया कि फिल्म में कोई कट्टर राष्ट्रवाद नहीं होगा, यह फिल्म सिर्फ ताज के बारे में होगी।'

विवाद खड़ा करना नहीं चाहते हैं

परेश रावल आगे कहते हैं, 'लोग कह रहे हैं कि हम हिंदू-मुस्लिम विवाद खड़ा करना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। हम हमेशा से इससे दूर रहे हैं। हम एक शोध वाली मजेदार फिल्म बनाना चाहते थे जो हमारे यहां बनती नहीं हैं।' इस फिल्म को तुषार अमरीश गोयल ने डायरेक्ट किया है।

क्या है 'द ताज स्टोरी' के मेकर्स का दावा

मेकर्स का दावा है यह फिल्म भारतीय इतिहास के एक ऐसे अध्याय को पेश करती है जिसे पहले कभी किसी ने सामने लाने की हिम्मत नहीं की। इस महीने की शुरुआत में, फिल्म का पहला पोस्टर तब विवादों में घिर गया था जब इसमें परेश रावल के किरदार को ताजमहल का गुंबद हटाते और उसमें से भगवान शिव की एक मूर्ति निकलते हुए दिखाया गया था। पोस्टर के पीछे का विचार यह है कि यह ताजमहल नहीं है। कुछ लोग इसे तेजो महालय कहते हैं।

वर्क लाइफ बैलेंस पर रश्मिका मंदाना ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'थामा' और आगामी फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' को लेकर चर्चाओं में हैं। वहीं रश्मिका और विजय देवरकोंडा की सगाई की खबरें भी लगातार फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अब इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर चल रही बहस के बीच रश्मिका ने काम और जिंदगी में संतुलन को लेकर बात की है। इससे पहले 'द गर्लफ्रेंड' के निर्माता एसकेएन ने रश्मिका की तारीफ करते हुए कहा था कि वो काम को घंटों की तरह नहीं लेती हैं। अब रश्मिका ने भी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन को लेकर बात की और ज्यादा काम न करने के महत्व को समझाया है।

वही करो जो तुम्हारे लिए आरामदायक हो

कुछ समय पहले रश्मिका मंदाना ने बताया था कि उन्हें पूरे 8 घंटे की नींद लिए हुए कई महीने हो गए हैं। इसी बात का जिक्र करते हुए जब प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन के बारे में पूछा गया तो रश्मिका ने गल्ट से कहा, 'मुझे लगता है कि इस बात का महिमामंडन करना कि हम जरूरत से ज्यादा काम करते हैं, ठीक नहीं है। मैं जरूरत से ज्यादा काम करती हूं और मैं आपको बता रही हूं यह बिल्कुल भी सुझाव देने योग्य नहीं है। ऐसा मत करो। यह टिकाऊ नहीं है। वही करो जो तुम्हारे लिए आरामदायक हो, वही करो जो तुम्हारे लिए सही हो। वो 8 घंटे काम करो, वो 9-10 घंटे भी काम करो क्योंकि यकीन मानो, ये तुम्हें आगे चलकर बचाएगा। जैसे मैंने हाल ही में ऐसी कई बातचीत देखी हैं जहां लोग कहते हैं, ठीक है, काम का समय पता है वगैरह। मैंने दोनों ही किया है। यह इसके लायक नहीं है।'

मैं जरूरत से ज्यादा काम करती हूं

अभिनेत्री ने आगे कहा कि जैसा जाहिर है कि यह एक जिम्मेदारी है जो तुम पर है। मैं खुद पर जरूरत से ज्यादा काम कर लेती हूं क्योंकि मैं एक सामान्य इंसान से कहीं ज्यादा काम ले लेती हूं। लेकिन मैं ऐसी भी नहीं हूं जो अपनी टीमों से कहूं कि मैं उनके लिए कुछ नहीं कर सकती। अगर मुझे पता है कि वे संघर्ष कर रहे हैं और वे कहते हैं, नहीं, मेरे पास अभी तक केवल यही लोकेशन है और हमें इस समय में बहुत कुछ शूट करना है।' तब मैं यह समझती हूं और मान जाऊंगी और वैसा करूंगी।

हमें भी 9 से 5 की जॉब की तरह काम करने दें

बातचीत के दौरान रश्मिका ने कहा कि सिनेमा में यह बहुत पहले से होता आया है। यही कारण है कि हमें अपनी टीमों से प्यार है। लेकिन अगर मुझे खुद चुनना होता, तो मैं कहती कि कृपया हम अभिनेताओं को ऐसा करने पर मजबूर न करें, क्योंकि बहुत कुछ चल रहा है। सिर्फ अभिनेता ही नहीं बल्कि निर्देशक, लाइटमैन, संगीतकार, सभी। जैसा आप जानते हैं कि ऑफिस का समय 9 से 6 या 9 से 5 या 9 से 4 होता है, हमें ऐसा करने दें। क्योंकि अभी भी एक पारिवारिक जीवन है जिस पर मैं ध्यान देना चाहती हूं, अभी भी मेरी नींद बाकी है जो मैं पूरी करना चाहती हूं। मैं अभी भी वर्कआउट करना चाहती हूं, इसलिए, आप जानते हैं, बाद में मुझे इस बात का पछतावा नहीं होगा कि काश मैं छोटी उम्र में स्वस्थ और फिट होती और वर्कआउट करती। मैं अभी भी अपने भविष्य के बारे में सोच रही हूं। लेकिन अभी मेरे पास कहने का अधिकार नहीं है क्योंकि मैं खुद पर बहुत ज्यादा जिम्मेदारी ले रही हूं।

तलाक की अफवाहों पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

माही विज और जय भानुशाली अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कथित तौर पर दोनों का रिश्ता टूट गया है और कपल का तलाक होने वाला है। यह खबर सामने आने के बाद जय और माही के फैंस आहत हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर दोनों के तलाक को लेकर तरह-तरह के दावे करते हुए पोस्ट वायरल हो रहे हैं। एक पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए माही विज ने गुस्सा जाहिर किया है। जय भानुशाली के साथ तलाक की अफवाहों पर माही विज ने चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया गया। इसमें माही विज के हवाले से एक कमेंट लिखा गया, जिसमें कहा गया है, आधिकारिक रूप से पांच मिनट पहले मेरा तलाक हुआ है। मुझे पता है कि कुछ लोग इस पर बधाई देंगे, लेकिन मेरे लिए ऐसे परिदृश्य मायने नहीं रखते। तलाक होना हमेशा दुखद ही होगा। इस पोस्ट पर माही विज ने गुस्सा जाहिर करते हुए हिदायत दी है। माही विज ने कमेंट लिखा है, झूठी बातें पोस्ट मत करिए। मैं इसके खिलाफ लीगल एक्शन लूंगी। अभिनेत्री ने शायद तलाक को लेकर उनकी तरफ से की गई कथित टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। फिलहाल माही के इस कमेंट से उनके फैंस ने राहत की सांस ली है कि शायद तलाक की बात झूठी हो। हालांकि, माही के कमेंट में यह जिक्र नहीं है कि तलाक होगा या नहीं, उन्होंने गलत नैरेटिव फैलाने को लेकर एतराज जताया है।

क्या मुंज्या 2 में लापता लेडीज फेम प्रतिभा रांटा की एंट्री?

साल 2024 की सरप्राइज हिट मुंज्या ने छोटे बजट और नए चेहरों के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर बड़ा कमाल दिखाया था। अभय वर्मा और शारवरी वाघ स्टारर इस हॉरर-कॉमेडी ने 100 करोड़ क्लब में जगह बनाकर मैडॉक फिल्म्स यूनिवर्स को नई ऊंचाई दी। अब इसका सीक्वल महा मुंज्या डेवलपमेंट स्टेज में है। हाल ही में खबरें आई थीं कि लापता लेडीज फेम प्रतिभा रांटा फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं। हालांकि, मुंज्या के डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार ने इस खबर को सिरे से खारिज किया।

महा मुंज्या में उनका नाम सिर्फ अफवाह है आदित्य ने कहा, न प्रतिभा ने कुछ कहा है, न उनकी टीम ने और न हमने। इसमें कोई सच्चाई नहीं है, ये बस एक फैन थ्योरी है। शायद लोगों को लगा कि वो इस यूनिवर्स का हिस्सा हैं क्योंकि उन्होंने लापता लेडीज में शानदार काम किया है। मुझे भी जब ये खबर सुनी तो थोड़ा हंसी आई कि ये आया कहां से?

आदित्य ने आगे बात करते हुए कहा, प्रतिभा बहुत टैलेंटेड और शानदार एक्ट्रेस हैं। मैं खुद मानता हूं कि वो इस तरह की फिल्मों में बिल्कुल फिट बैठेंगी। अगर आगे चलकर ऐसा कुछ होता है तो क्यों नहीं? लेकिन फिलहाल ऐसा कुछ नहीं है। न कोई ऑफिशियल बातचीत हुई है, न कोई कन्फर्मेशन आया है। ये सिर्फ सोशल मीडिया की हवा है।

अभय वर्मा और शारवरी वाघ की होगी वापसी

जब आदित्य सरपोतदार से पूछा गया कि क्या सीक्वल में मुंज्या के लीड कलाकार अभय वर्मा और शारवरी वाघ फिर नजर आएंगे तो उन्होंने तुरंत कहा, अभय और शारवरी 100 प्रतिशत लौट रहे हैं। उनके किरदार वहीं से आगे बढ़ेंगे, जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी। लेकिन इनके साथ और कौन जुड़ता है, ये अभी बताना जल्दबाजी होगी। जब वक्त आएगा, सब कुछ साफ हो जाएगा।

मुंज्या 2 इसलिए बन रही है क्योंकि ऑडियंस इंटरेस्टेड हैं

सीक्वल पर बात करते हुए आदित्य ने कहा, ये साफ दिखाता है कि लोग इस यूनिवर्स में इंटरेस्टेड हैं और उन्होंने मुंज्या के साथ एक इमोशनल इन्वेस्टमेंट बनाया है। जब हमने पहली फिल्म बनाई थी, तब सीक्वल का कोई प्लान नहीं था। लेकिन फिल्म के हिट होने के बाद भरोसा मिला कि इस कहानी को और आगे बढ़ाया जा सकता है। अगर फिल्म नहीं चलती तो पार्ट टू बनाने का कोई मतलब नहीं होता। लेकिन जब दर्शक खुद पूछने लगें कि आगे क्या होगा, तब समझ आता है कि आपने कुछ सही किया है।

महा मुंज्या का पैमाना और बड़ा होगा

उन्होंने आगे बात करते हुए कहा, अब महा मुंज्या के साथ हम उस यूनिवर्स को और बड़ा करने जा रहे हैं। बहुत सारी प्लानिंग चल रही है, कई एक्साइटिंग चीजें तैयार हो रही हैं। हम चाहते हैं कि ये फिल्म सिर्फ सीक्वल नहीं, बल्कि एक नया एक्सपीरियंस बने। जैसे पहली फिल्म के एंड में हमने एक प्रॉमिस छोड़ा था, वैसे ही अब महा मुंज्या उस प्रॉमिस को पूरा करेगी। कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी जहां मुंज्या खत्म हुई थी, लेकिन इस बार पैमाना और बड़ा होगा, दुनिया और गहरी।

'पद्मावत' की मेहरुनिसा से लेकर 'मर्डर 3' की रोशनी तक, अदिति राव हैदरी ने हर किरदार में बिखेरा अभिनय का जादू

अदिति राव हैदरी भारतीय सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपनी सादगी और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री के जन्मदिन के मौके पर जानेंगे उनकी जबरदस्त फिल्मों के बारे में, जिनके लिए उन्हें पहचाना जाता है। तो चलिए जानते हैं उनकी फिल्में।

मर्डर 3

बॉलीवुड की मशहूर मर्डर फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट का नाम 'मर्डर 3' है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसे विशेष भट्ट द्वारा निर्देशित किया गया था। इस फल्म में विक्रम (रणदीप हुड्डा) जो एक फोटोग्राफर है, निशा (सारा लोरेन) से एक बार मिलता है और दोनों की तुरंत दोस्ती हो जाती है। जल्द ही वे प्यार में पड़ जाते हैं और अपने रिश्ते को एक नए मुकाम पर ले जाते हैं। निशा उसके घर में रहने आती है, लेकिन जल्द ही उसे उसके राज पता चलने लगते हैं। वह विक्रम की पूर्व प्रेमिका रोशनी (अदिति राव हैदरी) के गायब होने के पीछे छिपे के सच का पता लगाने लेने के मिशन पर है। इसी दौरान उसकी मुलाकात पंडित से होती है, जो अपनी बेटी के लिए शोक मना रहा है।

दिल्ली 6

राकेश ओमप्रकाश मेहरा के निर्देशन में दिल्ली 6 फिल्म साल 2009 में रिलीज हुई थी। आपक बता दें कि इस फिल्म से अदिति राव हैदरी ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में उनका रोल कम था, लेकिन सभी ने उनके किरदार को खूब सराहा था। फिल्म एक एनआरआई के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बीमार दादी के साथ भारत लौटता है, लेकिन हैरानी की बात है कि वह खुद को दिल्ली के बीचों-बीच एक मंदिर-मस्जिद विवाद में फंसा हुआ पाता है। दिल्ली 6 में अदिति राव हैदरी ने रमा बुआ का किरदार निभाया था। इसमें अभिषेक बच्चन और सोनम कपूर मुख्य भूमिका में थे।

पद्मावत

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित फिल्म पद्मावत में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म अदिति राव हैदरी की बेहतरीन फिल्मों में से एक है। अदिति हर फ्रेम में एक स्टार की तरह चमकीं। उन्होंने खिलजी की पत्नी मेहरुनिसा का किरदार बखूबी निभाया था। फिल्म में जैसे-जैसे खिलजी रानी पद्मावती के प्रति और अधिक आसक्त होता गया, मेहरुनिसा ने पत्नी से पहले, एक महिला बनना चुना। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी।

वजीर

फरहान अख्तर, अमिताभ बच्चन और अदिति राव हैदरी जैसे कलाकारों से सजी फिल्म वजीर 2016 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अदिति राव हैदरी ने रुहाना अली की भूमिका निभाई थी और तमाम दिग्गजों के बीच भी अपनी जगह और लाइमलाइट बरकरार रखी। इस फिल्म की कहानी एक पुलिसवाले दानिश के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बेटी की हत्या करने वाले एक आतंकवादी से बदला

रॉकस्टार

इम्तियाज अली के निर्देशन में साल 2011 में रॉकस्टार फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर, नरगिस फाखरी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वहीं अदिति राव हैदरी ने शीना के रूप में फिल्म अहम किरदार अदा किया था। उनके रोल ने दर्शकों को आकर्षित किया था।

हीरामंडी

अदिति राव हैदरी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार सीरीज में नजर आई थीं। यह साल 2024 में रिलीज हुई थी, जिसे संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित और निर्देशित किया गया था। यह शो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाहौर के हीरा मंडी में वेश्याओं के जीवन पर केंद्रित है। इसमें मनीषा कोइराला , सोनाक्षी सिन्हा और ऋचा चड्ढा जैसे कई सितारे शामिल थे।

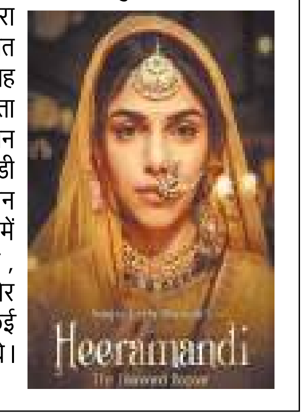

महिला विश्व कप जीतने के बाद स्मृति मंधाना को लगा झटका, आईसीसी रैंकिंग में पहला स्थान गंवाया

दुबई (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की नई महिला एक दिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गई है लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स 9 स्थान की छलांग लगाकर 10वें स्थान पर पहुंच गई।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट नवीनतम सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर पहले स्थान पर पहुंच गई है। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में शतक जड़ने के अपने अविश्वसनीय प्रदर्शन के बाद वोल्वार्ड्ट ने मंधाना को पीछे छोड़ दिया। वोल्वार्ड्ट ने टूर्नामेंट में 571 रन बनाए, जो किसी एक विश्व कप में सर्वाधिक रन का नया रिकॉर्ड है। इससे वह अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग 814 हासिल करने में सफल रही।

भारत ने रविवार को खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। नवी मुंबई में सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद शतक जड़कर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली रोड्रिग्स ने अपने इस शानदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष 10 में प्रवेश किया, जबकि फोबे लिचफील्ड ने उसी मैच में शतक की बदौलत 13 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग (637) हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी सातवें स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के साथ संयुक्त सातवां स्थान हासिल किया। डिवाइन पहले ही वनडे से संन्यास लेने की घोषणा कर चुकी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर भी चार स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गयी।

गेंदबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका की मारिजाने काप अब सोफी एक्लेस्टोन को शीर्ष स्थान से हटाने के करीब पहुंच गई है। उनके अब 712 रेटिंग अंक हो गए हैं। भारत की दीप्ति शर्मा विश्व कप फाइनल में 58 रन बनाने के अलावा पांच विकेट लेने के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑलराउंडर की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

यशस्वी ने रणजी में शतक के साथ ही पूरे किये 1000 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज यशस्वी आजकल रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। यशस्वी ने रणजी में मुंबई की ओर से शतक लगाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यशस्वी ने रणजी में अपना पांचवां शतक लगाने के साथ ही घरेलू क्रिकेट में 1000 रन भी पूरे किये हैं।

यशस्वी ने राजस्थान के खिलाफ जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में मुंबई की ओर से दूसरी पारी में शतक लगाया। राजस्थान की टीम ने अपनी पहली पारी 617/7 का विशाल स्कोर बनाने के बाद घोषित की थी। वहीं मुंबई ने पहली पारी में 254 रन बनाए थे। पहली पारी में पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में मुंबई के लिए पारी की शुरुआत करते हुए यशस्वी ने 120 गेंदों पर 11 चौकों की सहायता से शतक लगाया। इस मैच की पहली पारी में उन्होंने अर्धशतक लगाया था और वह 67 रनों पर आउट हुए थे। वहीं राजस्थान की ओर से दीपक हुड्डा ने 248 और कार्तिक शर्मा ने 139 रन बनाये थे। यशस्वी के शतक से टीम हार से बची हुई है।

यशस्वी ने शतक के साथ ही रणजी में अपने 1000 रनों का आंकड़ा भी हासिल कर लिया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका ये 17वां शतक है, क्योंकि 7 शतक उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में हैं। 5 शतक रणजी ट्रॉफी में और 5 अन्य फर्स्ट क्लास मैचों में उनके नाम हैं। 2-2 शतक उन्होंने रेस्ट ऑफ इंडिया और वेस्ट जोन के लिए लगाये हैं, जबकि एक शतक उन्होंने इंडिया ए के लिए लगाया है। 11 मैचों की 21 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए वह अब तक 1000 से ज्यादा रन बना चुके हैं। रणजी ट्रॉफी में उनका सर्वाधिक स्कोर 181 रन है।

अश्विन बीबीएल से बाहर, आईपीएल से रिटायरमेंट लेकर टूर्नामेंट में खेलने चले थे

मुम्बई (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क - रविचंद्रन अश्विन घुटने की चोट के कारण बिग बैश लीग (BBL) के पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। गेंदबाज और सिडनी थंडर दोनों के लिए यह एक बड़ा झटका है। इस अनुभवी स्पिनर ने इस साल की शुरुआत में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) से रिटायरमेंट की घोषणा की थी और थंडर के साथ पूरे सीजन के लिए साइन किया था। अश्विन ने यह फैसला तब लिया जब वह ILT20 नीलामी के पहले राउंड में अनसोल्ड रहे।

शुरुआत में उन्हें सीजन में सिर्फ 3-4 मैच खेलने थे, लेकिन बाद में अनसोल्ड रहने और फिर ILT20 नीलामी से हटने के बाद उन्होंने पूरा सीजन खेलने का फैसला किया था। अश्विन बिग बैश लीग में खेलने वाले सबसे बड़े हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों में से एक बनने वाले थे। अश्विन को अब सिडनी थंडर के लिए BBL में डेब्यू करने के लिए एक और साल इंतजार करना होगा।

IPL 2025 मेगा नीलामी में 10.75 करोड़ रुपए में बिकने के बाद अश्विन अपनी कीमत को सही साबित नहीं कर पाए। उन्होंने 9 मैचों में सिर्फ 7 विकेट लिए और काफी महंगे भी साबित हुए। अश्विन ने IPL से रिटायरमेंट के अपने फैसले के बारे में बताते हुए कहा कि वह दुनिया भर की दूसरी T20 लीग में खेलना चाहते हैं। यह बताना जरूरी है कि भारतीय खिलाड़ियों को दूसरी T20 लीग में तभी खेलने की इजाजत है जब वे इंटरनेशनल क्रिकेट और IPL से रिटायर हो जाएं।

बिग बैश लीग 2025/26 के लिए सिडनी थंडर की टीम

डेविड वार्नर (कप्तान), वेस अगर, टॉम एंड्रयूज, कैमरन बैनक्रॉफ्ट, सैम बिलिंग्स, ओली डेविस, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट गिल्क्स, क्रिस ग्रीन, रयान हैडली, सैम कोन्स्टास, नाथन मैकएंड्रयू, डैनियल सैम्स, तनवीर संघा, शादाब खान

आईसीसी महिला विश्व कप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में मंधाना सहित तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल

-हरमनप्रीत को नहीं मिली जगह

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट की घोषणा की है। इसमें भारत की तीन खिलाड़ियों स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को शामिल किया है। हैरानी की बात है कि इसमें भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का नाम नहीं है। दक्षिण अफ्रीका की भी 3 खिलाड़ी इस टीम में शामिल हैं, जिनमें कप्तान लॉरा वोल्वार्ट, ऑलराउंडर मारिजैन काप और नडीन डीक्लर्क शामिल हैं। वोल्वार्ट को आईसीसी ने टीम का कप्तान बनाया है। ऑस्ट्रेलिया की भी तीन खिलाड़ी खिलाड़ियों ऐश गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड और एलाना किंग को भी इस टीम में जगह मिली है पर इंग्लैंड की एक ही खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन ही अंतिम ग्यारह में शामिल है। टीम में पाकिस्तान की सिद्रा नवाज को विकेटकीपर के तौर पर रखा गया है 12वें नंबर पर इंग्लैंड की नैट स्कीवर ब्रंट को जगह दी गयी है।

आईसीसी महिला विश्व कप 2025 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट

लॉरा वोल्वार्ट (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, मारिजैन कैप, ऐश गार्डनर, दीप्ति शर्मा, एनाबेल सदरलैंड, नडीन डीक्लर्क, सिद्रा नवाज, अलाना किंग, सोफी एक्लेस्टोन, नैट स्कीवर ब्रंट.

जितेश की कप्तानी में राइजिंग स्टार्स एशिया कप में उतरेगी भारत ए टीम

-16 नवंबर को होगा पाकिस्तान ए टीम से मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। जितेश शर्मा की कप्तानी में भारत ए टीम कतर में 14 नवंबर से शुरु हो रहे राइजिंग स्टार्स एशिया कप में उतरेगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) का यह टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर तक दोहा के वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 16 नवंबर को भारत ए का मुकाबला पाकिस्तान ए टीम से होगा। वहीं 23 नवंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के ग्रुप ए में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हांगकांग और श्रीलंका हैं, जबकि ग्रुप बी में भारत, ओमान, पाकिस्तान और यूएई को रखा गया है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत साल 2013 में हुई थी. अब तक इसके छह सत्र खेले गये हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत अंडर-23 के रूप में हुई थी और बाद में इसे 'ए' टीमों के बीच खेला जाने लगा है। पाकिस्तान और श्रीलंका की ए टीमों ने इसे दो-दो बार जीता है, जबकि भारत और अफगानिस्तान की ए टीमों ने इसे एक-एक बार जीता है। साल 2024 में श्रीलंका को हराकर अफगानिस्तान डिफेंडिंग चैंपियन विजेता बनी थी।

टी-20 प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में में तीन एसोसिएट टीम यानी हांगकांग, ओमान और यूएई की टीमें भी उतरेंगी। इन तीनों को ही मुख्य टीम उतारने की अनुमति है।

भारत ए टीम इस प्रकार है

जितेश शर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, नमन धीर (उपकप्तान), सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार वैशाख, युद्धवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर) और सुयश शर्मा

स्टैंड-बाय खिलाड़ी- गुरनूर सिंह बराड़, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिजवी और शेख रशीद।

टेस्ट क्रिकेट को दी जानी चाहये पहली प्राथमिकता : स्टार्क

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट सबसे अधिक महत्वपूर्ण है इसलिए उसे पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिये। स्टार्क ने कहा है कि बिग बैश लीग (बीबीएल) मुकाबलों के लिए टेस्ट कार्यक्रम में फेरबदल नहीं होना चाहिये। साथ ही कहा कि इसे किसी भी टी20 लीग के लिए पीछे नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट सबसे ऊपर है। इसे टी20 क्रिकेट के लिए जगह नहीं देनी चाहिए, चाहे वह बीबीएल हो, आईपीएल हो या कुछ और। टेस्ट क्रिकेट हमेशा सबसे आगे रहना चाहिये।' स्टार्क ने कहा कि बीबीएल के मैच लगातार दो दिन खेले जा सकते है, क्योंकि टी20 प्रारूप में अधिक थकान नहीं होती है उन्होंने वर्तमान समय के छोटे सत्र की भी प्रशंसा की और कहा कि इसका सही प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता रही है और अब इसमें कोई बदलाव नहीं होगा।' स्टार्क ने माना है कि आधुनिक क्रिकेट में लीगों की बढ़ती संख्या और फैंचाइजी क्रिकेट का आकर्षण खेल की दुनिया बदल रहा है पर मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट ही पहली प्राथमिकता रहेगा। मैं इसी मानसिकता के साथ जब तक खेल सकता हूं, खेलता रहूंगा। स्टार्क ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी जीतने के बाद दो महीने का ब्रेक उनके लिए फायदेमंद रहा।

एशेज की तैयारियों के लिए टी20 सीरीज के बचे हुए मैच नहीं खेलेंगे हेड

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के आक्रमक बल्लेबाज ट्रैविस हेड आगामी एशेज सीरीज को देखते हुए भारतीय टीम के खिलाफ जारी टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। हेड ने सीरीज के शुरुआती तीन मैचों में खेले थे पर अब वह बचे हुए दो मैचों में नहीं खेलेंगी। हेड अब एशेज से पहले अभ्यास के लिए शेफील्ड शील्ड मुकाबले खेलेंगे। टीम मैनेजमेंट के अनुसार बचे हुए दो टी20 मैचों में हेड की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा। भी खिलाड़ी को रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल नहीं किया हेड अब 10 नवंबर से शुरू होने वाले दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और तस्मानिया मुकाबले में खेलकर लंबे समय के बाद लाल गेंद के प्रारूप में उतरेंगे। हेड पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पा रहे हैं। हाल की 8 पारियों में वह कोई अर्धशतक नहीं बना सके। टीम प्रबंधन चाहता है कि वह एशेज से पहले अपनी फॉर्म और लय वापस पा सकें। हेड के अलाव ऑस्ट्रेलिया के कुछ और खिलाड़ियों को भी भी घरेलू क्रिकेट में खेलने की अनुमति दी गयी है। ये खिलाड़ी हैं सीन एबॉट और तनवीर संघा। एबॉट न्यू साउथ वेल्स के लिए अगले शील्ड मैच में खेलेंगे, जबकि तनवीर संघा वन-डे कप मुकाबले में खेलेंगे। वहीं स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की वापसी की उम्मीद है। ऐसे में अब टीम संयोजन में बदलाव की संभावना के बीच, मैट शॉर्ट को बचे हुए दो टी20 मैचों पारी की शुरुआत का अवसर मिल सकता है। चौथा टी20 मैच 6 नवंबर कोओवल, गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा।

नए सीजन से पहले आरसीबी ने बदली कोचिंग टीम, अन्या और रंगराजन को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने महिला प्रीमियर लीग (WPL) 2026 सीजन से पहले अपने कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है। इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज अन्या श्रब्सोल को टीम का नया गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है, जबकि मलोलन रंगराजन को हेड कोच पद पर प्रमोट किया गया है।

पिछले सीजन में RCB चौथे स्थान पर रही थी, जिसके बाद यह बदलाव किया गया। श्रब्सोल ने सुनेत्रा परांजपे की जगह ली है, जो पहले इस भूमिका में थीं।

रंगराजन, जो तमिलनाडु के पूर्व स्पिनर हैं, शुरुआत से ही आरसीबी महिला टीम के सेटअप का हिस्सा रहे हैं और पुरुष टीम के लिए लीड स्काउट की भूमिका भी निभाते हैं। ल्यूक विलियम्स के अनुपलब्ध रहने के कारण यह बदलाव किया गया है, क्योंकि वह इस सीजन एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ बिग बैश लीग में व्यस्त रहेंगे।

जनवरी में शुरू होगा WPL 2026 सीजन

महिला प्रीमियर लीग 8 जनवरी से शुरू होकर फरवरी के पहले सप्ताह तक चलेगी। यह बदलाव इसलिए किया गया है ताकि टूर्नामेंट का शेड्यूल पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से न टकराए, जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे।

RCB का कोर ग्रुप बरकरार

टीम प्रबंधन ने कप्तान स्मृति मंधाना को रिटेन करने का फैसला किया है। इसके अलावा एलिस पेरी, ऋचा घोष, सोफी मोलिन्यू और श्रेयंका पाटिल को भी टीम के कोर ग्रुप में बनाए रखा जाएगा। आर. मुरलीधर बल्लेबाजी कोच के रूप में और नवनीता गौतम मुख्य फिजियो के रूप में अपनी भूमिका निभाती रहेंगी।

धर्म को लेकर जेमिमा के ट्रोल्स पर भड़की शिखा पांडे, कहा- हां, वो भगवान की पसंदीदा संतान है

नवी मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स ने वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन कर सबका दिल जीत लिया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में उनकी नाबाद 127 रन की पारी ने भारत को रिकॉर्ड जीत दिलाई और टीम को फाइनल में पहुंचाया। लेकिन वर्ल्ड कप जीत के बाद भी कुछ सोशल मीडिया ट्रोल्स ने जेमिमा को उनके धर्म को लेकर निशाना बनाया। इस पर उनकी साथी खिलाड़ी शिखा पांडे ने करारा जवाब दिया। शिखा ने एक्स पर लिखा, 'जिन्हें सच्चाई जाननी है — हां, जेमी भगवान की पसंदीदा संतान है। अगर इससे जलन है, तो कोई कुछ नहीं कर सकता!' जेमिमा को पिछले कुछ सालों से सोशल मीडिया पर नफरत भरे कमेंट्स झेलने पड़े हैं, लेकिन उन्होंने हमेशा शांत रहकर जवाब दिया। उनके आत्मविश्वास और खेल भावना ने उन्हें फैंस के दिलों में खास जगह दिलाई है। हालांकि फाइनल में वह अपनी सेमीफाइनल जैसी पारी नहीं दोहरा सकीं, मगर उनकी फील्डिंग और एनर्जी ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद जेमिमा ने कहा कि टीम ने यह जीत पूरी एकजुटता और समर्पण से हासिल की।

इस कारण विजेता टीम से असली ट्रॉफी वापस ले लेती है आईसीसी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में पहली बार आईसीसी विश्वकप जीता है। इस जीत के बाद भारतीय टीम को चमचमाती हुई ट्रॉफी दी गयी पर वे ट्रॉफी टीम अपने साथ नहीं रख सकती। इससे वापस ले लिया जाएगा। इसका कारण है कि आईसीसी विजेता टीमों को असली ट्रॉफी नहीं देती बल्कि इसकी जगह पर टीमों को उस ट्रॉफी की प्रतिकृति ट्रॉफी दी जाती है। मैच के बाद फोटो शूट और अवॉर्ड समारोह में ही टीम को असली ट्रॉफी दी जाती है उसके बाद फोटो सेशन के बाद उनसे ट्रॉफी वापस ले ली जाती है।

ट्रॉफी वापसी लेने का नियम आईसीसी ने कई साल पहले ही बना दिया था। इसके तहत विजेता टीम को ट्रॉफी लौटानी पड़ती है। वह आईसीसी मुख्यालय में रखी जाती है। असली ट्रॉफी की तरह नकली ट्रॉफी में भी सोने और चांदी लगे होंगे। असली ट्रॉफी को चोरी या किसी अन्य कारण होने नुकसान पहुंचाने से बचाने के लिए ऐसा किया जाता है।

11 किलो वजन है विश्व कप की असली ट्रॉफी का

विश्व कप ट्रॉफी का वजन लगभग 11 किलो है। इसकी लंबाई करीब 60 सेंटीमीटर है। ट्रॉफी में सोना और चांदी लगी है। ट्रॉफी में स्टंप और बेल्स के आकार के जो तीन कॉलम बने हैं वो चांदी के हैं। ट्रॉफी के शीर्ष पर जो ग्लोब है वह सोने का है। इस ट्रॉफी पर विश्वकप विजेता टीमें के नाम लिखे हैं।

अब अगले साल ही मैदान पर उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। आईसीसी एकदिवसीय महिला विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम अब अगले साल की शुरुआत में ही मैदान में उतरेगी। ऐसे में उसकी खिलाड़ियों के पास जीत का जश्न मनाने के साथ ही खेल से ब्रेक लेने का भी अच्छा समय है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता है। भारतीय टीम को अब फरवरी 2026 में ही ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में तीन टी20, तीन एकदिवसीय और एक टेस्ट मैच खेलना है। इस दौरे की शुरुआत टी20 सीरीज से होगी। इसके बाद एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज रखी गयी है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच पहला टी20 मैच 15 फरवरी को सिडनी में खेला जाएगा। वहीं सीरीज का दूसरा टी20 मैच 19 को केनबरा में जबकि आखिरी टी20 मैच 21 फरवरी को एडिलेड में होगा। टी20 के बाद एकदिवसीय सीरीज 24 फरवरी से ब्रिस्बेन में शुरु होगी। वहीं दूसरा एकदिवसीय 27 फरवरी जबकि तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच एक मार्च को होबार्ट में खेला जाएगा। इसके बाद 6 मार्च से पर्थ में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद भारतीय महिला टीम इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। टीम मई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इसमें उसे 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का आयोजन 28 मई से 2 जून तक होगा। इसके बाद टीम इंडिया को टी20 विश्व कप में खेलना है जिसका आयोजन इंग्लैंड में ही होना है। टी20 विश्व कप में भारतीय टीम 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी यह मुकाबला बर्मिंघम में खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप जीत के बाद युवाओं के लिए हरमनप्रीत का प्रेरणादायक संदेश: सपने देखना कभी मत छोड़ो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का बचपन का सपना आखिरकार रविवार रात सच हो गया, जब उन्होंने नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर भारत को पहला वनडे विश्व कप खिताब दिलाया।

विश्व कप जीतने के बाद हरमनप्रीत ने देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक संदेश दिया, 'सपने देखना कभी मत छोड़ो, क्योंकि कौन जानता है तुम्हारी किस्मत तुम्हें कहां ले जाए।'

बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में हरमनप्रीत ने अपने बचपन के दिनों को याद किया जब वह अपने पिता के बड़े बल्ले से खेला करती थीं। उन्होंने कहा, 'जब से मुझे पसंद-नापसंद का अहसास हुआ, तभी से हाथ में बल्ला देखा है। पापा अपने पुराने बल्ले को छोटा करके मेरे लिए बनाते थे। तभी से सपना देखा कि एक दिन भारत के लिए खेलूं।'

हरमनप्रीत ने आगे कहा, 'मुझे नहीं पता था कि महिला क्रिकेट भी होती है, लेकिन सपना सिर्फ यही था कि मैं वो बदलाव लाना चाहती हूं जिससे देश में महिलाओं के लिए क्रिकेट का नाम हो।'

36 वर्षीय कप्तान ने कहा, 'यह पल मेरे लिए बेहद भावनात्मक है। बचपन से यही सपना था – टीम इंडिया को विश्व कप जिताना। और जब मौका मिला, तो भगवान ने हर दुआ सुन ली। अब हम विश्व चैंपियन हैं, और यह अहसास शब्दों से परे है।'

उन्होंने 2017 विश्व कप फाइनल की हार को भी याद किया, जब भारत इंग्लैंड से 9 रन से हार गया था। 'वो हार बहुत दर्दनाक थी, लेकिन उसी ने हमें और मजबूत बनाया। तब से पूरा देश हमारे साथ खड़ा रहा, और आज हम सबने मिलकर ये सपना पूरा किया।'

अंत में हरमनप्रीत ने कहा, 'यह जीत सिर्फ हमारी नहीं, पूरे देश की है। मैदान पर खेलने वाली हर खिलाड़ी और टीवी पर देखने वाले हर फैन की जीत है।'

संक्षिप्त समाचार

कुछ ग्रह खुद ही बना सकते हैं अपना पानी

काठमांडू, एजेंसी। कुछ ग्रह बाहरी पानी के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय खुद ही पानी बना सकते हैं। अब तक यह माना जाता था कि ऐसे जल-समृद्ध ग्रह अपने तारों से दूर बनते हैं और बाद में पास आ जाते हैं, क्योंकि सूरज की भयंकर गर्मी से पानी टिक नहीं पाता। हमारे सौरमंडल में भी एक स्नो लाइन होती है। इसके भीतर बने ग्रहों (जैसे शुक्र) पर पानी नहीं होता, जबकि इसके बाहर बने ग्रह (शनि, नेपच्यून) पर पानी और गैस की भरमार होती है। नए अध्ययन के अनुसार, अगर सही परिस्थितियां हों तो हाइड्रोजन और खनिजों की रासायनिक प्रक्रिया से ग्रहों के अंदर ही स्थानीय रूप से पानी बन सकता है। प्रयोगशाला में किए गए परीक्षणों में इसे तार्किक ढंग से समझाया गया है।

पैनल में खराबी आने से फोर्ड ने वापस मंगाए 79,800 वाहन

काठमांडू, एजेंसी। फोर्ड मोटर कंपनी ने अमेरिका में लगभग 79,800 वाहनों को दरवाजे के पैनल और पिछली लाइटबार की खराबी के कारण वापस मंगाने की घोषणा की है। नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) के अनुसार, इसमें 14,843 एफ-150 लाइटनिंग इलेक्ट्रिक पिकअप ट्रक शामिल हैं। इसके अलावा फोर्ड ने 34,481 री-मैन्युफैक्चर्ड 10आर80 ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन यूनिट्स भी वापस मंगाई हैं, जो कुछ फोर्ड और लिंकन वाहनों में मरम्मत के पुर्जों के रूप में उपयोग की गई थीं।

किम का दावा-1969 में कोई चांद पर नहीं उतरा, नासा ने किया खारिज

काठमांडू, एजेंसी। हॉलीवुड अभिनेत्री किम कार्दशियन ने दावा किया कि 1969 में कोई चंद्रमा पर उतरा ही नहीं। हालांकि, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अभिनेत्री को इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि हम छह बार चांद पर जा चुके हैं। रियलिटी शो द कार्दशियन्स के हालिया एपिसोड में किम ने कहा कि मुझे लगता है कि अपोलो मिशन नकली था। इस पर नासा के कार्यवाहक प्रशासक सीन डफी ने सोशल मीडिया पर किम को टैग करते हुए लिखा, हम पहले भी छह बार चांद पर जा चुके हैं और अब आर्टेमिस मिशन के तहत दोबारा जा रहे हैं।

इस्राइल के हाइफा में भारतीय फिल्म महोत्सव की शुरुआत

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के हाइफा में इस साल के दूसरे भारतीय फिल्म महोत्सव की जोरदार शुरुआत हो चुकी है। इस उद्घाटन समारोह में 200 से अधिक लोग शामिल हुए। दो सप्ताह तक चलने वाले इस उत्सव में पद्मावत, गंगूबाई काठियावाड़ी, जवान, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, अंधाधुन और 12वीं फेल जैसी फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। पहला फिल्म महोत्सव फरवरी में हुआ था, जिसकी सफलता के बाद यह दूसरा संस्करण आयोजित किया गया है।

नेपाल में 17 नई राजनीतिक पार्टियों ने पंजीकरण के लिए किया आवेदन

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव से पहले 17 नई राजनीतिक पार्टियों ने निर्वाचन आयोग (ईसी) में पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। आयोग के प्रवक्ता नारायण भट्टराई ने बताया, इनमें से 7 पार्टियों ने 12 सितंबर को चुनाव तिथि घोषित होने के बाद, जबकि 10 ने उससे पहले आवेदन किया। नए आवेदनों के साथ आयोग में पंजीकृत पार्टियों की कुल संख्या अब 124 हो गई है। आयोग नए दलों के दस्तावेजों की समीक्षा कर रहा है।

तंजानिया में आम चुनाव के बाद हिंसा, 700 से अधिक लोगों की मौत का दावा, दार-एस-सलाम में 350 की जान गई

डोडोमा, एजेंसी। तंजानिया में विवादित आम चुनावों के बाद भड़की हिंसा में 700 से अधिक लोगों की मौत होने का दावा किया गया है। विपक्षी पार्टी चडेमा ने शुक्रवार को कहा कि देशभर में हुई झड़पों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से दस लोगों की मौत की पुष्टि की है। चडेमा के प्रवक्ता जॉन कितोका ने बताया कि सिर्फ दार-एस-सलाम में करीब 350 और म्वांजा क्षेत्र में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है। अन्य हिस्सों को जोड़ें तो संख्या लगभग 700 तक पहुंचती है। पार्टी का कहना है, आंकड़ा अस्पतालों के दौरे पर आधारित है। सरकार ने अब तक कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है। कहा है कि कुछ छिटपुट घटनाओं के बाद कानून-व्यवस्था बहाल की जा रही है।

जमैका में लोग कीचड़-मलबे में खाना ढूंढ़ने पर मजबूर

तूफान मेलिसा के बाद भूख-प्यास से परेशान ; बाढ़ का पानी भरा, जानवर सड़ रहे

किंग्सटन, एजेंसी। जमैका में कैटेगरी-5 के हरिकेन मेलिसा के टकराने के बाद हालात खराब हो चुके हैं। ब्लैक रिवर शहर में लोग कीचड़ और मलबे में खाने-पीने का सामान खोज रहे हैं। कई लोग टूटी दुकानों और सुपरमार्केट से पानी की बोतलें और जरूरी चीजें निकाल रहे हैं।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, तूफान के बाद पिछले तीन दिनों से शहर में अराजकता और भूख-प्यास का संकट है। सड़कों पर कीचड़, टूटी इमारतें, पलटी नावें और बिखरे वाहन चारों ओर तबाही की तस्वीर पेश कर रहे हैं। बिजली-पानी की सप्लाई बंद है। लोगों का परिवारों से संपर्क टूट गया है।

अब तक लोगों को मदद नही मिली बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों का कहना है कि अब तक इलाके में कोई राहत ट्रक नहीं पहुंचा है। वे सड़क पर पड़े मलबे या दुकानों में जो कुछ भी मिल रहा है, उसी से गुजारा कर रहे हैं।

एक स्थानीय युवक डेमर वॉकर ने कहा, हम सड़क पर जो भी मिल रहा है, वही खा रहे हैं। सुपरमार्केट से पानी लिया, लेकिन हमने दूसरों से भी साझा किया। पास की एक फार्मेसी और दुकानों में भी लूटपाट की घटनाएं हुईं। लोग कीचड़ में सनी दवाइयां और खाना उठाते दिखे। कई दुकानदार अपनी लूटी दुकानों के बाहर पहरा दे रहे हैं। राजधानी किंग्स्टन एयरपोर्ट पर राहत सामग्री पहुंचनी शुरू हो गई है, लेकिन छोटे एयरपोर्ट और सड़कें क्षतिग्रस्त होने से मदद देर से पहुंच रही है। सेना और राहत एजेंसियों के ट्रक रास्तों के टूटे हिस्सों से गुजरने की कोशिश कर रहे हैं।

19 की मौत, हैती में भी 30 की जानें गई जमैका सरकार ने पुष्टि की है कि तूफान में 19 लोगों की मौत हुई है। हैती में भी 30 लोगों की मौत की खबर है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि शहर के 90% घर तबाह हो चुके हैं। अस्पताल, पुलिस स्टेशन और फायर स्टेशन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं। शहर के मेयर ने कहा, ब्लैक रिवर पूरी तरह तबाह हो चुका है। लोग मजबूरी में सामान उठा रहे हैं, लेकिन हिंसा भी बढ़ रही है। एक मेडिकल वर्कर ने बताया कि फायर स्टेशन में चार से पांच फीट पानी भर गया था। बच्चों और बुजुर्गों सहित कई लोग घायल अवस्था में लाए गए। कई जगह ऐसे लोग मिले जो जिंदा नहीं बचे। शुक्रवार दोपहर सेना के हेलिकॉप्टर ब्लैक रिवर पहुंचे। इसके बाद सड़कों से भीड़ कम हुई।

मेलिसा तूफान के बाद कैरिबियाई देशों की मदद में जुटे यूएन और सहयोगी संगठन

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगी तूफान मेलिसा के बाद राहत सामग्री पहुंचाने और मदद समन्वयित करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की मानवीय संस्था ओसीएचए ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार ओसीएचए ने कहा कि जमेका, क्यूबा और हैती में लाखों लोग तूफान से प्रभावित हुए हैं और तुरंत मदद की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लेचर ने कहा कि ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग सिर्फ सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवनरेखा होता है।

क्यूबा के पूर्वी हिस्सों से गुजरे तूफान मेलिसा ने सैंटियागो, होलगुइन, ग्रान्मा और ग्वांतानामो में भारी तबाही मचाई है। कई क्षेत्र अभी भी कटे हुए हैं और सड़कों, रेल और हवाई मार्गों को नुकसान पहुंचा है, जिससे राहत कार्य मुश्किल हो रहे हैं। ओसीएचए ने बताया कि वह एक कार्य योजना बना रहा है ताकि राहत कार्य बेहतर तरीके से चल सकें। इसके लिए एक टीम मौके पर भेजी गई है और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन क्षेत्रीय कार्यालय से भी सहायता मिल रही है। जमैका में सरकार खुद राहत कार्यों का नेतृत्व कर रही है और ओसीएचए कैरेबियन आपदा आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी की टीमों के साथ मिलकर जरूरतों का आकलन कर रही है। खाद्य एवं कृषि संगठन, यूनिसेफ, यूएन जनसंख्या कोष और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन भी इन प्रयासों में शामिल हैं। हैती में, जहां पहले से ही मानवीय और हिंसक संकट गहरा हुआ है, संयुक्त राष्ट्र की टीमें सरकार के साथ मिलकर आश्रय, भोजन, जरूरी सामान और नकद सहायता जैसी तत्काल जरूरतों को पूरा करने में लगी हैं। कैरेबियाई क्षेत्र के कुछ हिस्सों में इस सदी का सबसे भयंकर तूफान कहे जा रहे मेलिसा ने भारी तबाही मचाई है। ताजा अपडेट के अनुसार इस भीषण तूफान में दर्जनों लोगों की मौत हो गई है।

'संवाद से बनता है भरोसा, एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत', आसियान बैठक में बोले मलयेशियाई रक्षा मंत्री

कुआलालंपुर, एजेंसी। आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान मलेशिया के रक्षा मंत्री मोहम्मद खालिद नोरदिन ने क्षेत्रीय सहयोग और संवाद की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि एडीएमएम प्लस की स्थापना को 15 वर्ष पूरे हो गए हैं और यह इस बात का प्रमाण है कि संवाद भरोसे को मजबूत करता है और एकता ही आसियान की सबसे बड़ी रक्षा है।

वैश्विक चुनौतियों पर चिंता व्यक्त : नोरदिन ने कहा आज दुनिया ऐसी चुनौतियों का सामना कर रही है जो सीमाओं से परे हैं। साइबर हमलों से लेकर जलवायु परिवर्तन तक, खाद्य असुरक्षा से लेकर महामारी तक। साइबरस्पेस में शक्तिशाली गैर-राज्यीय तत्व समाजों को अस्थिर करने और सरकारों को चुनौती देने में सक्षम हो गए हैं। वहीं, जलवायु संकट और प्राकृतिक आपदाएं हर दिन हमारी सहनशीलता की परीक्षा ले रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय मूल्यों की रक्षा की अपील : मलेशियाई रक्षा मंत्री ने कहा कि हर देश, बड़ा या छोटा, अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवता के उल्लंघन के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा हो। उन्होंने गाजा और फलस्तीन में जारी मानवीय संकट पर गहरी चिंता जताई। नोरदिन ने कहा भूख और अभाव को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जो अत्यंत निंदनीय है। मलेशिया सभी देशों, विशेषकर बड़ी शक्तियों से आग्रह करता है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार अपने प्रभाव का प्रयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि मलेशिया अमेरिका की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का स्वागत करता है।

रिकॉर्ड समय में तियांगोंग स्पेस स्टेशन से जुड़ा चीन का शेंझोउ-21, छह माह तक इन बातों पर करेगा शोध

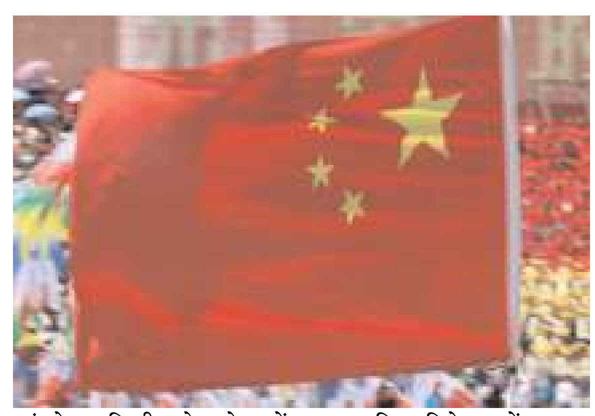

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने शनिवार को घोषणा की कि उसका शेंझोउ 21 अंतरिक्ष यान अपनी नवीनतम तीन सदस्यीय टीम के साथ देश के तियांगोंग स्पेस स्टेशन से रिकॉर्ड समय में जुड़ गया। पूरी डॉकिंग प्रक्रिया लगभग 3.5 घंटे चली, जो पिछले मिशनों की तुलना में तीन घंटे कम है। शेंझोउ 21 यान शुक्रवार रात 11:44 बजे जिउक्वान लॉन्च सेंटर से उड़ान भरी।

बता दें कि टीम में मिशन कमांडर और पायलट झांग लू शामिल हैं, जो दो साल पहले शेंझोउ 15 मिशन में भी गए थे। अन्य दो सदस्य पहली बार अंतरिक्ष जा रहे हैं। 32 वर्षीय इंजीनियर वू फेई चीन के सबसे कम उम्र के अंतरिक्ष यात्री हैं। झांग होंगझांग एक पेलोड विशेषज्ञ हैं, जो पहले नए ऊर्जा और नए पदार्थों पर शोधकर्ता थे। झाग ने क्या स्पेस मिशन पर क्या कहा? झांग ने कहा कि टीम स्पेस स्टेशन में ताई ची, बागवानी और कविता पढ़ने जैसी गतिविधियों के जरिए इसे स्वर्ग जैसा बनाएगी। तीनों सदस्य लगभग छह महीने तक स्टेशन पर रहेंगे। अंतरिक्ष में रहकर वे बायोटेक्नोलॉजी, एयरोस्पेस मेडिसिन, मैटेरियल साइंस और अन्य क्षेत्रों में 27 वैज्ञानिक और व्यावहारिक परियोजनाओं पर काम करेंगे। अंतरिक्ष में चार चुहें भेज रहा चीन इतना ही नहीं इस बार चीन पहली बार अपने स्पेस स्टेशन में चूहों को भेज रहा है। कुल चार चूहे दो नर और दो मादा वजनहीनता और संगरोध के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए भेजे गए हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे छोटे जानवरों की अंतरिक्ष में प्रजनन और अनुकूलन तकनीक पर शोध में मदद मिलेगी। ये चूहे 300 उम्मीदवारों में से चुने गए और इनकी 60 दिनों तक कड़ी ट्रेनिंग हुई। ये चूहे शेंझोउ 20 के साथ पृथ्वी पर वापस आएंगे। क्या है चीन का अंतरिक्ष मिशन? गौरतलब है कि चीन ने 2003 में पहला मानवयुक्त मिशन लॉन्च किया और अमेरिका व सोवियत संघ के बाद तीसरा देश बना। चीन का लक्ष्य 2030 तक चंद्रमा पर मानव भेजना है। तियांगोंग स्पेस स्टेशन पूरी तरह चीन ने बनाया है और इसे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से अलग रखा गया है। चीन पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण के लिए भी सहयोग कर रहा है। भविष्य में एक पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री को शॉर्ट मिशन पर भेजने की योजना है।

न्यू मैक्सिको में तेल रिफाइनरी में धमाके के बाद लगी भीषण आग, कई लोग घायल

न्यू मैक्सिको, एजेंसी। अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य के आर्टेसिया शहर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां शुक्रवार को एक तेल रिफाइनरी में जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद वहां से घना धुआं उठने लगा और देखते ही देखते धुंआ शहर के कई हिस्सों में फैल गया। राहत और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया गया। मामले में आर्टेसिया पुलिस कमांडर पीट किनोनेस ने बताया कि धमाके में कोई मौत नहीं हुई, लेकिन कई लोग घायल हुए हैं। एडी काउंटी इमरजेंसी मैनेजर जेनिफर आर्मेन्डारिज़ ने कहा कि घायलों की संख्या फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

घटना के बाद सड़क कुछ समय के लिए बंद : बता दें कि घटना के बाद प्रशासन ने रिफाइनरी के पास की सड़कों को कुछ समय के लिए बंद कर दिया था ताकि मेडिकल हेलीकॉप्टर को उतरने की जगह दी जा सके। दोपहर तक धुआं छंट गया और सड़कें दोबारा खोल दी गईं। यह धमाका एचएफ सिंक्लेयर नवाजो रिफाइनरी में हुआ, जो आर्टेसिया के मुख्य चौराहे के पास स्थित है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, इस रिफाइनरी की दैनिक क्षमता लगभग एक लाख बैरल कच्चे तेल की प्रोसेसिंग की है। हालांकि, घटना के समय प्लांट कितनी क्षमता पर काम कर रहा था, यह साफ नहीं हो सका है। गौरतलब है कि यह रिफाइनरी पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका के बाजारों में तेल की आपूर्ति करती है और इसके साथ लगभग 105 किलोमीटर दूर लोविंगटन में भी कंपनी का एक और संयंत्र संचालित होता है।

अमेरिका में हैलोवीन के मौके पर आतंकी हमला नाकाम, एफबीआई निदेशक काश पटेल का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने दावा किया है कि मिशिगन में संभावित आतंकी हमले को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हैलोवीन सप्ताह के मौके पर कुछ संदिग्ध आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। हालांकि काश पटेल ने ज्यादा जानकारी नहीं दी, लेकिन विभिन्न रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि मामला चरमपंथियों के समूह से जुड़ा है, जो हैलोवीन के मौके पर हमले की योजना बना रहे थे।

काश पटेल ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी : सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में काश पटेल ने कहा कि 'आज सुबह एफबीआई ने एक संभावित आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया और मिशिगन में कई लोगों को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर हैलोवीन सप्ताह पर एक हिंसक हमले की साजिश रच रहे थे। और ज्यादा जानकारी जल्द ही आएगी। एफबीआई और हर जगह कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उन सभी पुरुषों और महिलाओं को धन्यवाद जो 24 घंटे पहरा दे रहे हैं और देश की रक्षा करने के हमारे मिशन को पूरा कर रहे हैं।' हालांकि काश पटेल ने ये नहीं बताया कि एफबीआई ने मिशिगन में कहां कार्रवाई की, लेकिन मिशिगन पुलिस ने बताया कि डियरबोर्न इलाके में एफबीआई ने एक ऑपरेशन किया है।

संदिग्धों के चरमपंथियों के संपर्क में होने का शक : डियरबोर्न इलाका फोर्ड मोटर कंपनी के मुख्यालय के लिए प्रसिद्ध है और इस शहर में अरब अमेरिकी मूल की आबादी बड़ी संख्या में है। ये पता नहीं चल पाया है कि ये आतंकी हमला किस तरह का था। राष्ट्रपति ट्रंप के शासन में लैटिन अमेरिकी ड्रग तस्करों और फासीवादी विरोधी अभियान एंटीफा को भी आतंकी घोषित किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जांचकर्ताओं का मानना है कि यह साजिश इस्लामिक स्टेट के चरमपंथ से प्रेरित थी और जांच की जा रही है कि हिरासत में लिए गए लोग कहीं ऑनलाइन चरमपंथियों के संपर्क में तो नहीं थे। इस जांच में एक ऑनलाइन चैट रूम में हुई बातचीत शामिल है, जिसमें हिरासत में लिए गए कुछ संदिग्ध शामिल थे।

'एशिया-प्रशांत सहयोग का नया दौर शुरू', चीन में होगा अगला एपीईसी शिखर सम्मेलन, जिनपिंग ने की घोषणा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घोषणा की कि वर्ष 2026 का एपीईसी शिखर सम्मेलन चीन के शेनझेन शहर में आयोजित किया जाएगा। इस बैठक में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेता शामिल होंगे। दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में संपन्न इस साल की बैठक के समापन सत्र में शी ने यह एलान किया। उन्होंने कहा कि शेनझेन, जो कभी एक छोटा मछली पकड़ने वाला गांव था, आज आधुनिक अंतरराष्ट्रीय महानगर बन चुका है। यह चीन के खुलेपन और विकास की कहानी का प्रतीक है। आने वाले साल में हम सब इसी शहर में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास का नया अध्याय लिखेंगे।

ट्रंप-शी बैठक बनी रही चर्चा का केंद्र : इस साल के एपीईसी सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। दोनों नेताओं के बीच टैरिफ और दुर्लभ खनिजों के व्यापार को लेकर नई सहमति बनी। ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका चीन पर लगाई गई फेंटानिल टैरिफ को 20% से घटाकर 10% करेगा।

इसके बदले चीन ने अमेरिका से सोयाबीन और सेमीकंडक्टर चिप्स के आयात को मंजूरी दी और दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियंत्रण को हटाने पर सहमति जताई। ट्रंप ने कहा कि वह अप्रैल 2026 में चीन का दौरा करेंगे, जबकि शी जिनपिंग उसके बाद अमेरिका की यात्रा करेंगे। संभावना जताई जा रही है कि ट्रंप भी शेनझेन शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे।

विकास पर जोर : शी जिनपिंग ने अपने संबोधन में कहा एशिया-प्रशांत देशों को पारस्परिक सहयोग को और गहरा करना चाहिए, नई तकनीकों में खुला नवाचार अपनाना चाहिए और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को मानवता के हित में दिशा देनी चाहिए। उन्होंने विकसित देशों से विकासशील देशों को वित्तीय, तकनीकी और क्षमता निर्माण में सहयोग देने की अपील की। शी ने कहा कि एपीईसी की असली ताकत उसकी एकजुटता और साझा दृष्टिकोण में निहित है।

क्षेत्रीय सहयोग और तकनीकी

चीन के लिए शेनझेन क्यों है खास : शेनझेन चीन की आर्थिक क्रांति का केंद्र माना जाता है। 1980 के दशक में यह शहर चीन के पहले आर्थिक विशेष क्षेत्र के रूप में उभरा था। आज यहां तकनीकी, विनिर्माण और समुद्री व्यापार का मजबूत नेटवर्क है, जो इसे एपीईसी जैसे वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी के लिए आदर्श स्थान बनाता है।

डिक्शनरी डॉट कॉम ने 6-7 को वर्ड ऑफ द ईयर घोषित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। ऑनलाइन शब्दकोश, डिक्टशनरी डॉट कॉम का इस वर्ष का वर्ड ऑफ द ईयर कोई शब्द नहीं है। इस बार उसने वायरल शब्द या वाक्यांश '6-7' को इस श्रेणी में जगह दी, जो बच्चों-किशोरों में बहुत लोकप्रिय है। यह पीढ़ी इस वाक्यांश का अकसर इस्तेमाल करते हैं जबकि माता-पिता और शिक्षक इसे समझ नहीं पा रहे हैं। डिक्शनरी ने इसे तय करने के लिए सर्च इंजन, और शोशल मीडिया ट्रेंड्स का विश्लेषण किया।

मुठभेड़ में चार उग्रवादी ढेर, सेना की टुकड़ी पर की थी गोलीबारी

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में मंगलवार सुबह सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के चार उग्रवादी मारे गए। अधिकारियों के अनुसार यह मुठभेड़ हेंगलेप उपखंड के अंतर्गत आने वाले खानपी गांव में हुई। रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में बताया कि खानपी गांव, चुराचांदपुर से लगभग 80 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। सेना की एक टुकड़ी वहां नियमित गश्ती पर थी, तभी उग्रवादियों ने उन पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने चार उग्रवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ स्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा गया है और सर्च ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर है।

सब्जी वाले की 11 करोड़ की लॉटरी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब सरकार की दिवाली बंपर लॉटरी का 11 करोड़ का इनाम जीतने वाला आखिरकार 4 दिन बाद मिल गया। अमित राजस्थान के जयपुर में सब्जी की रेहड़ी लगाते हैं। मंगलवार को वह अपनी पत्नी और दोनों बच्चों के साथ चंडीगढ़ स्थित पंजाब स्टेट लॉटरीज ऑफिस में लॉटरी क्लेम करने पहुंचे। सरकार उन्हें चेक सौंपेगी। अमित ने बताया कि मैं गलियों में आलू-टमाटर बेचकर अपने परिवार का गुजारा करता हूं। विश्वास नहीं हो रहा कि मेरी लॉटरी निकली है। कभी रेहड़ी लगाते समय पुलिस वालों से गालियां सुननी पड़ती थी। मैं हनुमान जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझे इस काबिल बना दिया। मैंने पहली बार टिकट खरीदा है। यहां आने के लिए मेरे पास किराए के पैसे भी नहीं थे। लोगों से उधार लेकर यहां पहुंचा हूं। अब मेरी किस्मत पूरी तरह बदल गई है।

4 करोड़ की 4 ट्रक कफ सिरप पकड़ी

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने सोमवार रात गोदाम पर छापा मारा। वहां से चार ट्रक कफ सिरप बरामद हुआ। सिरप चूने की बोरियों के नीचे छिपाया गया था। पुलिस ने सात तस्करों को गिरफ्तार किया है। मौके से 20 लाख रुपए नकद और एक क्रेटा कार भी मिली। सिरप की कीमत करीब 4 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह माल यूपी, दिल्ली और बांग्लादेश तक भेजा जाना था। पुलिस को शक है कि गिरोह बड़ा है। कई लोग इसमें शामिल हो सकते हैं। औषधि विभाग जांच कर रहा है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है। पुलिस जांच में सामने आया कि तस्करों ने सिरप को चूने और सड़े चावल की बोरियों के नीचे छिपा रखा था। यह कार्रवाई सोनभद्र पुलिस की जानकारी पर की गई। वहां हाल ही में कफ सिरप की बड़ी खेप पकड़ी गई थी, जो जांच में गाजियाबाद से भेजी गई निकली।

बिलासपुर में पैसेंजर ट्रेन-मालगाड़ी भिड़ी, बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग ठप

10 की मौत, इलेक्ट्रिक लाइन और सिग्नल सिस्टम को नुकसान,

बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मंगलवार को बड़ा रेल हादसा हो गया। कोरबा पैसेंजर ट्रेन और एक मालगाड़ी के बीच जोरदार टक्कर हुई। 10 लोगों की मौत की खबर है। कई यात्री घायल बताए जा रहे हैं। हादसा बिलासपुर-कटनी रेल सेक्शन के लाल खदान इलाके में हुआ। रेस्क्यू जारी है। सूचना मिलते ही रेलवे और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। एक मासूम को भी रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलहाल रेस्क्यू अभियान जारी है। रेस्क्यू टीमों ने अब तक कई यात्रियों को सुरक्षित निकाला है, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। रेलवे प्रशासन ने हादसे के तुरंत बाद मेडिकल यूनिट और डिविजनल अफसरों को मौके पर भेजा। हादसे की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारी बिलासपुर से रवाना हो चुके हैं। फिलहाल पूरे रूट पर ट्रेनों का संचालन ठप कर दिया गया है। कई एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों को रद्द या रूट डायवर्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि टक्कर के बाद ओवरहेड वायरिंग और सिग्नलिंग सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचा है, जिसने बहाली में समय लग सकता है। तकनीकी टीमें मरम्मत और ट्रैक क्लियरेंस का काम कर रही हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था शुरू की है। वहीं अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि टक्कर कैसे हुई। रेलवे ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रारंभिक संभावना है कि सिग्नलिंग सिस्टम की गड़बड़ी या मानवीय त्रुटि के कारण यह हादसा हुआ हो सकता है।

पुष्कर मेला में सप्तऋषि घाट पर संत-महंत ने किया शाही स्नान

अजमेर (एजेंसी)। राजस्थान के अजमेर में पुष्कर मेला में पंचतीर्थ स्नान के तीसरे दिन ब्रह्म चतुर्दशी पर देशभर से संत-महंत पुष्कर पहुंचे हैं। सप्तऋषि घाट पर शाही स्नान हुआ। जिसके लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुष्कर पहुंचे। सुबह मंगला आरती से पहले ब्रह्मा जी का महाअभिषेक हुआ। इसके बाद 56 भोग की झांकी सजाई गई और मनमोहक श्रृंगार के साथ महाआरती की गई। सीन भक्ति पीठ से सैनाचार्य अचलानंदाचार्य महाराज और राम स्नेही राम के महंत प्रेमदास महाराज के सानिध्य में संतों की शाही यात्रा निकाली गई। सप्तऋषि घाट पर पहुंचने के बाद संतों की ओर से ब्रह्म सरोवर का पूजन-अभिषेक कर शाही डुबकी लगाई गई। इस दौरान संतों ने नशे का त्याग करने का आह्वान किया और भगवान से हो रहे हादसों पर अंकुश लगाने की प्रार्थना की। इसके पहले सुबह पहले मटका रेस हुई और इसमें देसी-विदेशी पर्यटकों ने खासा उत्साह दिखाया। इस दौरान दर्शकों की भीड़ रही। भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए पुलिसकर्मी भी तैनात रहे। मटका रेस में बांदरसिंदरी की आयुषी चौधरी विजेता रही व म्यूजिकल चेयर रेस में मसूदा की अनीता कंवर प्रथम रहीं। इस प्रतियोगिता में 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। वहीं मेला में पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा ने भी नाराजगी जताकर कहा कि ऐसा करने पर सरकार व प्रशासन के लिए डूब मरने की बात है। पुष्कर में बढ़ती भीड़ को देखकर जिला प्रशासन ने मुख्य बाजार से ब्रह्मा चौक तक वन वे व्यवस्था लागू की। पंचतीर्थ स्नान का समापन बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र सरोवर में होने वाले महास्नान के साथ होगा।

ऑनलाइन जुआ-सट्टा मामला, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा, कहा

ई-स्पोर्ट्स गेम्स के नाम पर ऑनलाइन जुआ चलाने वालों पर एक्शन ले सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ऑनलाइन गेमिंग कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने सभी याचिकाओं पर सरकार से विस्तृत जवाब देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- हम चाहते हैं कि केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल जवाब की कॉपी याचिकाकर्ताओं के वकीलों को पहले से दे दें। ताकि वे भी जल्द से जल्द अपना जवाब दाखिल करें।

बेंच ने एक शतरंज खिलाड़ी की याचिका पर भी सुनवाई की। इसपर सरकार को निर्देश दिया कि ई-स्पोर्ट्स गेम्स की आड़ में ऑनलाइन जुआ-सट्टेबाजी चलाने वाले प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई करें। मामले में सभी याचिकाकर्ताओं की मांग है कि ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ प्लेटफॉर्म को बैन किया जाए। प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के तहत देश में रियल मनी गेमिंग पर बैन लगाया जाएगा। यह बिल 20 अगस्त को लोकसभा और 21 अगस्त को राज्यसभा से पास हुआ था। 22 अगस्त को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद अब यह कानून बन गया है। 8 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस याचिका को मंजूरी दी थी जिसमें प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं को तीन हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की गई थी ताकि अलग-अलग फैसलों से बचा जा सके।

26 नवंबर को अगली सुनवाई

अब यह मामला 26 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। सुंदरम कहा, मैं एक शतरंज खिलाड़ी हूं और यह मेरा जीविका का साधन है। मैं एक एप लॉन्च करने वाला था। इस पर जस्टिस पारदीवाला ने कहा, भारत अजीब देश है। आप खिलाड़ी हैं, खेलना चाहते हैं, यह आपकी आजीविका का साधन है, इसलिए आप कार्यवाही में शामिल होना चाहते हैं। वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता ऑनलाइन मैच में हिस्सा लेते हैं और इसके लिए भागीदारी शुल्क भी देते हैं। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि उनकी याचिका को भी बाकी लंबित याचिकाओं के साथ जोड़ दिया जाए।

हंगामेदार रही उत्तराखंड विधानसभा सत्र की शुरुआत, विपक्ष ने गंगा सफाई पर चर्चा की मांग उठाई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही मंगलवार को हंगामे के साथ शुरू हुई। सत्र के आरंभ होते ही धारचूला से कांग्रेस विधायक हरीश धामी ने गंगा नदी की सफाई पर चर्चा कराने की मांग की। इस पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने जवाब देते हुए कहा कि गंगा सफाई को लेकर समय-समय पर सेमिनार और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विस्तृत जानकारी दी जाती है। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने और चर्चा को क्रमवार चलाने की अपील की। इस विशेष सत्र में राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर 'राज्य की प्रगति और भविष्य का रोडमैप' विषय पर चर्चा हो रही है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने किया था सत्र का शुभारंभ

इससे एक दिन पहले सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विधानसभा सत्र का शुभारंभ किया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा था कि उत्तराखंड को देश का नंबर वन राज्य बनाने के लिए ठोस नीतियां और योजनाएं तैयार करनी होंगी। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में महिलाओं के सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को राज्य की प्रगति की प्रमुख दिशा बताया था। विशेष सत्र में राज्य के विकास की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा जारी है।

अस्पतालों में होने वाले प्रसव के वीडियो पहुंच रहे पॉर्न मार्केट, मचा हड़कंप

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के एक मैटरनिटी अस्पताल में प्रसव हुआ। उसका वीडियो पॉर्न मार्केट में पहुंचा तो हड़कंप मच गया। अब आशंका जताई जा रही है कि देशभर के अस्पताल में प्रसव से जुड़े फुटेज भी पॉर्न मार्केट में पहुंच सकते हैं। गुजरात के राजकोट में पायल मैटरनिटी हॉस्पिटल में सीसीटीवी सिस्टम को उसके डिफॉल्ट एडमिन लॉगिन पासवर्ड के जरिये हैक करने का मामला देश के सबसे परेशान करने वाले साइबर स्कैंडल्स में से एक बन गया है। हैकर्स ने अस्पताल के सीसीटीवी सिस्टम को हैक कर गाइनाकोलॉजी वार्ड में महिलाओं की जांच की फुटेज चुराकर मुनाफा कमाने के लिए अंतरराष्ट्रीय पॉर्न मार्केट में बेच दीं। इस घटना से देशभर में साइबर सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गईं।

जांच के दौरान देशभर के कई शहरों- पुणे, मुंबई, नासिक, सूरत, अहमदाबाद और दिल्ली के करीब 80 सीसीटीवी डैशबोर्ड हैक हुए पाए गए। पीड़ित 20 राज्यों में फैले हुए थे। इनमें अस्पताल से लेकर स्कूल, कॉर्पोरेट हाउस, सिनेमा हॉल, फैक्ट्रियां और यहां तक कि प्राइवेट घर भी शामिल थे। रिपोर्ट के अनुसार, एक्सेस लॉग्स के मुताबिक जनवरी 2024 से लेकर दिसंबर 2024 की शुरुआत तक करीब एक साल तक यह सेंधमारी चली। इस साल फरवरी में साइबर अपराधियों को गिरफ्तार लिया गया। हैकर देशभर से नौ महीनों में करीब 50,000 सीसीटीवी क्लिप्स चुराने में कामयाब रहे। यह स्कैम तब सामने आया जब राजकोट फैसिलिटी के टीजर क्लिप और यूट्यूब चैनलों पर ऑनलाइन पोस्ट किए गए। कस्टमर्स को फुटेज खरीदने के लिए टेलीग्राम ग्रुप्स में ले जाया जाता था, जिसकी कीमत 700 रुपये से 4,000 रुपये के बीच होती थी।

जानकारी के मुताबिक इस मामले में इस साल शुरुआत में ही पहली गिरफ्तारियां हो गई थीं, लेकिन जांचकर्ताओं ने पाया कि ये गैर-कानूनी तरीके से हासिल किए गए क्लिप जून तक टेलीग्राम ग्रुप्स पर मौजूद थे। जांचकर्ताओं ने पाया कि इनमें से कई सीसीटीवी सिस्टम अब भी फैक्ट्री-सेट पासवर्ड का इस्तेमाल कर रहे थे। अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने बताया कि इसमें 'ब्रूट फोर्स अटैक' का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें हैकर्स एक प्रोग्राम या बॉट का इस्तेमाल करके लॉक के लिए अक्षर और नंबर के हर मुमकिन कॉम्बिनेशन को ट्राई करते हैं।

जयपुर डंपरकांड के बाद सीएम शर्मा का एक्शन, शराब पीकर वाहन चलाने वालों का लाइसेंस रद्द करो

जयपुर (एजेंसी)। पिंक नगरी के नाम से मशहूर जयपुर में डंपर के कहर से 14 लोगों की मौत होने के बाद भजनलाल सरकार ने ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई का फैसला किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आदेश जारी किए हैं कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों का लाइसेंस रद्द कर दिया जाए।

परिवहन, पुलिस और सार्वजनिक निर्माण विभाग संयुक्त रूप से प्रदेशभर में मंगलवार (4 नवम्बर) से आगामी 15 दिन तक सड़क सुरक्षा अभियान चलाएंगे। हादसे के बाद देर रात मुख्यमंत्री आवास पर सीएम भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में ट्रैफिक व रोड सेफ्टी को लेकर हाईलेवल बैठक हुई।

सीएम शर्मा ने आदेश दिया कि हाईवे के आस-पास अतिक्रमण को तुरंत हटाया जाए। प्रदेश में अवैध कटों को बंद किया जाए, ओवरलोडिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। समय पर कार्यवाही नहीं करने वाले विभागीय अधिकारियों, कार्मिकों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई होगी।

सीएम शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में यातायात एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने परिवहन, पुलिस और सार्वजनिक निर्माण विभाग को संयुक्त रूप से प्रदेशभर में मंगलवार (4 नवम्बर) से आगामी 15 दिन तक सड़क सुरक्षा अभियान चलाए। यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करवाने के साथ ही दुर्घटनाओं में जनहानि को रोकने के लिए सभी संबंधित विभाग मिलकर काम करें। उन्होंने जिला सड़क सुरक्षा समिति की नियमित बैठक नहीं लेने वाले जिला कलेक्टर्स से जवाब लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारी वाहन लाइसेंस नवीनीकरण के समय प्रस्तुत की जाने वाली आंखों की जांच रिपोर्ट गलत पाए जाने पर उसे जारी करने वाले संबंधित डॉक्टर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

पूर्व विदेश सचिव ने किया खुलासा : चीन और पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाई दोस्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और पाकिस्तान के बीच जबरदस्त गठजोड़ दिखाई दिया। इसे रणनीतिक साझेदारी बताते हुए पूर्व विदेश सचिव पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन-पाकिस्तान के बीच गहरी रणनीतिक साझेदारी का संकेत मिला। पाकिस्तान के साथ चीन की भागीदारी रक्षा आपूर्ति से आगे बढ़कर खुफिया और कूटनीतिक समर्थन तक पहुंच गई है। इससे एक सदाबहार गठबंधन बन गया है जिसका उद्देश्य भारत के उत्थान को रोकना है। श्रृंगला ने पुणे इंटरनेशनल सेंटर की ओर से आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान भारत की विदेश नीति और रणनीतिक मामलों पर बात की। चीन में भारत के पूर्व राजदूत गौतम बंबावाले ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। बता दें कि इस साल मई में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का करारा जवाब था। इसमें 26 पर्यटकों की हत्या कर दी गई। 6-7 मई की रात भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान व पीओके में 9 आतंकी ठिकानों (बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद आदि) पर प्रिसिजन मिसाइलें दागीं। इस दौरान 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया। पाकिस्तान ने जवाबी हमले किए, लेकिन भारत ने उसके 11 एयरबेस, रडार तबाह कर दिए। हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि भारत की विदेश नीति यथार्थवाद और आदर्शवाद के बीच संतुलन को दर्शाती है। यह विकासात्मक जरूरतों, रणनीतिक आजादी और समावेशी नजरिए को एक साथ लेकर चलती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से चीनी हथियारों के इस्तेमाल से संबंधित प्रश्न पूछे गए। इस पर श्रृंगला ने इस संघर्ष को चीन-पाकिस्तान के बीच गहरी रणनीतिक साझेदारी का संकेत बताया।

कांग्रेस के युवराज की शादी हुई तो पीएम मोदी उसमें शामिल होंगे: गिरिराज

-मल्लिकार्जुन खड़गे के पीएम पर किए तंज का केंद्रीय मंत्री ने दिया जवाब

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव मतदान का दिन करीब है और राजनीतिक दलों में बयानबाजी तीखी होती जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पीएम नरेंद्र मोदी पर किए गए तंज के बाद अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने जवाब दिया है। दरअसल खड़गे ने सोमवार को पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि 'पीएम बिहार में ऐसे घूम रहे हैं जैसे उनके बेटे की शादी हो।' इस बयान के जरिए खड़गे ने पीएम मोदी की चुनावी रैलियों और रोड शो पर निशाना साधा था। खड़गे ने आरोप लगाया था कि मोदी बिहार के सीएम नीतीश कुमार को 'डुबाने की चाल' चल रहे हैं और चुनाव के बाद उन्हें किनारे कर अपने किसी 'चेले' को सीएम बना देंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने यह भी कहा कि बीजेपी ने नीतीश कुमार को 'गायब' कर दिया है, क्योंकि अब पीएम मोदी समेत एनडीए नेता उन्हें सीएम पद के दावेदार के रूप में पेश करने की बात भी नहीं करते। उन्होंने व्यंग्य में कहा कि नीतीश जी अब मोदी की गोद में बैठे हैं, लेकिन चुनाव के बाद उन्हें दूध में से मक्खी की तरह निकाल दिया जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष के इन तीखे हमलों पर बीजेपी ने तुरंत जवाब दिया। गिरिराज ने खड़गे के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस के युवराज की शादी होती है, तो पीएम मोदी उसमें भी शामिल होंगे। गिरिराज ने कहा कि ये लोग पहले हिट एंड रन की राजनीति करते हैं और फिर माफी मांग लेते हैं। सरकार बनने पर हम इनको गंगाजल से शुद्ध करेंगे। गिरिराज ने कहा कि बीजेपी ने नीतीश कुमार को लेकर साफ नारा दिया है- '2025 में नीतीश कुमार', यानी नीतीश ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सीट बंटवारे पर पहले अपना हाल तो देख लें, महागठबंधन के अंदर ही खींचतान खत्म नहीं हो रही है।

खड़गे ने अपने बयान में पीएम मोदी के रोड शो का जिक्र करते हुए कहा था कि नीतीश जी कहां थे, कहीं नजर नहीं आए। मोदीजी ने उन्हें गायब कर दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी-जेडीयू सरकार अब जनता की समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए घोषणाओं की राजनीति कर रही है। खड़गे ने आगे कहा कि दो दशक से बिहार में बीजेपी-जेडीयू की सरकार है और 11 साल से मोदी केंद्र में हैं। फिर भी बिहार में बेरोजगारी, पलायन और आर्थिक असमानता बढ़ती जा रही है।

उन्होंने नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'चुनाव आते ही महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपए डाल दिए गए, ताकि वोट मिल जाएं, लेकिन बिहार के लोग समझदार हैं वे सोच-समझकर वोट देंगे। बीजेपी की तरफ से गिरिराज के अलावा कई नेताओं ने भी कांग्रेस पर पलटवार किया है। गिरिराज ने तीखे शब्दों में कहा कि लालू के युवराज और राहुल गांधी दोनों को अब समझना चाहिए कि बिहार की राजनीति अब मजाक नहीं है। चौबे चले छब्बे बनने, लेकिन दुबे बनकर लौटे।

बयानबाजी के इस दौर में दोनों दल एक-दूसरे पर व्यक्तिगत हमले करने से भी नहीं चूक रहे हैं। खड़गे के 'बेटे की शादी' वाले तंज के जवाब में गिरिराज का कांग्रेस युवराज की शादी वाला व्यंग्य अब बिहार के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का नया केंद्र बन गया है।

मार्च 2026 के आखिर तक 7 मिशन प्रक्षेपित करेगा इसरो, चीफ ने बताया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मार्च 2026 के आखिर तक 7 मिशन प्रक्षेपित करने का लक्ष्य रखा है। इनमें गगनयान कार्यक्रम के तहत पहला मानवरहित मिशन भी शामिल है। यह जानकारी देते हुए इसरो अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा कि इसरो ने गगनयान कार्यक्रम के तहत मानवयुक्त मिशन से पहले तीन मानवरहित मिशन को प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है। इनमें से पहला मानवरहित प्रक्षेपण-जी1 मिशन-मार्च 2026 तक होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि हमारा गगनयान कार्यक्रम अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है। यह अंतिम चरण में है। सभी उपकरण श्रीहरिकोटा पहुंच चुके हैं और उन्हें संयोजित किया जा रहा है। हमने तीन मानवरहित मिशन की योजना बनाई है। पहला मानवरहित मिशन, जी1 मिशन, चालू वित्त वर्ष के अंत से पहले पूरा हो जाएगा।

नारायणन ने भविष्य के मिशन कार्यक्रमों के बारे में कहा कि मार्च 2026 के अंत से पहले सात मिशनों की योजना है। वह अंतरिक्ष विभाग के सचिव पद पर भी पदस्थ हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल पीएम मोदी के इस दृष्टिकोण के तहत की गई है कि इसरो अगले पांच सालों में 50 रॉकेट प्रक्षेपित करेगा। उन्होंने कहा कि हमने इस वित्तीय वर्ष के अंत से पहले सात प्रक्षेपण करने की योजना बनाई है। यह मार्च 2026 तक है।

नारायणन ने कहा कि रविवार के एलवीएम3-एम05 प्रक्षेपण के बाद, एजेंसी एक अन्य एलवीएम3 रॉकेट प्रक्षेपण करेगा, जो एक ग्राहक के लिए वाणिज्यिक संचार उपग्रह कक्षा में ले जाएगा। इसके बाद हम तीन और पीएसएलवी मिशन को अंजाम देंगे। इनमें से एक एनएसआईएल के ग्राहक के उपग्रह के लिए है। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड इसरो की वाणिज्यिक शाखा है।

इसरो प्रमुख ने कहा कि इसरो ने एक अन्य प्रौद्योगिकी विकास मिशन पीएसएलवी-एन1 की भी योजना बनाई है, जिसे चालू वित्त वर्ष के अंत से पहले प्रक्षेपित करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे घटनाक्रम हो रहे हैं। हमने मार्च 2026 से पहले जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट मिशन की भी योजना बनाई है।

बांग्लादेश बना नया नार्को हब: आईएसआई और दाउद गैंग ने बुना जाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और दाउद इब्राहिम के डी-सिंडिकेट द्वारा नशीले पदार्थों के व्यापार को बढ़ाने और भारत तथा अन्य देशों में फैलाने के लिए बांग्लादेश को मुख्य केंद्र बनाने की योजना पर काम कर रहा है। भारत में एजेंसियों की कड़ी कार्रवाई के कारण, डी-सिंडिकेट ने नशीले पदार्थों के कारोबार को बढ़ाने के लिए बांग्लादेश में अपना अड्डा बना लिया है। आईएसआई ने डी-सिंडिकेट को बांग्लादेश को भारतीय बाजार में ड्रग्स पहुँचाने के लिए मुख्य केंद्र के रूप में इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है। आईएसआई बांग्लादेश की वर्तमान अंतरिम सरकार के पाकिस्तान के प्रति दोस्ताना रवैये का फायदा उठा रहा है। आईएसआई चाहती है कि दाऊद गैंग बांग्लादेश का इस्तेमाल सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पश्चिमी और मध्य पूर्वी देशों में भी ड्रग्स की तस्करी के लिए करे।

दाउद-सिंडिकेट ने म्यांमार से ऑपरेट होने वाले ड्रग माफिया के साथ गठबंधन किया है। व्यापार को अंजाम देने के लिए बड़ी संख्या में युवाओं की भर्ती की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि बांग्लादेश को मुख्य ऑपरेटिंग सेंटर बनाने का मकसद पाकिस्तान से फोकस हटाना है। जब फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) जैसी संस्थाएं टेरर फंडिंग की जाँच करेंगी, तब उंगली बांग्लादेश पर उठेगी, पाकिस्तान पर नहीं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में वापस आने से बचना चाहता है, क्योंकि इससे उसकी अर्थव्यवस्था ढह सकती है।

वहीं पाकिस्तान सऊदी अरब के बाजार पर भी नजर रख रहा है। दोनों देशों के बीच हुए परमाणु सुरक्षा और सैन्य समझौते का फायदा उठाया जा रहा है। योजना है कि सऊदी अरब में रहने वाले अवैध पाकिस्तानी नागरिकों को ड्रग्स व्यापार के लिए इस्तेमाल किया जाए। खुफिया एजेंसियों के अनुसार, दाऊद नेटवर्क ने एक बार फिर अल-कायदा और बोको हराम के साथ संबंध शुरू कर दिए हैं। ये आतंकी समूह भारी रकम के बदले दाऊद नेटवर्क को ड्रग्स सप्लाई करने वाले हैं। इस नेटवर्क को दाऊद का भाई अनीस इब्राहिम संभालेगा। इन आतंकी समूहों को भर्ती और ट्रेनिंग के लिए फंड की जरूरत है, इसलिए यह गठजोड़ उनके लिए फायदेमंद है। आईएसआई द्वारा बड़े पैमाने पर नार्कोटिक्स ट्रेड को बढ़ाना सिर्फ भारत के लिए नहीं, बल्कि कई दूसरे देशों के लिए भी एक बड़ी समस्या है, जिससे निपटने के लिए एकजुट प्रयास की जरूरत है।